जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 30 अगस्त, 2026

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No. RAJ/P/2023/2387

कल 5 लाख रेट बढ़ेगी !

POSSESSION STARTED

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

₹4300/- Sq ft में फ्लैट ! दिसंबर तक 25 लाख रेट बढ़ेगी ₹5500/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

KEDIA आरण्यम

ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

RAJ/P/2026/5326

अब आपका Address आपका Status बतायेगा !

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट ₹16500/ वर्ग गज

लॉन्च रेट ₹18000/ वर्ग गज

दिवाली की रेट ₹20000/ वर्ग गज

NO MIDDLE MEN

FIXED PRICE

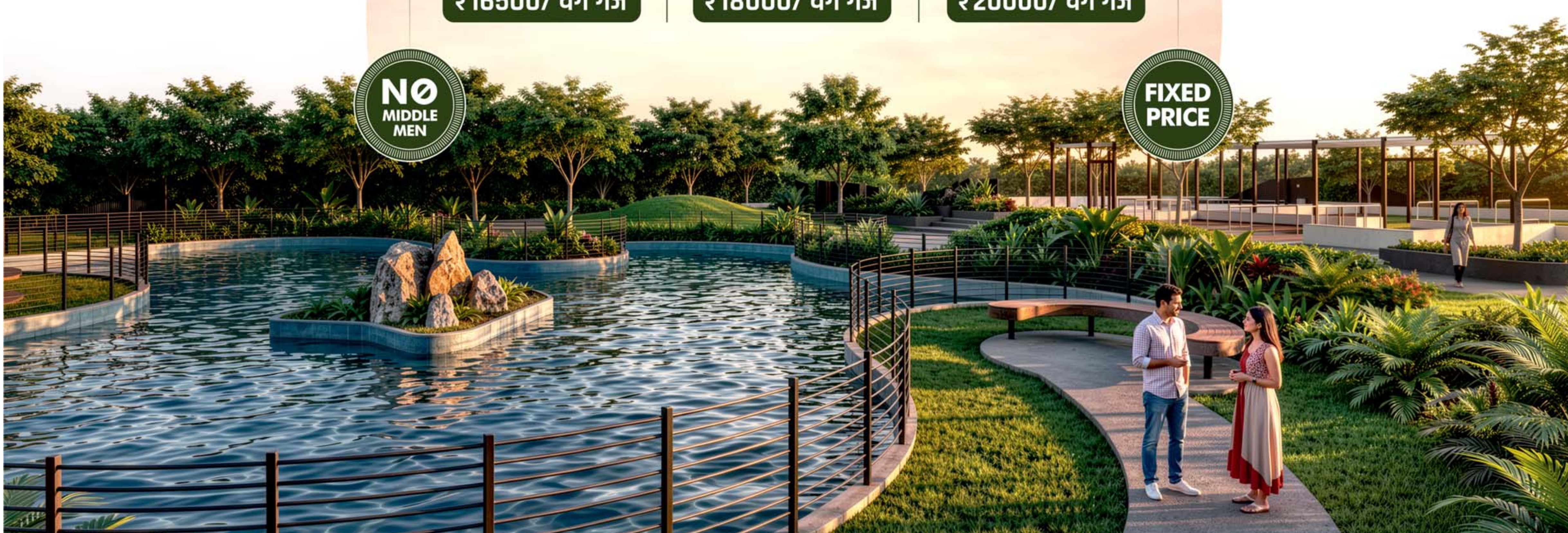

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

T&C Apply*

विचार बिन्दु

कर्म, ज्ञान और भक्ति- ये तीनों जहाँ मिलते हैं वहीं सर्वश्रेष्ठ पुरुषार्थ जन्म लेता है। -अरविंद

रामचरितमानस की समकालीन व्याख्या के दार्शनिक सूत्र

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं-किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा-प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों-जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि-के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी, वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है-जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है-और संभवतः पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ-स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी, तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गई रामचरितमानस की यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन, नैतिक भ्रम, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है-तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन, और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक-सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है,जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्यासम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह-अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यहसीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है-जो आधुनिकपारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर-जहाँ युद्ध, उग्रवाद, और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं-रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतःशांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एकनैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है। इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों-मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था-के समाधान का एक जीवंत स्त्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है-जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष, भारत और विश्व-एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं,जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों-युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप-दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद-जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी-संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है-जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं। तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यविन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य-कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक-स्पष्ट होते हैं।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता-दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आह्वान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक-उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है।

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग-जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक-का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म-दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और आत्म-स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन-संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्व मीमांसा, भक्ति-सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक-भावनात्मक आरोपण का सूत्र है-जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंधबुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण-क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं-जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूति जैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमा और सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुनःप्रगट हो रही हैं-जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ-रचनाकी भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका-विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा-आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं-उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रंथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन-व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय-तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन-पद्धति बन जाएगा-जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति-तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता-दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आह्वान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक-उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है-कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

व्याख्या जारी रहेगी!

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

कोटा में दुर्लभ सिक्कों, नोटों और डाक टिकटों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रदर्शनी में प्राचीन मौर्यकालीन सिक्कों से लेकर स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक चंदा कूपनों का अनोखा संग्रह प्रदर्शित किया गया है

कोटा, (निसं)। स्टैम्प्स, कॉइन्स, नोट्स सोसाईटी (एसएनसी) कोटा के तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन शनिवार से एक होटल में प्रारंभ हुआ, जो 31 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शनी का औपचारिक शुभारंभ भाजपा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन में प्राचीन और मध्यकालीन भारत की ऐतिहासिक झलक देखने को मिल रही है। प्रदर्शनी में सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले प्राचीन सिक्कों से लेकर मुगल सल्तनत, ब्रिटिश हुकूमत और स्वतंत्र भारत द्वारा जारी विभिन्न ऐतिहासिक व अत्यंत दुर्लभ सिक्कों का नायाब संग्रह प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा, देश के राजनीतिक इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी यहाँ दर्शाए गए हैं, जिनमें स्वराज पार्टी, भारतीय जनसंघ और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ऐतिहासिक चंदा कूपन विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

कोटा में तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय दुर्लभ सिक्कों, नोटों और डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगी है।

- **देश के राजनीतिक इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी दर्शाए गए हैं**
- **प्रदर्शनी में राजाओं के जमाने की एक दुर्लभ प्राचीन सुराही दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है**

देशभर से जुटे प्रमुख संग्रहकर्ता और स्टॉल्स, अनोखी ऐतिहासिक सुराही बनी आकर्षण :-एसएनसी कोटा के इस प्रतिष्ठित आयोजन को सफल बनाने के लिए देशभर से आए नामचीन संग्रहकर्ताओं द्वारा 100 से भी अधिक स्टॉल्स लगाई गई हैं। प्रदर्शनी में राजाओं के जमाने की एक दुर्लभ प्राचीन सुराही दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है। अपनी उत्कृष्ट कलाकृति और विशाल क्षमता के लिए प्रसिद्ध इस ऐतिहासिक सुराही में एक पूरी बाल्टी पानी समां जाता है, जिसे देखने के लिए दिनभर लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी को आकार देने में सोसाइटी के फाउंडर सौरभ लोढ़ा एवं कॉ-फाउंडर शुभम लोढ़ा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में सोसाईटी के संरक्षक आनंद राठी, नरेन्द्र कटियाल, उद्धवदास मरचुनिया सहित देश के प्रमुख संग्रहकर्ता निखिलेश सेठी, सुधीर तुलस्यान और अभिनंदन सेठी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी के पहले ही दिन विभिन्न प्रकार के दुर्लभ सिक्कों, ऐतिहासिक नोटों और प्राचीन स्टैम्प्स (डाक टिकटों) को देखने के लिए शहर के नागरिकों, विद्यार्थियों और इतिहास प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दिनभर लोग भारत की इस अमूल्य धरोहर को करीब से देखने और इसके बारे में जानने के लिए उत्सुक नजर आए। आयोजकों ने सभी शहरवासियों से 31 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की है। सौरव लोढ़ा ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस और युवा पीढ़ी को देश के समृद्ध इतिहास, प्राचीन मुद्रा प्रणाली और दुर्लभ डाक टिकटों के ऐतिहासिक महत्व से रूबरू कराना है।

सादुलपुर : ताँबाखेड़ी में हंसियावास डेम के विरोध में किसानों का धरना जारी

धरने पर बैठे किसानों को छोटी बच्ची दिव्या पूनिया ने संबोधित किया

सादुलपुर, (निसं)। तम्बाखेड़ी में चल रहे किसान धरने पर छोटी बच्ची दिव्या पूनिया ने किसानों को संबोधित किया। तम्बाखेड़ी गांव में यमुना जल समझौता के तहत प्रस्तावित हंसियावास डेम के निर्माण और भूमि अधिग्रहण से पहले हंसियावास डेम किसान संघर्ष समिति का धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। किसानों की मुख्य मांग है कि हरियाणा को पानी देने वाला डेम हरियाणा में ही बनाया जाए, या फिर इस डेम की भूमि अधिग्रहण होने की स्थिति में हरियाणा के भूमि अधिग्रहण के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। 8 गांवों के किसान धरने पर बैठे हैं। समिति ने विधायक मनोज न्यांगली द्वारा विधानसभा में डेम का मुद्दा उठाने पर धन्यवाद प्रस्ताव भी पास किया है।

- **धरने पर बैठे किसानों की मुख्य मांग है कि हरियाणा को पानी देने वाला डेम हरियाणा में ही बनाया जाए**
- **या फिर इस डेम की भूमि अधिग्रहण होने की स्थिति में हरियाणा के भूमि अधिग्रहण के हिसाब से मुआवजा दिया जाए**

धरने में चुंबकीयागढ़ से राममूर्ति तरड, संतलाल, छिरंग, जयवीर बेनीवाल, राजेंद्र सिहाग, ताम्बाखेड़ी से सुनील पूनिया, भलेराम, लेखराम, बजरंग, संदीप, सुरेश दुमकी, संतलाल, आशा राम, मंगलाराम, कृपाराम, धनोंटी से वीरसिंह, महिपाल, ढींगारड़ा से उमेद बुडानिया, दलीप राठौर आदि किसान बैठे हैं। इसी धरने पर छोटी बच्ची दिव्या पूनिया ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जमीन हमारी माँ है, इसे कैसे छोड़ दें। बच्ची ने सरकार से गुहार लगाते हुए कहा कि किसानों की जमीन का सही दाम दो। दिव्या के इस संबोधन के बाद पूरे धरना स्थल पर जोश भर गया और किसानों ने जय किसान जय जवान के नारे लगाए। ग्रामीणों ने कहा कि जब एक छोटी बच्ची को भी अपनी जमीन की चिंता है तो सरकार को किसानों की पीड़ा समझनी चाहिए।

भरतपुर साइकिल क्लब का चार सदस्यीय दल जयपुर रवाना

राइड का उद्देश्य साइकिलिंग को बढ़ावा देने, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है

भरतपुर, (निसं)। राजस्थान रोड राइडर्स, जयपुर द्वारा आयोजित जयपुर से बीसलपुर तक 150 किलोमीटर की साइकिल राइड में भरतपुर का प्रतिनिधित्व करने के लिए भरतपुर साइकिल क्लब का चार सदस्यीय दल भरतपुर से जयपुर के लिए रवाना हुआ। इस राइड का उद्देश्य साइकिलिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

जयपुर से बीसलपुर के बीच होने वाली इस राइड के दौरान भरतपुर साइकिल क्लब के सदस्य रास्ते में करंज, गुलमोहर, नीम एवं पापड़ी जैसे स्थानीय एवं शीघ्र विकसित होने वाले पेड़ों के बीजों का प्रसार करेंगे, ताकि आने वाले समय में इन क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ावा मिल सके। बीसीसी सदस्य राकेश सिंघल एवं योगेश सक्सेना ने बताया कि यह राजस्थान रोड राइडर्स की छठी राइड है, जिसमें लगभग 205 साइकिलिस्ट जयपुर के अमर जवान ज्योति से बीसलपुर के लिए एक साथ रवाना होंगे। इस राइड की विशेष पहल के तहत प्रत्येक सदस्य द्वारा मार्ग में 205 पौधों के पौधरोपण का संकल्प लिया गया है।

उन्होंने बताया कि साइकिलिंग के माध्यम से स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। भरतपुर साइकिल क्लब भी लगातार साइकिलिंग के साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस राइड में भरतपुर का प्रतिनिधित्व बीसीसी संरक्षक लोकेश अग्रवाल तथा सदस्य जीवन जैन, राकेश सिंघल एवं योगेश सक्सेना करेंगे।

भरतपुर साइकिल क्लब के सदस्यों ने कहा कि साइकिल चलेगी तो सेहत भी सुधरेगी और पर्यावरण भी बचेगा। जल संरक्षण और हरित राजस्थान के संदेश के साथ यह राइड लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

छात्राओं ने रंगोली से मतदान का संदेश दिया

स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

गंगापुर सिटी, (निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।

नगर परिषद गंगापुर की टीम ने स्वीप कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रतियोगिता में छात्राओं ने रंग-बिरंगी और आकर्षक रंगोलियां बनाकर मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों और शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने रंगों के जरिए मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने वाले संदेश उकेरे। रंगोलियों में 'पहले मतदान, फिर जलपान', 'मेरा वोट, मेरी जिम्मेदारी' और 'शत-प्रतिशत मतदान' जैसे प्रेरक संदेश प्रमुख रहे। छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से मतदान को लोकतंत्र की मजबूती से जोड़ने का प्रयास किया।

नगर परिषद की टीम ने छात्राओं को मतदान के अधिकार और उसकी महत्ता के बारे में जानकारी दी। टीम ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण है। छात्राओं से स्वयं जागरूक रहने के साथ ही अपने परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में मतदान के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना रहा। इसके साथ ही रंगोलियों के जरिए आमजन तक अधिक से अधिक मतदान का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ और छात्राएं उपस्थित रहीं।

राशिफल रविवार 30 अगस्त, 2026

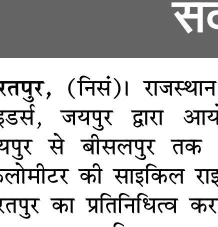

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 3:45 तक, शूल योग रात्रि 3:46 तक, गर करण प्रातः 9:38 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और राजयोग सूर्योदय से रात्रि 3:45 तक है। आज भद्रा रात्रि 9:15 से आरम्भ होगी। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:43 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:27 तक, शुभ 2:02 से 3:37 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:46

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी और अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आवश्यक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृश्चिक
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

मीन
मानसिक तनाव दूर होगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य शीघ्रता और योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Aurangzeb Fell Repeatedly To Her

Had Tarabai not taken charge in 1701, the Marathas would have had to face early defeat and the history of India would have been very different

Not Mere Reflector But A Laser

Mayan polished obsidian mirror was a tool that fired, not reflected, light

भारत और चीन की रैस्क्यू टीमों को नेपाल ने अनुमति दी

बाढ़ में मरने वालों की संख्या 580 हो गई है, इसलिए नेपाल ने विदेशी बचाव दलों को अनुमति नहीं देने का फैसला बदल दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में विनाशकारी फ्लैश फ्लड, यानी अचानक आई बाढ़ के चार दिन बाद, जिसमें कम से कम 580 लोगों की मौत हो गई है और 2,400 लोग लापता हैं, चीनी बचाव दल आखिरकार ग्यिरोंग इमिग्रेशन सेंटर तक पहुंच गया। पानी और कीचड़ की एक विशाल लहर में यह केन्द्र पूरी तरह डूब गया था। नेपाल ने पहले किसी भी विदेशी देश को बचाव दल भेजने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन अब उसने अपना फैसला बदलते हुए भारत और चीन- दोनों को पीड़ितों को बचाने के लिए अपनी टीमें भेजने की अनुमति दे दी है।

- **चीन का 21 सदस्यीय बचाव दल ग्यिरोंग इमिग्रेशन सैंटर पहुँच गया, चूँकि, रास्ता पूरी तरह से नष्ट हो गया है, इसलिए टीम को पैदल चलकर रस्सियों के सहारे रास्ता पार करना पड़ा।**
- **जब बाढ़ आई थी, तब ग्यिरोंग इमिग्रेशन सैंटर में 130 लोग थे। इनमें ईशा फाउन्डेशन का 80 लोगों का समूह भी था। सद्‌गुरू ने रोते हुए बताया कि समूह में 19 देशों की 46 महिलाएँ और 34 पुरूष शामिल थे।**
- **विदेश मंत्रालय के अनुसार, नेपाल में 320 भारतीय अब भी लापता हैं। भारत सरकार चीनी क्षेत्र में करीब 400 भारतीय नागरिकों से संपर्क स्थापित करने में सफल रही है।**

हालांकि बचाव दल को सीमा चौकी पर "सिर्फ मलबा" मिला। उस समय वहां कई भारतीय तीर्थयात्री मौजूद थे, जो या तो कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत जा रहे थे या यात्रा पूरी करके लौट रहे थे। आध्यात्मिक गुरु सद्‌गुरु के ईशा फाउंडेशन की 80 सदस्यीय टीम भी हादसा होने के समय इमिग्रेशन सेंटर में मौजूद थी।

ग्यिरोंग जाने वाली सड़क का बड़ा हिस्सा नष्ट हो जाने के कारण 21 सदस्यों वाली चीनी बचाव टीम को, एक खोजी कुत्ते के साथ, घटनास्थल तक पहुंचने के लिए बेहद कठिन यात्रा करनी पड़ी। बचावकर्मियों ने पहाड़ों और घाटियों को पार किया। उन्होंने जंगलों और खड़ी चट्टानों के बीच रस्सियों की मदद से रास्ता बनाया और आखिरकार तबाह हो चुके सीमा परिसर तक पहुंचे।

बचावकर्मी ज़ोउ मिंगछी ने कहा, "वहां कोई सड़क नहीं थी। पूरा इलाका घना जंगल और खडी चट्टानों वाला था।" उन्होंने कहा, "परिसर में जहां तक नज़र जा रही थी, वहां सिर्फ मलबा ही मलबा था।"

चीनी क्षेत्र में हुए नुकसान की तस्वीरें बहुत कम सामने आई हैं, जिसका मुख्य कारण बीजिंग की सेंसरशिप है। हालांकि, रॉयटर्स द्वारा ग्यिरोंग की पोस्ट की गई तस्वीरों में एक इमारत मलबे में तब्दील दिखाई दे रही है और उसके आसपास निर्माण सामग्री के टुकड़े और मलबा बिखरा हुआ है। इमिग्रेशन सेंटर की ओर जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें बिखरी हुई दिखाई दे रही हैं, जो बाढ़ की ताकत को दर्शाती हैं।

सड़क की हालत भी बेहद खराब है। वह कीचड़ से भरी हुई है और मलबे तथा कीचड़ के बड़े-बड़े ढेरों के नीचे दब गई है। उखड़े हुए पेड़ों की मोटी - मोटी शाखाएं मलबे से बाहर निकली हुई दिखाई दे रही हैं। खुदाई करने वाली मशीनों से मलबा हटाया जा रहा है और बचावकर्मी तिब्बत और नेपाल को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

बाढ़ ने इमिग्रेशन सेंटर को तबाह कर दिया है।

25 अगस्त को तिब्बत से लगे जिलों में अचानक आई भीषण बाढ़ ने घरों, वाहनों और पुलों को बहा दिया। 2015 के भूकंप के बाद, नेपाल की यह सबसे भीषण आपदाओं में से एक है। इस आपदा में 600 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 2,000 लोग अब भी लापता हैं। बचावकर्मी बचे लोगों और फंसे हुए लोगों को तलाशने के लिए समय के खिलाफ दौड़ लगा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के तीन सांसदों को पार्टी अध्यक्ष की फटकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। सन् 1984 के सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार की मौत को लेकर उठे विवाद ने अब राजनीतिक परिदृश्य के दूसरे पक्ष के तीन लोगों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। कांग्रेस नेता दीपेन्द्र हुड्डा द्वारा

- **ये तीनों सांसद 1984 के सिख दंगों के आरोपी सज्जन कुमार के भोग में गए थे। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने तीनों सांसद, रामवीर बिधूड़ी, योगेन्द्र चंडोलिया और कमल सेहरावत को तलब किया और फिर कहा कि इन्हें वहाँ नहीं जाना चाहिए था।**

विवादित नेता की प्रशंसा किए जाने पर पार्टी के सहयोगियों की तीखी आलोचना के कुछ ही दिनों बाद, अब तीन भाजपा सांसद सज्जन कुमार के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करने को लेकर निशाने पर आ गए हैं।

अस्सी वर्षीय सज्जन कुमार का इस महीने की शुरुआत में निधन हो गया था। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पांच लोगों की हत्या के मामले में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाढ़ से हुए विनाश की खबरें और तस्वीरें दबा रहा है चीन

वहीं नेपाल में बाढ़ से हुए भारी विनाश की तस्वीरें सोशल मीडिया और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में खूब प्रचारित व प्रसारित हो रही हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। एक विशाल त्रासदी और दो अलग-अलग देश। दोनों देश इस आपदा पर बिल्कुल विपरीत प्रतिक्रियाओं को सामने लाते हैं। एक गरीब, संसाधनों की कमी से जूझता और सीमित तकनीक वाला लोकतांत्रिक देश अपने मृतकों और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को संभालने की कोशिश कर रहा है।

दूसरी ओर विकास के मामले में एक दिग्गज, असीमित संसाधनों, अत्याधुनिक तकनीक और बेहिसाब धन वाला देश इस त्रासदी को किसी मजबूत संदूक में बंद कर देने और किसी तरह मृतकों की संख्या तक सीमित कर देने की कोशिश कर रहा है।

एक नेपाल है और दूसरा चीन है, एक मुखर लोकतंत्र है; दूसरा एक अधिनायकवादी, एक व्यक्ति की तानाशाही वाला देश है, जहां लोगों के साथ कठोर व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड रहा है, चाहे उनकी जिंदगी के साथ कुछ भी क्यों न हो।

- **चीन एक साधन सम्पन्न आधुनिक तकनीक से चलने वाला राष्ट्र है। वहीं नेपाल एक गरीब और संसाधनों की कमी से जूझ रहा देश है।**
- **चूँकि, चीन एक वामपंथी अधिनायकवादी राष्ट्र है, उसकी कोशिश है कि इस त्रासदी को दबा दिया जाए, मृतकों की संख्या कम से कम बताई जाए।**
- **चीन का सरकारी मीडिया सिर्फ वही फुटेज दिखा रहा है, जिनमें चीन के बचाव दलों की बहादुरी दिखाई जा रही है। लोगों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि सरकार के अधिकारिक रुख के अलावा कुछ भी ना कहे, वरना सख्त कार्यवाही होगी। यही वजह है कि चीन से बहुत कम जानकारी मिल रही है।**
- **सारी जानकारी नेपाल से ही मिल रही है, जहाँ बचाव दल व आम लोग खुलकर मीडिया से बात कर रहे हैं।**
- **नेपाल ने चीन की घुसपैठ रोकने के लिए विदेशी बचाव दलों पर रोक लगाई थी, पर, अब चूंकि वह भारत को सहायता के लिए आने देना चाहता है, इसलिए मजबूरन उसे चीन को भी अनमुति देनी पड़ी है।**

तिब्बत-नेपाल सीमा पर आई इस तरह की भयावह आपदा के बीच भी चीन अपने लोगों से इस आपदा के पैमाने और भयावहता की खबरें छिपा रहा है। बीबीसी की रिपोर्टों के मुताबिक, आपदा के सभी वीडियो और फुटेज को चीनी मीडिया से हटा दिया गया है।

जमीनी हालात दिखाने के बजाय, चीनी सरकारी मीडिया केवल कुछ चुनिंदा वीडियो और फुटेज दिखा रहा है। इसमें बचावकर्मियों और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शनिवार को भाजपा के टिकटों का मंथन जारी रहा, प्रदेश मुख्यालय में

बाकी संभागों पर विचार लगभग पूरा हुआ, अब जयपुर संभाग पर चर्चा

जयपुर, 29 अगस्त (निसं)। प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में चुनावी रणभूमि सजने से पहले भारतीय जनता पार्टी में टिकटों को लेकर संभागवार महामंथन अंतिम चरण में पहुंच गया है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में लगातार तीसरे दिन शनिवार को भी बैठकों और राजनीतिक मंथन का दौर जारी रहा। पार्टी नेतृत्व ने दावा किया है कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है और 31 अगस्त तक प्रदेशभर के सभी भाजपा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी।

- **भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में पहली बार 10 हजार से अधिक वॉर्डों पर विस्तार से चर्चा हुई है। हर वॉर्ड का राजनीतिक समीकरण, कार्यकर्ताओं की भावना का नज़दीकी से अध्ययन किया गया है।**

इन बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले, संभाग प्रभारी और सहप्रभारी, निकाय प्रभारी, संभागीय निकाय चुनाव संचालन समिति के सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिला संगठन प्रभारी, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और अन्य प्रमुख नेता शामिल हुए।

शनिवार को सबसे पहले जोधपुर संभाग के टिकटों पर चर्चा हुई। इसके बाद देर शाम भरतपुर संभाग के प्रत्याशियों को लेकर मंथन शुरू हुआ। अब सबसे अहम माने जा रहे जयपुर संभाग के टिकटों पर उच्चस्तरीय चर्चा होगी। भाजपा के सामने सिर्फ प्रत्याशी चयन की चुनौती नहीं, बल्कि स्थानीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी की गंडक नदी में मिले नेपाल से बहकर आए दस शव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। नेपाल में आई जानलेवा बाढ़ का भयावह असर सीमा पार उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया है। पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश की नदियों से 10 शव बरामद किए गए हैं। माना जा रहा है कि ये शव बाढ़ से प्रभावित पड़ोसी देश नेपाल से बहकर नीचे की ओर आए हैं।

- **गंडक नदी नेपाल के त्रिशूली रिवर सिस्टम का हिस्सा है। तिब्बत से भोटे कोशी नदी त्रिशूली में मिलती है और यही त्रिशूली नदी भारत में गंडक नदी के रूप में प्रवेश करती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने फिर कहा, 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित ही रखा जाएगा

इधर पाकिस्तान ने अमेरिका व अन्य देशों से गुहार करनी शुरु कर दी है कि भारत पर सिंधु जल संधि की अनुपालना के लिए दबाव डाला जाए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। पाकिस्तान ने सिंधु जल विवाद को लेकर अपना अंतरराष्ट्रीय अभियान तेज कर दिया है। उसने भारत से सिंधु जल संधि के तहत तकनीकी बातचीत फिर शुरू करने और पानी से जुड़े आंकड़ों का आदान-प्रदान बहाल करने की अपील की है। जबकि, नई दिल्ली 1960 के समझौते को स्थगित रखने के अपने फैसले पर अडिग है।

- **पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दार ने वॉशिंगटन से याचना की है कि भारत से कहा जाए कि वह पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को बहाल करे तथा तकनीकी संवाद, पारदर्शिता व डेटा शेयरिंग प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करे।**
- **पाकिस्तान सिंधु जल संधि मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने पर आमादा है और दुनियाभर में इस मसले पर बयानबाजी कर रहा है।**

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दार ने शुक्रवार को वॉशिंगटन में यह अपील की और इस्लामाबाद के अनुसार, संधि में रुकावट से बढ़ते खतरों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक ध्यान दिये जाने की मांग की।

एक सेमिनार में वर्चुअली संबोधित करते हुए दार ने तीन सूत्रीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। उन्होंने सिंधु जल संधि को पूरी तरह लागू करने, दोनों देशों के बीच तकनीकी बातचीत और पारदर्शिता बहाल करने तथा लंबित मतभेदों को दूर करने के लिए संधि में मौजूद विवाद समाधान तंत्र का इस्तेमाल करने की बात कही।

दार ने कहा, "पाकिस्तान और भारत को संधि के अनुसार, तकनीकी बातचीत, पारदर्शिता और आंकड़ों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया फिर शुरू और मजबूत करनी चाहिए।"

इस्लामाबाद की यह अपील ऐसे समय आई है, जब भारत अपने फैसले को वापस लेने के कोई संकेत नहीं दे रहा है। भारत ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद यह फैसला लिया था। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके बाद भारत ने घोषणा की थी कि संधि को स्थगित रखा जाएगा और कहा था कि "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।"

दार ने इस मुद्दे को केवल दोनों देशों के बीच के विवाद से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की। उन्होंने चेतावनी दी कि सीमा पार बहने वाली किसी बड़ी नदी प्रणाली से जुड़े एकतरफा फैसले का असर दूसरे निचले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

ननद-भाभी आमने-सामने, एक ही वार्ड से दोनों ने भरा नामांकन

भरतपुर (निसं)। नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शनिवार को भरतपुर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 10 बजे से ही पार्षद पद के दावेदार ढोल-नगाड़ों और समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचने लगे। इस दौरान वार्ड नंबर 61 में ननद और भाभी के बीच दिलचस्प चुनावी मुकाबला देखने को मिला। ओबीसी महिला के लिए आरक्षित वार्ड नंबर 61 से ननद प्रिया सिंह और उनकी भाभी नीरज ने पार्षद प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। एक ही परिवार की दो महिलाओं के एक ही वार्ड से चुनाव मैदान में उतरने के बाद यह मुकाबला चर्चा का विषय बन गया है। दोनों प्रत्याशियों ने जीत के बाद वार्ड की छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान करने की बात कही है। उनका कहना है कि क्षेत्र में जनता की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा और पानी, बिजली, सड़क, सफाई व जलभराव जैसी समस्याओं के समाधान के लिए काम किया जाएगा। नगर निकाय चुनाव के नामांकन के दूसरे दिन पार्षद पद के लिए प्रत्याशियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने पहुंच रहे हैं। वहीं भाजपा और कांठोस की ओर से अभी तक प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की गई है। ऐसे में दोनों प्रमुख दलों से टिकट की दावेदारी कर रहे कई संभावित उम्मीदवार भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से प्रत्याशियों की सूची जल्द जारी की जा सकती है, जिसके बाद चुनावी तस्वीर और साफ होने की उम्मीद है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर बैरिकेडिंग की गई है और आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन ने नामांकन कक्ष में प्रवेश को लेकर भी विशेष व्यवस्था की है। प्रत्याशी के साथ केवल पांच लोगों को ही अंदर प्रवेश की अनुमति दी जा रही है, जिसमें प्रस्तावक और समर्थक शामिल हैं। इसका उद्देश्य नामांकन कक्ष के भीतर भीड़ और अव्यवस्था को रोकना है। हालांकि कलेक्ट्रेट के बाहर का नजारा पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा नजर आया। सड़क पर प्रत्याशियों के समर्थकों का हुजूम दिखाई दिया। कई प्रत्याशी नारेबाजी, ढोल-नगाड़ों और डीजे के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए नामांकन दाखिल करने पहुंचे। इस दौरान पुलिस को कई बार भीड़ को नियंत्रित करने और सड़क पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्याशियों का कहना है कि इस बार नगर निकाय चुनाव स्थानीय और मूलभूत मुद्दों पर लड़ा जाएगा।

रामायण के अखंड पाठों की पूर्णाहुति

निवाई। गांव पहाड़ी के नाड़ी वाले बालाजी महाराज के मंदिर में श्रावण मास पर संचालित श्री रामायणजी के अखंड पाठों का वैदिक व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ समापन हुआ। यह आयोजन श्री नाड़ी वाले बालाजी मंदिर समिति एवं समस्त ठाामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में बाल ब्रह्मचारी महंत दिनेशदास नागा बाबा के सानिध्य एवं पावन मार्गदर्शन में विधि-विधान पूर्वक संपन्न कराया गया। श्रद्धालु रंगलाल पटेल ने बताया कि पूर्णाहुति पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया था। विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार से श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ हवनकुण्डों में आहुतियां समर्पित कीं। इस दौरान भगवान श्रीराम जी के जयकारों से मंदिर परिसर व आस-पास का वातावरण भक्तिमय होकर गुंजायमान हो उठा। पूर्णाहुति के उपरांत बालाजी महाराज की महाआरती की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की। महाआरती के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों सहित दूर-दराज के गांवों से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड पड़ा। सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर श्रद्धापूर्वक बालाजी महाराज का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान दिनभर धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। महंत दिनेशदास नागा बाबा ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित मानस वह महान ठांथ है, जिसका उददेश्य भगवान श्रीराम के चरित्र को प्रत्येक मानव की आत्मा में उतारना है। उन्होंने कहा कि धर्म अपनी आत्मा से उत्पन्न होता है यदि आत्मा का वैभव चाहिए तो संसार के वैभव को छोडना पड़ेगा। जो भी अपना वैभव छोडकर आए, वह परमात्मा में लीन हो गए। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा करना एक सबसे बड़ा महायज्ञ है। गाय की पूजा मानव ही नही देवता भी किया करते थे। उन्होंने कहा कि कलयुग में भगवान के नाम को जपने से ही सब कुछ संभव है। इस अवसर पर सूरजगिरी महाराज, अमरदास महाराज, लखनदास महाराज, गोपाल दास महाराज, नवलगिरी महाराज, रामप्रियदास महाराज, ओमगिरी महाराज, पंडित राजेश शर्मा रतनगढ, प्रकाशदास, परमेश्वर दास शर्मा, विजेन्द्र शर्मा, राजाराम जाट व रामप्रसाद जाट सहित कई संत, महंत एवं सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

11 नामांकन वार्ड पार्षदों के अभ्यर्थियों के दाखिल

चौमूं / कालाडेरा । निर्वाचन विभाग के द्वारा निकाय चुनावों को लेकर चौमूं नगर परिषद व कालाडेरा नगर पालिका व खेजरोली नगर पालिका के वार्ड पार्षद के चुनाव को लेकर नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 27 अगस्त 2026 से प्रारंभ करने के बाद पहले दिन चौमूं नगर परिषद के वार्ड पार्षदों के लिए 7 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन दाखिल किये थे नामांकन के दूसरे दिन शनिवार 29 अगस्त 2026 को नगर परिषद चौमूं के वार्ड पार्षदों के 76 अभ्यर्थियों ने 77 नामांकन उपखण्ड कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी के सामने प्रस्तुत किये। वही कालाडेरा नगर पालिका के वार्ड पार्षदों के अभ्यर्थियों ने सेठ आर एल सहरिया महाविद्यालय में रिटर्निंग अधिकारी के सामने शनिवार को वार्ड पार्षदों के 7 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किये। साथ ही नगर पालिका खेजरोली में वार्ड पार्षदों के 11 अभ्यर्थियों ने रिटर्निंग अधिकारी के सामने अपने नामांकन दाखिल किये है।

खेल से शारीरिक व मानसिक विकास होता है, युवा नशे से दूर रहकर खेल से जुड़े : कुड़ी

मनोहरपुर । कस्बे सहित क्षेत्र में आज शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। यह दिन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर क्षेत्र के माशहूर व दयालु भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेल से न केवल हमारा शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक विकास भी होता है। खेल हमें अनुशासन, टीम भावना, संघर्ष और हार-जीत को समान रूप से स्वीकार करने की सीख देता है। भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि आज के युवा नशे की तरफ जा रहे हैं, उन्हें नशे से दूर रखने के लिए खेल सबसे बड़ा माध्यम है। युवाओं को अधिक से अधिक खेलों से जुड़ना चाहिए। सरकार को भी गांव-गांव में खेल मैदान और खेल सुविधाएं विकसित करनी चाहिए ताकि ठाामीण प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिल सके। उन्होंने मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। अंत में कुड़ी ने सभी क्षेत्रवासियों व खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पीएम श्री स्कूल निवाई में खेल सप्ताह का आयोजन

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल सप्ताह का आयोजन हुआ। खेल सप्ताह में बास्केटबॉल, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, लंबी कूद, ऊंची कूद, 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़, भाला फेंक, गोला फेंक, तीरंदाजी व शतरंज सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का सफल संचालन शारीरिक शिक्षक मोहनलाल निराला, कोच पूर्व सैनिक आत्माराम जाट व व्याख्याता धर्मपाल यादव निर्देशन में हुआ। प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने कहा कि खेलों से अनुशासन एवं नेतृत्व कौशल बढ़ता है। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां छूने की प्रेरणा दी। उन्होंने असफल रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हार-जीत खेल का एक हिस्सा है, असफलता से निराश होने के बजाय खिलाड़ियों को निरंतर प्रयास करते हुए कड़ी मेहनत जारी रखनी चाहिए। इस अवसर पर समस्त शिक्षकों सहित कई खिलाड़ी मौजूद थे।

लालसोट के वार्ड 35 से भाजपा का टिकट मिलने के दो दिन बाद बदला सियासी पाला

■ भाजपा को निकाय चुनाव से पहले करारा झटका : टिकट ठुकराकर पूर्व वाइस चेयरमैन पुरषोत्तम जोशी कांग्रेस में शामिल

लालसोट । निकाय चुनाव के बीच लालसोट की राजनीति में बड़ा उलटफेर सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी को उस समय करारा झटका लगा, जब नगर परिषद के पूर्व वाइस चेयरमैन पुरषोत्तम जोशी ने भाजपा का टिकट ठुकराकर कांग्रेस का दामन थाम लिया। खास बात यह है कि भाजपा ने महज दो दिन पहले ही पुरषोत्तम जोशी को नगर परिषद लालसोट के वार्ड संख्या 35 से अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली।

पूर्व चिकित्सा मंत्रीपरसादीलाल मीणाकी मौजूदगी में पुरषोत्तम जोशी कांग्रेस में शामिल हुए।

पूर्व चिकित्सा मंत्रीपरसादीलाल मीणाकी मौजूदगी में पुरषोत्तम जोशी कांग्रेस में शामिल हुए। इस दौरान पूर्व मंत्री मीणा ने उन्हें माला पहनाकर एवं कांग्रेस का दुपट्टा ओढ़ाकर पार्टी में स्वागत किया। पुरषोत्तम जोशी के भाजपा छोड़ने के पीछे निकाय चुनाव के दौरान बदलते राजनीतिक और पारिवारिक समीकरणों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। जोशी परिवार पहले से ही कांठोस के साथ चुनावी मैदान में सक्रिय हो चुका था। पुरषोत्तम जोशी के छोटे भाईदिनेश जोशीभी विगत दिनों कांठोस की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं।

दिनेश जोशी की धर्मपत्नीममता शर्मावार्ड संख्या 8 से कांठोस प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतर चुकी हैं, जहां उनका मुकाबला पूर्व सभापतिपिंकी चतुर्वेदीसे है। ऐसे में परिवार के अलग-अलग राजनीतिक दलों में रहने के बजाय एकजुट होकर चुनावी रणनीति बनाने और बदले हुए राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए पुरषोत्तम जोशी के कांठोस में शामिल होने को अहम कदम माना जा रहा है। जोशी परिवार की एकजुटता ने बढ़ाई सियासी हलचल एक तरफ छोटे भाई दिनेश जोशी कांग्रेस में सक्रिय होकर अपनी पत्नी ममता शर्मा के चुनाव प्रचार में जुटे हैं, वहीं अब पूर्व वाइस चेयरमैन पुरषोत्तम जोशी के कांठोस में आने से जोशी परिवार की राजनीतिक ताकत एक ही मंच पर दिखाई देने लगी है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है किभाजपा का टिकट मिलने के बावजूद पुरषोत्तम जोशी का पार्टी छोड़ना केवल दल परिवर्तन नहीं, बल्कि निकाय चुनाव से पहले लालसोट के बदलते सियासी समीकरणों का बड़ा संकेत है।

सड़क हादसे में दूध की पिकअप पलटी, हादसे में दो गायों की मौत

टोंक। झिलाई थाना क्षेत्र के दौसा-कोथून हाईवे पर स्थित करेड़ा बुजुर्ग बाईपास पर शनिवार सुबह एक हादसे में दूध से भरी एक पिकअप सड़क पर बैठी गायों को बचाने के प्रयास में बेकाबू होकर पलट गई। इस दुर्घटना में दो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गाय घायल हो गई। घटना शनिवार को तब हुई जब पिकअप सड़क से नीचे उतरकर पास के एक मकान की बाहरी दीवार से जा टकराई, टक्कर इतनी भीषण थी कि दीवार ढह गई और पिकअप उसके ऊपर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिकअप कोथून हाईवे से दतवास की ओर जा रही थी, करेड़ा बुजुर्ग बाईपास के पास सड़क पर कई गायें बैठी हुई थीं। इस दौरान ड्राइवर ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वाहन बेकाबू हो गया। घटना की सूचना मिलने पर दतवास पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि हादसे में दो गायों की मौत हो गई और एक घायल गाय का प्राथमिक उपचार करवाया गया।

करेड़ा बुजुर्ग बाईपास पर शनिवार सुबह एक हादसे में दूध से भरी एक पिकअप सड़क पर पलटने से दो गायों की मौत हो गई।

शीतला माता के लिए रवाना हुई पदयात्रा

निवाई। गांव गिरधारीपुरा के श्री वीर तेजाजी मंदिर से शीतला माता चाकसु के लिए 5वीं विशाल पद यात्रा ध्वज पूजन करके गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। पदयात्रा में महिलाएं महाआरती के साथ नाचती गाती हुई रवाना हुई। पद यात्रा घास भेरू मंदिर व बुडला बालाजी मंदिर होती हुई रजवास पहुंचने पर सुरज गुर्जर, संजय शर्मा, कानाराम, अशोक कुमार, केदार ताखर, हनुमान गुर्जर व चिरंजी शर्मा सहित सभी पद यात्रियों का माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। पदयात्रा में श्रद्धालु शेर पे सवार होकर आजा शेरावालिये, मैया का चैला है रंगला, शेरा वाली का चैला है रंगला, चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, तूने मुझे बुलाया शेरावालिये, मैं आया मैं आया शेरावालिये व भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे सहित कई भजनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। पदयात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

स्वामणी महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

पावटा। क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल लीलका धाम, आतेला में भव्य स्वामणी महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। महोत्सव में विराटनगर सहित आसपास के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरे धाम परिसर में दिनभर आस्था का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने लीलका धाम पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं क्षेत्र की उन्नित की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक भजनों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। महोत्सव के दौरान आयोजित भव्य भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ठाहण की। श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर आयोजकों और सेवादारों द्वारा विशेष इंतजाम किए गए। आयोजन को सफल बनाने तथा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभालने में लाम्बा परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अलवर नगर निगम में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा का बोर्ड बनेगा : बावनकुले

■ 'मजबूत संगठन, व भाजपा की जीत का संकल्प लिया'

अलवर/जयपुर। आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अलवर नगर निगम क्षेत्र में संगठनात्मक एवं चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में राजस्थान नगर निकाय चुनाव के सह-प्रभारी एवं महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने आज अलवर शहर के स्वामी विवेकानंद मंडल की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, मतदाता संपर्क बढ़ाने और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में अलवर नगर निगम में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा का बोर्ड बनाने का संकल्प लिया गया। चंद्रशेखर बावनकुळे ने कहा कि नगर निकाय चुनाव केवल पार्षदों का चुनाव नहीं, बल्कि शहर के विकास, सुशासन और मजबूत स्थानीय नेतृत्व का चुनाव है। भाजपा का लक्ष्य अलवर नगर निगम को ऐसी मजबूत और जवाबदेह व्यवस्था देना है, जो शहर के विकास को गति देने के साथ प्रत्येक वार्ड की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने बूथ और वार्ड की जिम्मेदारी लेते हुए जनता से सीधा संवाद स्थापित करना होगा। संगठन और चुनाव प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल के साथ बूथ स्तर पर प्रभावी चुनाव प्रबंधन और मजबूत मतदाता संपर्क सुनिश्चित करना होगा। बावनकुळे ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन उपलब्धियों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क करें, उनकी समस्याएं सुनें और उन्हें संगठन से जोड़ते हुए भाजपा के विकास एवं सुशासन का संदेश प्रत्येक परिवार तक पहुंचाएं। उन्होंने नए मतदाताओं एवं युवाओं को संगठन से जोड़ने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक भाजपा की पहुंच मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी सफलता के लिए केवल चुनाव के समय सक्रिय होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगातार जनता के बीच रहकर विश्वास का संबंध मजबूत करना आवश्यक है। बैठक में मंडल स्तर पर आगामी दिनों में जनसंपर्क अभियान, लाभार्थी संपर्क, युवा एवं महिला संपर्क, सामाजिक कार्यक्रमों तथा बूथ सशक्तीकरण अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। बैठक में सतारा विधायक धैर्यशील कदम, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष संग्राम देशमुख, युवा मोर्चा अध्यक्ष चिन्मय कुलकर्णी , दिनेश गुप्ता, जितेंद्र राठौड, अंजू शर्मा, आशुतोष शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सूची शीघ्र ही जारी : सैनी

■ 'नामांकन प्रक्रिया को सुचारू और कानूनी रूप से व्यवस्थित करने के लिए पार्टी ने 150 से अधिक अधिवक्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है'

जयपुर । भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सूची पर अभी भी विचार विमर्श चल रहा है । संभाग के नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी एवं पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा कि पार्टी के स्तर पर गठित पैनल और कमेटियां प्रत्येक सीट पर व्यापक चर्चा कर रही हैं। जल्द ही भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सूची जारी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया को सुचारू और कानूनी रूप से व्यवस्थित करने के लिए पार्टी ने 150 से अधिक अधिवक्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। ये अधिवक्ता विभिन्न निकायों में प्रत्याशियों की नामांकन प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। टिकट के बाद संभावित नाराजगी और बगावत के सवाल पर सैनी ने कहा कि चुनाव में नाराजगी होना सामान्य प्रक्रिया है और हर चुनाव में कुछ कार्यकर्ता असंतुष्ट होते हैं, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य भी होती है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को धैर्य रखना चाहिए, क्योंकि यह किसी का अंतिम चुनाव नहीं है।

सैनी ने कहा कि टिकट मांगना प्रत्येक कार्यकर्ता का लोकतांत्रिक अधिकार है। पार्टी ने ही कार्यकर्ताओं को राजनीतिक पहचान और टिकट मांगने योग्य बनाया है। एक बार संगठन का निर्णय हो जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ता परिवार की तरह मिलकर चुनाव लड़ते हैं। उन्होंने साफ कहा कि बगावत को लेकर डैमेज कंट्रोल टीम बनाई गई है और अनुशासनहीनता की स्थिति में कार्रवाई भी की जाएगी।

'पहलवान मैदान में ही दिखाता है ताकत' : जयपुर जिले के नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि पहलवान अपनी ताकत मैदान में दिखाता है, मैदान के बाहर दिए गए बयानों का कोई महत्व नहीं होता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछले 31 माह में प्रदेश में ऐतिहासिक विकास कार्य हुए हैं और कांग्रेस के पास भाजपा सरकार की उपलब्धियों का कोई जवाब नहीं है।

नगर निकाय चुनाव नामांकन के दूसरे दिन और तेज हुई चुनावी सरगर्मी

पावटा। नगर निकाय चुनाव को लेकर पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। उपखंड पावटा रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन गुरुवार को 4 प्रत्याशियों के 5 नामांकन व शुक्रवार को रक्षाबंधन का अवकाश होने के कारण दूसरे दिन शनिवार को 58 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया। प्रत्याशियों और दावेदारों में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न वार्डों से चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे दावेदार अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे। नामांकन केंद्र के आसपास दिनभर चुनावी माहौल बना रहा । राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का दूसरा दिन 29 अगस्त निर्धारित किया गया है। नामांकन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्वीकार किए जा रहे हैं। 28 अगस्त को रक्षाबंधन के सार्वजनिक अवकाश के चलते नामांकन नहीं हुए थे। अब 31 अगस्त को नामांकन दाखिल करने का अंतिम अवसर रहेगा। नामांकन प्रक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। संभावित प्रत्याशी पार्टी स्तर पर अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। वहीं कई वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी शुरू कर दी है। टिकट वितरण को लेकर दावेदारों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं ।

सार-समाचार

रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने पुलिस जवानों को बांधा सद्भाव का रक्षा सूत्र

टोंक। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय संस्थान टोंक की ब्रह्माकुमारी बहनों ने कोतवाली पुलिस थाना, पुलिस लाइन तथा पुलिस थाना बनेठा पहुँचकर पुलिस अधिकारियों, जवानों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों को आत्मस्मृति का तिलक लगाकर पवित्रता, प्रेम, सद्भाव और शुभभावना का रक्षा सूत्र बाँधा। इस दौरान सभी का मुख मीठा करवाया गया तथा नशामुक्त एवं संस्कारयुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। इस अवसर पर स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के अटूट, पवित्र एवं दिव्य संबंध की याद दिलाने वाला आध्यात्मिक उत्सव है। जब हम परमात्म प्रेम के रक्षा सूत्र में बंधते हैं, तब हमारे जीवन में शांति, शक्ति और सुरक्षा का अनुभव होता है। ब्रह्माकुमारी पूनम ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि सच्चा रक्षा सूत्र वह है जो मनुष्य को बुराइयों, नकारात्मक विचारों और विकारों से रक्षा करने की प्रेरणा दे। पवित्रता, सम्मान और शुभ संकल्प ही प्रत्येक रिश्ते को मजबूत और सुंदर बनाते हैं। ब्रह्माकुमारी ऋतु ने संस्थान द्वारा भारत सरकार के सहयोग से संचालित 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान की जानकारी देते हुए सभी उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं नागरिकों को नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि नशे से मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और विकसित भारत की आधारशिला है।

बाहरी प्रत्याशियों को टिकट मिलने की चर्चा से स्थानीय दावेदारों में नाराजगी

फुलेरा। नगर पालिका चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों द्वारा स्थानीय व्यक्तियों को टिकट देने की नीति जमीनी स्तर पर कमजोर पड़ती नजर आ रही है। फुलेरा नगर पालिका क्षेत्र में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की ओर से स्थानीय दावेदारों को दरकिनार कर बाहरी व्यक्तियों को टिकट दिए जाने की चर्चाओं ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है। स्थानीय कार्यकर्ताओं और दावेदारों का आरोप है कि वर्षों से पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों अथवा प्रभावशाली व्यक्तियों की पसंद को प्राथमिकता दिए जाने की चर्चाओं से स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। कई वार्डों में स्थानीय लोगों का कहना है कि जो व्यक्ति वर्षों से क्षेत्र में रहकर जनता के बीच काम कर रहा है, उसे ही चुनाव मैदान में उतारा जाना चाहिए। बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिए जाने की स्थिति में वार्डवासियों में भी असंतोष देखने को मिल सकता है। स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि उनकी भावनाओं और जमीनी कार्यकर्ताओं की मेहनत को नजरअंदाज किया गया तो इसका असर आगामी नगर पालिका चुनाव में देखने को मिल सकता है। नाराज कार्यकर्ताओं और वार्डवासियों ने पार्टी नेतृत्व को अपनी नाराजगी से अवगत कराने तथा चुनाव में इसका जवाब देने की बात कही है। शनिवार को नगरपालिका चुनाव को लेकर कुल 22 लोगों ने अपना नामांकन दाखिल किया, जिसमें विभिन्न वार्डों से 15 कांग्रेस, 2 भाजपा और 5 लोगों ने निर्दलीय के रूप में अपना पर्चा भरा।

33 ठग गिरफ्तार, 3 बाल अपचारी निरुद्ध

डीग भरतपुर (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांबले द्वारा साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन काउंटडाउन के तहत डीग पुलिस ने एक साथ कई थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 33 साइबर ठगों को गिरफ्तार कर तीन बाल अपचारियों को निरुद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 30 मोबाइल फोन, 49 फर्जी सिम कार्ड, 8 एटीएम कार्ड, 3 बैंक पासबुक, साइबर ठगी की रकम से खरीदी गई दो बोलेरो और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जिला पुलिस अधीक्षक कांबले ने बताया है कि ऑपरेशन काउंटडाउन के अंतर्गत कैथवाड़ा थाना पुलिस और डीएसटी की संयुक्त टीम ने दो स्थानों पर दबिश देकर गिरोह बनाकर साइबर ठगी कर रहे 17 आरोपियों को पकड़ा। इनके पास से 17 मोबाइल, 21 सिम, 8 एटीएम कार्ड और दो पासबुक मिलीं। ठगी की रकम से खरीदी गई दो बोलेरो और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। साइबर पुलिस पोर्टल पर दर्ज 12 शिकायतों में आरोपियों से जुड़े 2 लाख 43 हजार 15 रुपए के संदिग्ध फ्रॉड लेनदेन का रिकॉर्ड सामने आया है।

महिला महाविद्यालय के विकास में गुप्ता का अमूल्य योगदान

शाहपुरा। शहर के बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को प्राचार्य नरेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में महाविद्यालय के सहायक लेखा अधिकारी सत्य नारायण गुप्ता के सेवानिवृत्ति अवसर पर भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजन से आरम्भ इस कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर अंजू अठावाल ने स्वागत भाषण देकर गुप्ता का अभिनंदन पत्र वाचन किया।स्टॉफ क्लब सचिव सहायक आचार्य प्रकाश चंद्र ढबास ने गुप्ता के महाविद्यालय विकास में अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। एनएसएस अधिकारी डॉ किरण देशवाल सहित सभी वक्ताओं ने उनके सेवाकाल की उपलब्धियों एवं महाविद्यालय के विकास में उनके योगदान को स्मरण कर सराहना की।समारोह में एस.एन.गुप्ता ने भी अपने सेवाकाल की विभिन्न स्मृतियों को साझा किया।कार्यक्रम के अंत में मीनाक्षी लैब असिस्टेंट द्वारा आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।कार्यक्रम में डॉ सीमा गर्ग,राजेश कुमार वर्मा,डाभाना राम जाट,डॉ राकेश कपूरिया,डॉ हेमराज पलसानिया,डॉक्टर पूजा आर्य,अदिति शर्मा, डॉक्टर प्राची गुप्ता,डॉक्टर केसरी चंद,उर्मिला कुमारी सहित अन्य सभी कार्मिक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

निवाई। शहर में कृषि मंडी के पीछे स्थित भगत सिंह कॉलोनी में एक चोर घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को चुराकर ले गया। पुलिस ने बताया कि रक्षाबंधन के के त्यौहार पर भगत सिंह कॉलोनी निवासी कैलाशचंद बैरवा पुत्र शोराम बैरवा शुक्रवार की रात करीब सवा आठ बजे अपनी बाइक को रोजाना की तरह घर के बाहर खड़ी करके अंदर खाना खाने चले गए थे। खाना खाने के बाद जब वह कुछ देर बाद वापस बाहर आए, तो बाइक गायब थी। उन्होंने तुरंत अपने स्तर पर आसपास की गलियों और मोहल्ले में काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने मामले की गंभीरता लेते हुए आसपास के घरों और दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया, जिसने पहचान छिपाने के लिए अपने मुंह पर दुपट्टा बांध रखा था। फुटेज में वह शातिर तरीके से बाइक को स्टार्ट कर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दी हैं।

सावन एकादशी से पूर्णिमा तक हुआ हिंडोला महोत्सव

निवाई। श्री हरि कृष्ण चंद्र केशवराय जी महाराज नया मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह में हिंडोला महोत्सव का आयोजन किया गया। सावन की एकादशी से पूर्णिमा तक आयोजित महोत्सव को लेकर मंदिर में विशेष तैयारियां की गई। हिंडोला महोत्सव के दौरान भगवान श्री हरि कृष्ण चंद्र केशवराय जी महाराज को आकर्षक ढंग से सजाकर भव्य हिंडोले में विराजमान कराया गया। प्रतिदिन भगवान के विशेष श्रृंगार एवं झूले की सुंदर सजावट भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन एवं हरिनाम संकीर्तन किया एवं भगवान को झूला झुलाकर पुण्य एवं भक्ति का आनंद लिया। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा है।

निकाय चुनाव टिकटों पर भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशी सूची के इंतजार में

पीसीसी वॉर रूम में भीलवाड़ा सीटों पर धीरज गुर्जर-रामलाल जाट भिड़े

जयपुर (निसं)। प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए टिकटों की घोषणा को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों में अंतिम दौर का मंथन जारी है। जयपुर समेत प्रदेश की अधिकांश निकायों के सामान्य वार्डों में दोनों प्रमुख दल एक-दूसरे की प्रत्याशी सूची का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि सामान्य वार्डों में जिताऊ समीकरण और संभावित बागियों की स्थिति को देखते हुए दोनों दल अंतिम समय तक रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय राजनीतिक हलचल शनिवार को पीसीसी वॉर रूम में देखने को मिली। यहां भीलवाड़ा निकाय की सीटों को लेकर चल रही चर्चा के दौरान पूर्व विधायक धीरज गुर्जर और पूर्व मंत्री रामलाल जाट के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच टिकट वितरण और वार्डों के नामों को लेकर मतभेद उभरकर सामने आए।पीसीसी वॉर रूम में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्षगोविंद सिंह डोटासराऔर नेता प्रतिपक्षटीकाराम जूलीकी मौजूदगी में दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक तीखी बहस और नोकझोंक चलती रही। वॉर रूम में अचानक बढ़े तनाव के बाद डोटासरा और जूली ने बीच-बचाव कर दोनों नेताओं को शांत कराया। इसके बाद मामला शांत हुआ और टिकटों को लेकर चर्चा आगे बढ़ाई गई।

- **आधे घंटे तक चली तीखी नोकझोंक, डोटासरा और टीकाराम जूली ने कराया बीच-बचाव; बाबूलाल नागर को वॉर रूम में प्रवेश नहीं मिलने पर भी नाराजगी**

जयपुर में रविवार को सूची आने की संभावना: कांग्रेस सूत्रों के अनुसार प्रदेशभर में निकाय चुनाव की टिकट सूची को लेकर अंतिम दौर का मंथन चल रहा है। जयपुर को छोड़कर अधिकांश निकायों की सूचियों पर स्थानीय नेतृत्व के साथ चर्चा पूरी की जा रही है। इन सूचियों को अंतिम रूप देने के बाद प्रदेश स्तर पर गठित पीएसी टिकटों की घोषणा करेगी। वहीं जयपुर नगर निकाय चुनाव के टिकटों पर अभी मंथन जारी है। यहां बड़ी संख्या में दावेदारों और राजनीतिक समीकरणों के कारण सूची को अंतिम रूप देने में समय लग रहा है। कांग्रेस की जयपुर की प्रत्याशी सूची की घोषणा रविवार को होने की संभावना जताई जा रही है।

बाबूलाल नागर को वॉर रूम में प्रवेश नहीं मिलने पर नाराजगी: शनिवार दोपहर कांग्रेस वॉर रूम में उस समय एक और असहज स्थिति बन गई, जब पूर्व मंत्री बाबूलाल नागर बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे। बताया जा रहा है कि नागर को वॉर रूम के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई और कुछ देर बाद वापस लौट गए। निकाय चुनाव में टिकट वितरण के बीच वॉर रूम में हुई इस घटना की कांग्रेस के राजनीतिक गलियारों में चर्चा रही। एक ओर पार्टी प्रत्याशियों के नामों को अंतिम रूप देने में जुटी है, वहीं टिकटों को लेकर स्थानीय नेताओं और दावेदारों के बीच मतभेद भी सतह पर आने लगे हैं।

उधर भाजपा में भी वार्डवार प्रत्याशियों के चयन को लेकर लगातार बैठकों और मंथन का दौर जारी है। सामान्य वार्डों में प्रत्याशियों के चयन को लेकर पार्टी स्थानीय समीकरणों, दावेदारों की स्थिति और विरोधी दल की रणनीति पर नजर रखे हुए है

।जयपुर समेत प्रदेश की अधिकांश निकायों में अब सबकी नजर भाजपा और कांग्रेस की पहली बड़ी प्रत्याशी सूचियों पर टिकी है। दोनों दलों के भीतर यह माना जा रहा है कि एक बार प्रत्याशियों के नाम सामने आने के बाद बागियों, निर्दलीय उम्मीदवारों और चुनावी समीकरणों की वास्तविक तस्वीर साफ हो जाएगी। ऐसे में टिकट घोषणा से पहले दोनों दलों में सियासी हलचल तेज बनी हुई है।

सोनिया गांधी के पुस्तक विवाद पर शेखावत का कांग्रेस पर वार

जयपुर, (निसं)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक के प्रकाशक को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस पर तीखा वार किया। उन्होंने साफ कहा कि लेखक और प्रकाशक के बीच के मतभेद को राजनीतिक मुद्दा बनाने और उसमें भारत सरकार को घसीटने की कोई आवश्यकता नहीं है। शनिवार को जयपुर में शेखावत ने कहा कि यदि लेखक और प्रकाशक के बीच किसी मुद्दे को लेकर अंतरविरोध है तो दोनों पक्षों के अपने-अपने विचार और हित हो सकते हैं। ऐसे में इसका समाधान तलाशने के बजाय राजनीति करना उचित नहीं है। लेखक और प्रकाशक के बीच में कहीं अंतरविरोध हो, प्रकाशक का अपना प्रपोजिटिव हो सकता है और लेखक का अपना व्यू-प्वाइंट हो सकता है। ऐसे में उस पर राजनीति करने के बजाय किसी और प्रकाशक को ढूंढ लेते। इसमें भारत सरकार को बीच में लाने की कहां आवश्यकता है? राजस्थान में निकाय चुनाव के नतीजों को लेकर शेखावत ने कहा कि उन्हें 100 प्रतिशत विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी केवल जयपुर ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान में प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीतने वाली है।

गोविंददेवजी मंदिर में नंदोत्सव के बाद हाथी-ऊंट और झांकियों के साथ पांच सितंबर को शोभायात्रा निकलेगी

जयपुर(निसं)। जय निवास बाग स्थित ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज का 4 सितंबर शुक्रवार को कृष्ण जन्मोत्सव के बाद भाद्रपद कृष्ण नवमी शनिवार, 5 सितंबर को नंदोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार श्रृंगार झांकी के समय नंदोत्सव का आयोजन होगा। इसके बाद शाम 4 बजे मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा रवाना होगी।

- **मंदिर प्रशासन के अनुसार श्रृंगार झांकी के समय नंदोत्सव का आयोजन**

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार शोभायात्रा जलेब चौक, हवामहल बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार और बगरू वालों का रास्ता होते हुए मंदिर श्री राधा गोपीनाथ जी पहुंचेगी, जहां इसका विश्राम होगा।

हाथी, ऊंट और घोड़े होंगे आकर्षण: इस शोभायात्रा में हाथी पचरंगा मय निशान, ऊंट मय लड्ढा शहनाई वादन, दो ऊंट मय लवाजमा, दो घोड़े मय लवाजमा और जिया बैंड शामिल होंगे। गणेश जी महाराज, तिरुपति बालाजी, श्री अक्रूर जी और राधा-कृष्ण की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा श्री वार्ष्णेय समाज सेवा समिति, सिंधी पंचायत, जयपुर बंगाली, श्री राधा गोविंद देव जी चाकर, गौर गोविंद महिला मंडल और गोविंद परिकर कीर्तन मंडलियां संकीर्तन करती चलेंगी। गौ सेवा के संदेश के साथ पिंजरापोल गौशाला की झांकी भी शामिल होगी।

इस शोभायात्रा में ठाकुर श्री गोपीनाथजी एवं श्री श्यामसुंदर जी, प्रेमावतार षट्भुज महाप्रभु जी एवं ठाकुर श्री राधा दामोदर जी, ठाकुर श्री विनोद लालजी एवं स्व. गोस्वामी प्रद्युम्न कुमार देवजी, ठाकुर श्री राधारमण जी एवं ठाकुर श्री मदन मोहन जी तथा ठाकुर श्रीजी प्राकट्यय कथा पूज्य रूप गोस्वामी जी की झांकियां और मुख्य रथ भी शामिल रहेंगे।

पुलिस ने 68 ठिकानों पर दबिश मारी

जयपुर(निसं)। नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव-2026 के मद्देनजर जयपुर पश्चिम कमिश्नरेट पुलिस ने चौमू वृत्त में एक दिवसीय 'एरिया डोमिनेशन' अभियान चलाकर 68 स्थानों पर दबिश दी। अभियान में 15 स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि एक दिवसीय 'एरिया डोमिनेशन' अभियान अतिरिक्त डीसीपी राजेश गुप्ता के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त चौमूं कृष्ण राज जांगिड़ के नेतृत्व में सभी थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध शराब के दो प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि आरएनसी एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीमों ने 22 हिस्ट्रीशीटरों के ठिकानों पर पहुंचकर उनकी भौतिक जांच की।

वहीं शांति भंग की आशंका सहित अन्य मामलों में 20 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि चुनावों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष कराने के लिए वांछित अपराधियों, अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बस्सी, चाकसू व कानोता मतदान क्षेत्रों का दौरा किया

जयपुर,(निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर संदेश नायक ने शनिवार को जयपुर के बस्सी, चाकसू व कानोता में नगरपालिका चुनाव की तैयारियों, नामांकन प्रक्रिया, मतदान केंद्रों की स्वच्छता, साफ-सफाई, विद्युत, पेयजल व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, मतदान स्थल, परिवहन, मतदान सामग्री का रख रखाव, विशेष योग्यजन हेतु सुविधायुक्त मतदान, स्ट्रोंगरूम तथा मतगणना कक्ष आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

- **स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर आवश्यक तैयारियों का व्यापक जायजा लिया साथ ही आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए**

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर संदेश नायक ने जयपुर के बस्सी, चाकसू व कानोता क्षेत्रों में व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने शनिवार को फील्ड विजिट कर नगरीय निकाय आम-चुनाव, 2026को मध्यनजर रखते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर आवश्यक तैयारियों का व्यापक जायजा लिया और उपस्थित अधिकारीगण व कार्मिकों को मुस्तैदी से कार्य करने के साथ ही आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए हैं। उन्होंने बस्सी के डेयरी एंड फूड टेक्नोलॉजी कॉलेज एवं महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक कॉलेज, कानोता में स्थापित स्ट्रोंगरूम की भी गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम दीपक खटाना, एसीएम बस्सी, एसएचओ बस्सी, एसएचओ कानोता, उप पंजीयक बस्सी सहित चाकसू के भी संबंधित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

हलवाई कैटरर्स समिति चुनाव: 541 मतदाता तय करेंगे समिति का नया अध्यक्ष

जयपुर(निसं)। हलवाई कैटरर्स कल्याण समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव 2 सितंबर को जनउपयोगी भवन आरपीए रोड पर जयपुर में होने जा रहे है इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर और रामेश्वर कसाना और हनुमान गुर्जर के बीच सीधा मुकाबला है। हलवाई कैटरर्स कल्याण समिति के आगामी चुनाव में 541 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर समिति के अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। अध्यक्ष पद के लिए होने वाले मतदान के बाद ही परिणाम स्पष्ट होगा और तय होगा कि समिति की कमान किसके हाथ में जाएगी। वहीं हलवाई कैटरर्स कल्याण समिति के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामेश्वर कसाना ने चुनाव जीतने पर समिति के सदस्यों के हित में स्वास्थ्य सुविधा, स्थायी कार्यालय एवं सदन, पुलिस-प्रशासन से जुड़ी समस्याओं के समाधान और आर्थिक सहायता सहित कई कार्यों को प्राथमिकता देने की घोषणा भी की है।

2 सितंबर को जनउपयोगी भवन जयपुर में होने जा रहे, इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर रामेश्वर कसाना व हनुमान गुर्जर के बीच सीधा मुकाबला है।

उन्होंने कहा कि कार्यकारिणी सदस्यों और समिति के सभी सदस्यों के आशीर्वाद व सहयोग से जिम्मेदारी मिलने पर पूरी ईमानदारी और मजबूती के साथ समिति के हित में काम करेंगे। कसाना ने कहा कि सदस्यों के लिए चुनिंदा अस्पतालों से संपर्क कर ऐसी व्यवस्था कराने का प्रयास किया जाएगा, जिससे जरूरत पड़ने पर तत्काल उपचार मिल सके। उपचार के दौरान सदस्यों को आर्थिक राहत दिलाने की दिशा में भी प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि समिति के लिए उचित स्थान और स्थायी कार्यालय एवं सदन की व्यवस्था कराने के लिए सरकार और संबंधित विभागों से संपर्क किया जाएगा।

मौसम साफ होते ही पारा गिरा

जयपुर(निसं)। मानसून के कमजोर पड़ने के बाद प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा। इससे प्रदेश के शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई , लेकिन उमस और गर्मी ने आमजन को परेशान किया। श्रीगंगानगर सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। जयपुर के तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। लेकिन धूप खिलने से आमजन उमस से परेशान नजर आया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी एक सप्ताह बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग के अधिकांश भागों में कमजोर मानसून परिस्थितियां दर्ज होने तथा मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना। 3-4 सितंबर से पूर्वी व उत्तरी राजस्थान के कुछ भागों में पुन: बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

पुलिस ने बाइक चुराने वाला शातिर को गिरफ्तार किया

जयपुर(निसं)। माणक चौक थाना पुलिस ने धार्मिक और व्यस्त इलाकों से दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर शहर के अलावा रींगस, चौमू, दूदू और टोंक में आधा दर्जन से अधिक बाइक चोरी की वारदातें कबूल की हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना पुलिस ने धार्मिक और व्यस्त इलाकों से दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर वीरेंद्र गुर्जर उर्फ रवि सोलंकी (25) निवासी बसवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ खाटूश्यामजी थाना, सीकर में चोरी के भी मामला दर्ज है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया और उसकी निशानदेही पर दो बाइक बरामद कीं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बसवा, दौसा का रहने वाला है और रोजगार की तलाश में जयपुर आया था। नशे की लत और आर्थिक तंगी के चलते वह सुनसान स्थानों पर खड़ी बाइक चोरी कर राहगीरों को सस्ते दामों में बेच देता था।आरोपी ने सांगानेरी गेट के बाहर से एक बाइक, सिंधी कैंप बस स्टैंड के पास से स्प्लेंडर प्लस, चौमूं से एक बाइक, दूदू से एचएफ डीलक्स, रेलवे स्टेशन रींगस से एचएफ डीलक्स और कोथून, टोंक से एक बाइक चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस इन वाहनों की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक चोरी की दो बाइक बेचने की फिराक में घूम रहा है। जिस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए आरोपित विरेन्द्र गुर्जर उर्फ रवि सोलंकी को धर-दबोचा।

अंतरराज्यीय मोगियां गैंग का पर्दाफाश: चार शातिर नकबजन गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। तूंगा थाना पुलिस ने चोरी और नकबजनी की वारदातों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय मोगियां गैंग का पर्दाफाश करते हुए गैंग के चार शातिर नकबजनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न इलाकों में 84 से अधिक चोरी और नकबजनी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, तार काटने का कटर, नकब, पेचकश, सरिया सहित चोरी का माल बरामद किया है।

तूंगा थाना पुलिस ने चार शातिर नकबजनों को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि तूंगा थाना पुलिस ने रिंकू मोग्या (21) निवासी चौथ का बरवाड़ा जिला सवाई माधोपुर, राजू मोग्या (29) निवासी बरगमा जिला श्योपुर मध्यप्रदेश, धनराज मोग्या (18) निवासी बरोनी जिला टोंक और मोहन उर्फ मुन्ना मोग्या (21) निवासी लाखेरी जिला बूंदी को सवाई माधोपुर में दबिश देकर गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार राजू, मोहन और रिंकू का पूर्व में भी चोरी और नकबजनी का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों सुरेश, कैलाश और जीतराम आदि के साथ मिलकर जयपुर, सवाई माधोपुर, बूंदी, टोंक, बारां, जयपुर ग्रामीण, श्योपुर और कोटा ग्रामीण क्षेत्र में 84 से अधिक वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस अब इन वारदातों का सत्यापन करने के साथ ही गैंग के अन्य सदस्यों की भूमिका और चोरी के माल की बरामदगी को लेकर जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, तार काटने की कटर मशीन, नकब, पेचकश, सरिया और चोरी का माल-मशरूका बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूछताछ में चोरी की अन्य घटनाओं के खुलासे की संभावना है।

- **अंतरराज्यीय गिरोह ने 7 जिलों में 84 से ज्यादा वारदातें कबूली**

तूंगा थानाधिकारी सज्जन सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने तूंगा के अलावा जयपुर के कोटखावदा और दौसा के लवाण क्षेत्र में भी कई वारदातें करना स्वीकार किया। पुलिस अब आरोपियों से अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस पूछताछ में गैंग के वारदात करने का तरीका भी सामने आया है। आरोपी बाइक या चौपहिया वाहन से सुनसान स्थान तक पहुंचते थे और वाहन को कुछ दूरी पर खड़ा कर देते थे। इसके बाद पैदल खेतों की तारबंदी को कटर से काटकर एकांत में बने मकानों या ढाणियों तक पहुंचते थे।

गैंग के दो-तीन सदस्य मकान के पीछे की दीवार, सीमेंट की जाली, लोहे की ग्रिल या खिड़की को तोड़कर अंदर प्रवेश करते थे। इसके बाद अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर नकदी व जेवरात पर हाथ साफ करते थे। वहीं गैंग के तीन-चार सदस्य बाहर रहकर निगरानी करते थे।

भाद्रपद माह शुरू व्रत साधना में जुटे जैन श्रद्धालु

जयपुर(निसं)। भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकम शनिवार से भाद्रपद मास प्रारंभ हो गया। इसके साथ ही दिगम्बर जैन मंदिरों में एक माह तक धार्मिक आयोजनों की रौनक रहेगी। जैन धर्मावलंबी पूरे एक माह तक षोडशकारण पर्व मनाएंगे। इस दौरान जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, व्रत, विधान और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार को षोडशकारण व्रत एवं मेघमाला व्रत प्रारंभ होंगे, जो रविवार, 27 सितम्बर तक चलेंगे। इस दौरान श्रद्धालु व्रत-उपवास के साथ धार्मिक आराधना करेंगे तथा जैन मंदिरों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारंभ होगा, जो 25 सितम्बर तक चलेगा। इससे पूर्व 2 सितम्बर को चन्दन षष्ठी, 11 सितम्बर से 13 सितम्बर तक लब्धिविधान तेला, 13 सितम्बर को रोट तीज एवं चौबीसी व्रत मनाया जाएगा।

सार-समाचार

पुलिसकर्मियों ने युवा एवं खेल भावना जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लिया

जयपुर(निसं)। पुलिस लाइन आयुक्तालय जयपुर में शनिवार को 'युवा एवं खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त सरोज धायल ने बताया कि कार्यक्रम में करीब 200 पुलिसकर्मियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा। विशेष सत्रों में खेलों के महत्व, शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित खेल गतिविधियां शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में भी सहायक हैं। आयोजन में पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिक्षा, संगीत और कला के क्षेत्र में डॉ. जिम्मी जे. थॉमस सम्मानित

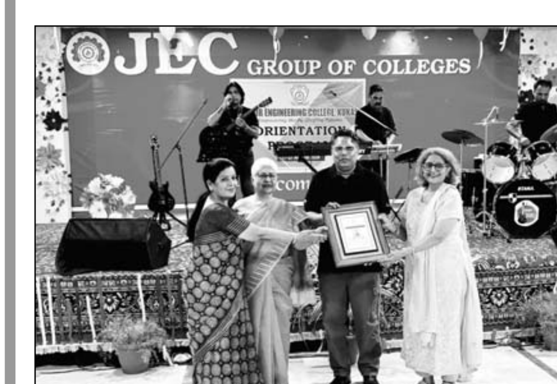

जयपुर(निसं)। शिक्षा, संगीत और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉ. जिम्मी जे. थॉमस को प्रतिष्ठित'महर्षि गुरु वशिष्ठ पुरस्कार-2026'से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, कूकस में आयोजित भव्य समारोह में अभ्येति फाउंडेशन की ओर से प्रदान किया गया।डॉ. जिम्मी जे. थॉमस को शिक्षा, संगीत और कला के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ ही पिछले27 वर्षों से युवा प्रतिभाओं को मार्गदर्शन देनेके लिए यह सम्मान दिया गया। उन्होंने अब तक1500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगीत प्रस्तुतियोंके माध्यम से भारतीय संगीत और संस्कृति को देश-दुनिया में बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।समारोह में उनके दीर्घकालिक योगदान की सराहना करते हुए कहा गया कि डॉ. जिम्मी जे. थॉमस ने संगीत के माध्यम से न केवल भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया, बल्कि युवा कलाकारों को मंच और मार्गदर्शन देकर नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया है।पुरस्कार प्राप्त करने पर डॉ. जिम्मी जे. थॉमस ने इसे अपने 27 वर्षों के संगीत, शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र के सफर की उपलब्धि बताते हुए युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग और कला-संगीत प्रेमी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया से दूरी नहीं, फिर भी योग में पीयूष ने रचा इतिहास

जयपुर(निसं)।गोनेर निवासी पीयूष शर्मा ने - जून 2026 परीक्षा में योग विषय से पहले ही प्रयास में 300 में से 270 अंक हासिल कर -1 प्राप्त की है, यह योग विषय में अब तक के सर्वाधिक अंक बताए जा रहे हैं। पीयूष ने तैयारी के दौरान न तो सोशल मीडिया से दूरी बनाई और न ही अपनी दिनचर्या में कोई बड़ा बदलाव किया। उनका मानना है कि सफलता के लिए सबसे आवश्यक है - निरंतरता पीयूष कहते हैं, सही रणनीति और समय के प्रबंधन के साथ तैयारी की जाए तो की परीक्षा में सफल होना दसवीं कक्षा से भी आसान है। वर्तमान में पीयूष अपनी विशेषज्ञता और परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन यूट्यूब चैनल के माध्यम से जरूरतमंद विद्यार्थियों तक नि:शुल्क पहुंचा रहे हैं।

ई-चालान का फर्जी लिंक भेजकर 1.40 लाख रुपये की ठगी

जयपुर(निसं)। राजधानी जयपुर में साइबर अपराधियों ने ट्रैफिक पुलिस का फर्जी ई-चालान भेज कर एक व्यक्ति के खाते से 1.40 लाख रुपये उड़ा लिए। ठगों ने पीड़ित का मोबाइल हैक करके बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल की और क्रेडिट कार्ड से पैसे निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर झोटवाड़ा थाना पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विजय नगर निवासी दीपक कुमार के मोबाइल संदेश पर ई-चालान के भुगतान के लिए एक लिंक आया था। चालान की सत्यता जांचने और भुगतान करने के उद्देश्य से दीपक ने जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया, उनके सामने क्रेडिट कार्ड से भुगतान का विकल्प आया। जानकारी दर्ज करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया और कुछ ही क्षणों में उनके खाते से 1.40 लाख रुपये कटने का संदेश प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी शिप्रापथ थाना क्षेत्र में इसी तरह ई-चालान के नाम पर 4.67 लाख रुपये की ठगी हो चुकी है। ठग वाहन मालिकों को वाहन सूचना अद्यतन, लंबित चालान या पंजीकरण प्रमाण पत्र, चालक लाइसेंस सत्यापन के नाम पर आधिकारिक पोर्टल जैसा दिखने वाला फर्जी लिंक भेजते हैं। फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल में हानिकारक फाइल अपने आप डाउनलोड हो जाती है। इसके जरिए ठग कॉल अग्रेषण चालू कर देते हैं और गोपनीय बैंक डेटा या एकमुश्त पासवर्ड चुरा लेते हैं। किसी भी अनजान संदेश या वेब पते पर क्लिक न करें। आधिकारिक ई-चालान लिंक के अंत में केवल ..होता है, जबकि ठगी वाले लिंक में स्पेलिंग में मामूली बदलाव होता है । ई-चालान का भुगतान केवल परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या वैध ऐप के माध्यम से ही करें। किसी भी संदेश के जरिए प्राप्त अनुप्रयोग या एपीके फाइल को अपने उपकरण में इंस्टॉल न करें।

आरजीएचएस में अब पर्ची पर संबंधित चिकित्सक का स्वयं सत्यापन अनिवार्य

जयपुर(निसं)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के अंतर्गत जारी होने वाले चिकित्सकीय परामर्श एवं प्रिस्क्रिप्शन की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए है कि कुछ मामलों में लाभार्थियों की प्रिस्क्रिप्शन/पर्चियां जूनियर रेजिडेंट अथवा अन्य कार्मिकों द्वारा तैयार एवं हस्ताक्षिरत की जा रही हैं तथा संबंधित आरजीएचएस से सबद्ध पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) द्वारा उनका सत्यापन एवं प्रमाणीकरण नहीं किया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि नए निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक आरजीएचएस प्रिस्क्रिप्शन को संबंधित एम्पैनल्ड चिकित्सक द्वारा व्यक्तिगत रूप से जांचना, सत्यापित करना तथा अपने हस्ताक्षर एवं मुहर से प्रमाणित करना अनिवार्य होगा। आरजीएचएस की परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल ने बताया कि प्रिस्क्रिप्शन तैयार करने, क्लिनिकल विवरण दर्ज करने अथवा डेटा एंट्री में संस्थागत नियमों के अनुसार सहयोग लिया जा सकता है, लेकिन रोगी के क्लिनिकल निष्कर्ष, निदान, निर्धारित दवाइयों, जांचों तथा उपचार की अंतिम जिम्मेदारी संबंधित एम्पैनल्ड चिकित्सक की ही होगी।

Beach Vibes and Eco Pride

Celebrated every year on August 30, National Beach Day is a tribute to the natural beauty and serenity of our coastlines. It's a day to soak up the sun, enjoy the waves, and reflect on the importance of keeping beaches clean and protected. Whether it's building sandcastles, taking a long walk on the shore, or participating in beach cleanups, the day encourages everyone to appreciate these vital ecosystems and preserve them for future generations. So, grab your sunscreen, gather your friends, and head to the nearest beach to celebrate responsibly!

#MYSTICAL POWER

Not Mere Reflector But A Laser

Mayan polished obsidian mirror was a tool that fired, not reflected, light

The Maya civilization, celebrated for its advancements in mathematics, astronomy, and artistry, created many remarkable artifacts, but one of the most mystifying and fascinating was their polished obsidian mirror. While we think of mirrors as objects that reflect light, the Maya's polished obsidian mirrors were believed to do something extraordinary, they fired light instead of simply reflecting it, a characteristic that made these mirrors powerful and enigmatic tools, with a connection to the divine and supernatural.

The Power to Fire Light

Unlike modern mirrors, which reflect light to produce images, the Maya's polished obsidian mirrors were mystically charged objects that were thought to have the ability to focus and project light. According to the Maya's understanding of the universe, the mirror was not merely a passive reflector but an active tool that could emit light, much like a laser or an intense beam of energy.

The polished surface of the obsidian, when exposed to sunlight, could concentrate the rays, intensifying them to the point where the mirror would appear to fire light at objects, sometimes even scorching the surface of stone. This phenomenon was not simply a reflection of light, but rather the amplification of light, a concept that was deeply rooted in the Maya's spiritual and ritualistic worldview. They believed that this "firing" of light could have powerful mystical effects, including the ability to burn away the barriers between the physical and spiritual worlds.

Ritual and Ceremonial Use

Given their mystical properties, these mirrors were most likely used in important ceremonies, such as divination, shamanistic rites, and sacrificial rituals. It was believed that the intense, focused light emitted by the mirrors could scorch stone or ignite objects, thus serving as a tool for spiritual illumination. Such a dramatic ability to manipulate light would have made the mirrors powerful symbols of ritual authority and sacred wisdom. In some cases, it is believed that the Maya might have used the mirrors to direct light onto specific objects or offerings in their temples or ceremonial spaces. This manipulation of light could have been seen as a visual manifestation of the gods' power, perhaps, even transforming the physical world around the user, reinforcing the mirror's connection to the divine.

The Technology and the Mystery

The exact method by which the Maya crafted such polished, smooth, and reflective surfaces is still a mystery to some extent. Obsidian, a natural volcanic glass, is notoriously difficult to polish to a high shine, but the Maya was adept at working with this material, creating objects that not only served functional purposes but also held profound symbolic significance. The perceived ability of these mirrors to fire light rather than merely reflect it suggests that the Maya understood the energetic properties of materials and their interaction with light in ways that were likely ahead of their time. Whether through scientific insight or mystical belief, the Maya imbued their polished obsidian mirrors with an aura of magical realism, where physical properties merged with spiritual and ritual significance.

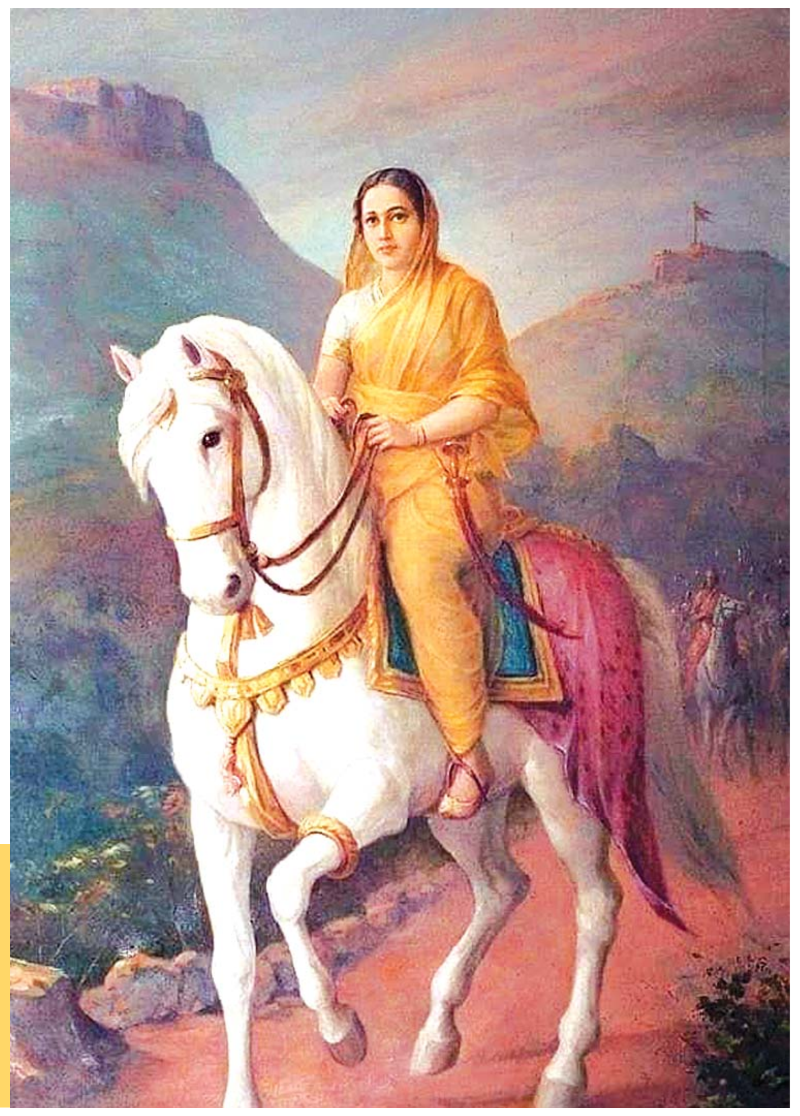

Aurangzeb Fell Repeatedly To Her

One of Tarabai's greatest strengths was that she never stopped learning, even if it was from the enemy. She mastered Aurangzeb's particular technique of bribing commanders on the enemy side. Also, following the same techniques used by the imperial army, Tarabai and her commanders began penetrating the long-held territories of the Mughal empire (as far north as Malwa and Gujarat) and appointing their own revenue collectors (kamaishdars).

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The reign of Aurangzeb remains one of the most debated chapters in Indian history, especially when viewed alongside the fierce resistance of the Marathas in the late 17th and early 18th centuries.

Aurangzeb's rule marked a clear departure from the relatively accommodative policies of some earlier Mughal emperors. He emphasized Islamic orthodoxy in governance, reimposing taxes like jizya and aligning imperial policies more closely with interpretations of Sharia. Cultural life at court changed as well, music, which had flourished under emperors like Akbar and Shah Jahan, was discouraged or removed from official patronage. Social practices such as stricter observance of purdah in elite circles also gained prominence during his reign, reflecting a broader shift towards conservatism.

Yet, while Aurangzeb attempted to consolidate authority in the north, the Deccan became the empire's greatest challenge. After the death of Chhatrapati Rajaram in 1700, Aurangzeb personally intensified Mughal campaigns against the Marathas, believing their resistance might finally collapse. Instead, leadership passed to Maharani Tarabai, who proved to be a formidable strategist. At Kolhapur's central square stands the beautiful statue of warrior queen astride a horse. One of the grittiest characters in Indian history, this woman was also called the 'Rainha dos Marathas' or the 'Queen of the Marathas' by the Portuguese. She is Rani Tarabai Bhonsle, the brave daughter-in-law of Chhatrapati Shivaji and one of India's greatest medieval monarchs.

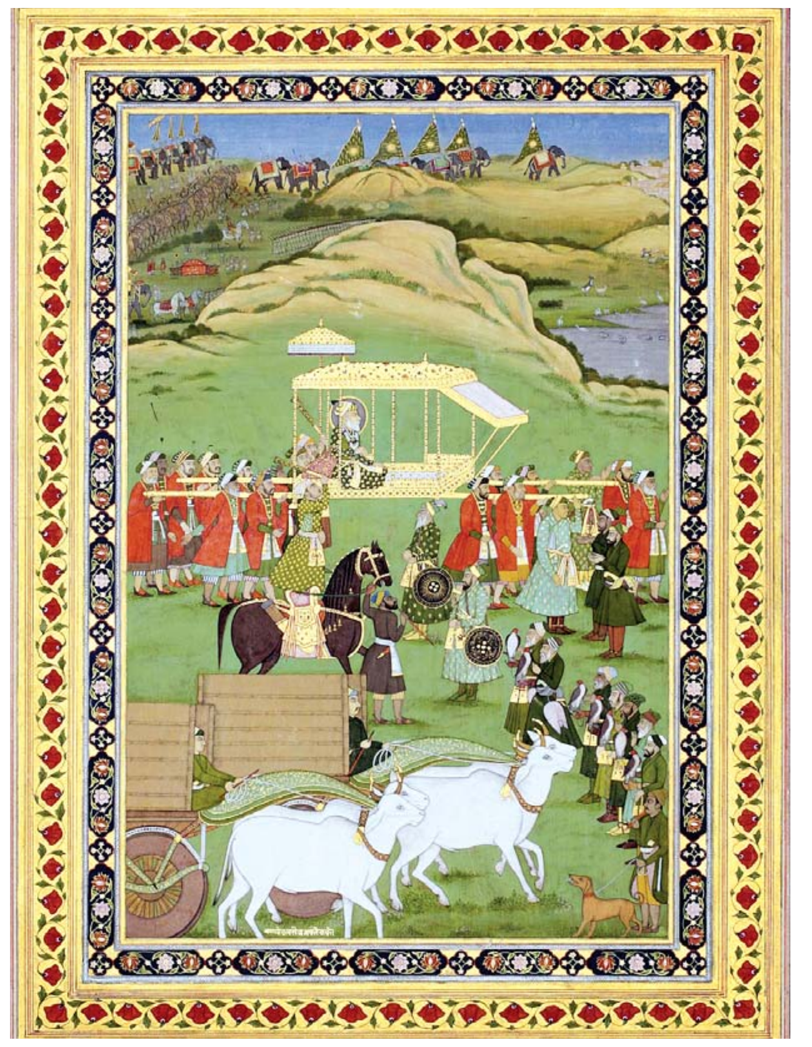

Among the few women in history to save a kingdom by sheer force and willpower, Rani Tarabai's unflagging courage and indomitable spirit are at par with the legendary Rani Laxmi Bai of Jhansi, Rani Rudrama Devi of Warangal and Rani Abbakka Chowta of Ullal. Yet, little is written about this warrior queen or her incredible story.

Tarabai declared herself regent and took charge of the Maratha state (Swaraj) on behalf of her young son. Far from being a passive figure, she reorganized resistance and launched aggressive campaigns. Aurangzeb reportedly underestimated her, expecting a weakened opposition, but Tarabai struck decisively, reviving Maratha momentum and even asserting claims like chauth (a form of tribute) over Mughal territories.

The conflict soon turned into a war of endurance. Aurangzeb's forces laid sieges to multiple Maratha forts, capturing several of them. However, the Marathas adopted highly mobile guerrilla tactics, cutting Mughal communication lines, disrupting supply routes, and avoiding direct confrontation when disadvantageous. This strategy steadily drained Mughal resources.

In many cases, Mughal forces found themselves isolated deep in hostile territory. Maintaining control over captured forts proved costly and difficult. There were instances where the Mughals, unable to sustain prolonged sieges or supply chains, resorted to negotiated surrenders or payments to regain temporary control, only for the Marathas to recapture these forts later. The cycle became increasingly unsustainable for the empire.

Ironically, the wealth exchanged in these transactions often strengthened the Maratha war effort. Funds gained through such arrangements were redirected into expanding raids deeper into Mughal lands. Maratha forces began pushing northward, crossing the Narmada River and launching

> Tarabai declared herself regent and took charge of the Maratha state (Swaraj) on behalf of her young son. Far from being a passive figure, she reorganized resistance and launched aggressive campaigns. Aurangzeb reportedly underestimated her, expecting a weakened opposition, but Tarabai struck decisively...

incursions into regions like Gujarat, signaling a shift from defensive resistance to offensive expansion.

One of Tarabai's greatest strengths was that she never stopped learning, even if it was from the enemy. She mastered Aurangzeb's particular technique of bribing commanders on the enemy side. Also, following the same techniques used by the imperial army, Tarabai and her commanders began penetrating the long-held territories of the Mughal empire (as far north as Malwa and Gujarat) and appointing their own revenue collectors (kamaishdars).

One of Tarabai's most looked to strategies was turning the Mughal system against itself. She adopted Aurangzeb's own method of bribing commanders, securing crucial defections that weakened the imperial forces.

Thus, even when her forts of her own fell into Aurangzeb's hands, Tarabai always had control of resources from her permanent collection centres in Mughal domain!

By the final years of Aurangzeb's life, the once-mighty Mughal campaign in the Deccan had turned into a prolonged and exhausting conflict. Despite commanding one of the largest armies of his time, Aurangzeb could not decisively defeat the Marathas. When he died in 1707, the empire was territorially vast but internally strained, while the Marathas were on the rise, poised to become a dominant power in 18th-century India.

Here is a couplet written for this unique woman Maratha warrior.

#LADY TERRIBLE

दिल्ली झाली दीनवाणी।
दिल्लीशाचे गेले पाणी।।
ताराबाई रामराणी।
भद्रकाली कोपली।।
ताराबाईच्या बखते।
दिल्लीपतीची तखते।।
खचो लागली तेवि मते।
कुराणेही खंडली।।
रामराणी भद्रकाली।
रणरंगी कृद्ध झाली।।
प्रलयाची वेळ आली।
मुगलहो सांभाळा।।

-कवी गोविंद

In English, it can be understood as: "Delhi has become wretched. The glory and foundation of the Mughal Emperor have faded. Tarabai, the queen of Rajaram (3rd Maratha Chhatrapati), has risen like the wrathful Bhadrakali.

At Tarabai's command, the throne of the Delhi Emperor trembles. The faith of the Mughals is shaken. Even the Quran (symbolizing the foundation of the Mughal Empire) seems fractured.

The warrior queen, the fierce Bhadrakali, has entered the battlefield in fury. The time of destruction has arrived. Mughals, beware!"

-By Govind.

> An indomitable warrior queen, who was deeply devoted to her kingdom, Tarabai, didn't just prevent the Maratha Confederacy from disintegrating when it was at its lowest ebb, she also played a crucial role in it rise to national power (by 1760, the Marathas de facto controlled almost all of India).

Tarabai was the Maratha Maharani who won every single battle she fought with the armies of Aurangzeb. From 1700 to 1708, Maharani Tarabai ensured that Mughal forces couldn't ever breathe in peace. Tarabai was the second wife of Rajaram, the younger son of Shivaji. With Chhatrapati Sambhaji being executed by Aurangzeb in 1689, the reign of Maratha territories came into the hands of Rajaram. Rajaram's reign ended with his untimely death on 3rd March 1700. Tarabai declared her minor son Shivaji as Chhatrapati.

Aurangzeb thought that a widow saddled with two minor children would be easy to defeat. Tarabai broke that illusion quickly. Between 1707 and the death of Aurangzeb and later, she harried the Mughal forces, pushing them out of Maratha domains.

The biggest and most memorable was the Battle of Satara in April 1700, in which the Mughal forces were decimated. Aurangzeb was personally overseeing this invasion. Eager to take Satara, he kept on pushing. Finally, the smaller Maratha forces abandoned the fort. At this point, Tarabai personally took charge of the defence of her territories. After this, there was no looking back for her.

In one of the battles in 1706, the Mughals did take Tarabai prisoner. Within four days, her troops launched a counter attack and freed her to fight for two more years.

In her seven-year period as regent, Tarabai single-handedly directed the Maratha resistance against the massive army of Aurangzeb, then the mightiest ruler in the world. Muhammad Hashim (c. 1664-1732), better known by his title Khafi Khan, was an Indo-Persian historian of Mughal India. His career began about 1693-1694 as a clerk in Bombay. He served predominantly in Gujarat and the Deccan regions, including the final decade of Mughal emperor Aurangzeb. He authored the controversial and in part "patently fictitious" *Muntakhab-al Lubab*, a Persian language book about the history of India during the Mughal period, completed in 1731. It has been a much studied, contested source of information about the Mughal history, particularly Shah Jahan and Aurangzeb. As this chronicler wrote:

"She won the hearts of her officers, and for all the struggles and schemes, the campaigns and sieges of Aurangzeb up to the end of his reign, the power of the Marathas increased day by day."

An indomitable warrior queen, who was deeply devoted to her kingdom, Tarabai, didn't just prevent the Maratha Confederacy from disintegrating when it was at its lowest ebb, she also played a crucial role in it rise to national power (by 1760, the Marathas de facto controlled almost all of India).

Under her rule, the Maratha army established their rule over Southern Karnataka and plundered several rich towns of the country's western coast (such as Burhanpur, Surat and Broach).

In the midst of repeated failures in quelling the Maratha resistance, an ageing Aurangzeb died on March 2, 1707. Facing a power vacuum at the top, the Mughals craftily released Shahu (Sambhaji's son and Tarabai's nephew) to divide the Maratha leadership by sending a new claimant to the throne.

The idea succeeded when Shahu challenged Tarabai and Shivaji II for leadership of the Maratha Confederacy. Tarabai refused, fearing the impact Shahu's Mughal upbringing may have on his reign. This dispute quickly transformed into a battle. However, given Shahu's legal claim to the throne, chieftain, sent by Tarabai to fight him, started defecting to the other side. And finally in 1708, with the support of Peshwa Balaji Vishwanath's diplomacy and the new Mughal emperor's resources, he succeeded. Not one to give up easily, Tarabai established a rival court in Kolhapur the next year but was deposed after Shahu and Rajasabai (Rajaram's second wife) joined forces to put Rajasabai's son, Sambhaji II, on the Kolhapur throne.

Tarabai and her son Shivaji were thrown into prison, where she spent 16 years and her son eventually died. However, later, Sambhaji turned hostile, forcing Shahu to switch sides. Finally freeing her from the prison, Shahu invited Tarabai to stay in the Satara palace, albeit under house arrest. But the former queen's role in Maratha polity was not over.

At the age of 73, Tarabai stepped out of the shadows after Shahu fell seriously ill, with no direct descendants of Shivaji to appoint as his heir. She revealed that she had concealed the existence of her grandson Ramraja after her son's death, fearing his assassination by Rajasabai and Sambhaji II, and that he was now 22 years old, a Maratha prince waiting for his destiny. So, Shahu adopted Ramraja his heir before he died in 1749. With Tarabai's help, the young prince ascended the Maratha throne. However, later, when he became close to the powerful Peshwa, Nana Sahib, and refused to accede to her wishes, Tarabai denounced him as her grandson.

Nonetheless, in 1752, Tarabai had to settle for a pact that acknowledged Nana Sahib's authority in return for the freedom to settle "into her life's final role, that of a powerful quasi-sovereign dowager." As mentioned by Eaton in his book, Tarabai breathed her last at the age of 86 in 1761, a few months after Ahmad Shah Abdali decimated the Maratha Army at the 3rd battle of Panipat. Had the indomitable queen not taken charge in 1701, it is quite likely that the Marathas would have had to face a similar defeat much earlier and the history of India would have been very different.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

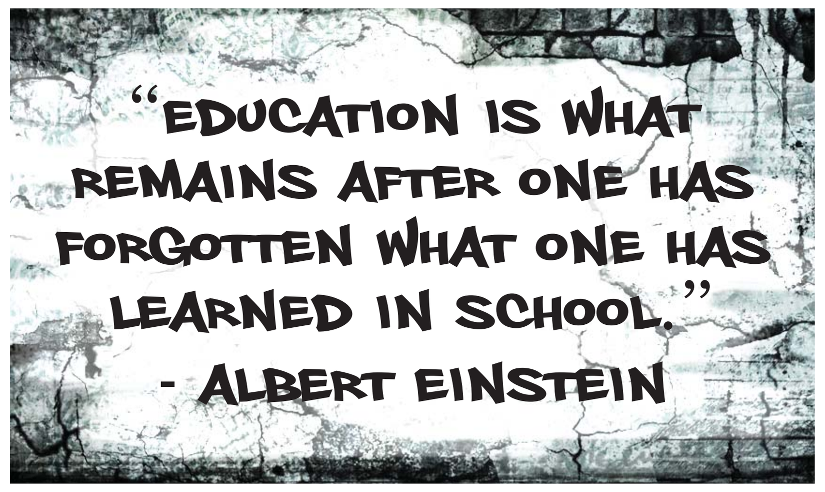

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

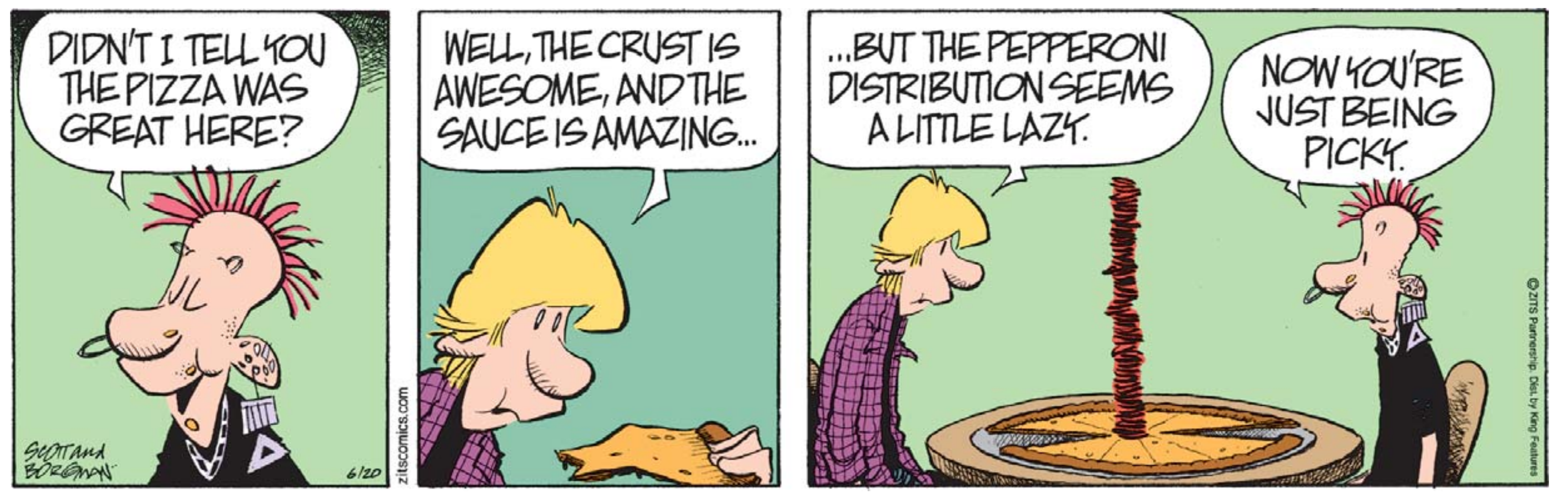

उदयपुर में वृद्ध को मारने और चार लोगों को घायल करने वाला पैंथर पिंजरे में कैद

पैंथर के पकड़े जाने के बाद वन विभाग के अधिकारियों और तीन दिनों से स्कूल परिसर में शरण लिए 10 परिवारों के 35 लोगों ने राहत की सांस ली

- **हमलावर पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग की करीब 40 सदस्यीय टीम ने लगातार तीन दिन और रात जंगल में निगरानी अभियान चलाया**
- **200 हेक्टेयर क्षेत्र में पैंथर की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 21 डिजिटल ट्रैप कैमरे लगाए, जबकि अलग-अलग स्थानों पर 6 पिंजरे लगाए गए थे**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर से सटे उमरड़ा क्षेत्र में एक वृद्ध की जान लेने और चार लोगों को घायल करने वाले खूंखार पैंथर को आखिरकार वन विभाग ने शनिवार अलसुबह पकड़ लिया। पैंथर के पकड़े जाने के बाद वन विभाग के अधिकारियों और पिछले तीन दिनों से दहशत के कारण स्कूल परिसर में शरण लिए 10 परिवारों के करीब 35 लोगों ने राहत की सांस ली है।

इस हमलावर पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग की करीब 40 सदस्यीय टीम ने लगातार तीन दिन और रात जंगल में निगरानी अभियान चलाया। करीब 200 हेक्टेयर क्षेत्र में पैंथर की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 21 डिजिटल ट्रैप कैमरे लगाए गए जबकि अलग-अलग स्थानों पर 6 पिंजरे लगाए गए थे। वन विभाग के उत्तर मंडल के डीएफओ डी.के. तिवारी के अनुसार पैंथर के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो चुकी थी, जबकि चार अन्य लोग घायल हुए थे। ऐसे में हमलावर पैंथर को जल्द पकड़ना बेहद जरूरी हो गया था। उन्होंने कहा कि यदि पैंथर इस क्षेत्र से निकलकर किसी दूसरे इलाके में पहुंच जाता तो वहां भी लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता था। इसलिए वन विभाग की टीम ने तत्काल और व्यापक स्तर पर अभियान चलाया। वन विभाग की टीम ने जंगल में पैंथर के पगमार्क के आधार पर उसकी गतिविधियों का पता लगाया। ट्रैप कैमरों में कैद हो रहे पैंथर के मूवमेंट और उसके व्यवहार का लगातार अध्ययन किया गया। इसके आधार पर वन विभाग ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और पिंजरों की लोकेशन भी बदली।

सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क के डॉक्टर डॉ. हिमांशु व्यास के अनुसार उमरड़ा क्षेत्र से पकड़े गए पैंथर को फिलहाल बायोलॉजिकल पार्क में रखा गया है। प्रथम दृष्टया यह वही पैंथर प्रतीत हो रहा है जिसने क्षेत्र में ग्रामीणों पर हमला किया था। हालांकि इसकी वैज्ञानिक पुष्टि के लिए पैंथर के डीएनए सैंपल जांच के लिए आईवीआरआईए देहरादून भेजे जाएंगे। जांच रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि पकड़ा गया पैंथर वही हमलावर वन्यजीव है या नहीं।

डीएफओ डी.के. तिवारी के अनुसार वन विभाग की टीम लगातार पैंथर की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। 26 और 27 अगस्त की रात पैंथर पिंजरे के पास तक पहुंचा था, लेकिन वह उसमें प्रवेश किए बिना वापस लौट गया। इसके बाद वन विभाग ने ट्रैप कैमरों से मिले मूवमेंट और पैंथर के व्यवहार का विश्लेषण कर रणनीति बदली। पिंजरों की लोकेशन में बदलाव किया गया और आखिरकार 29 अगस्त की अलसुबह हमलावर पैंथर पिंजरे में फंस गया। वन विभाग ने पैंथर को पकड़ने के बावजूद उमरड़ा और आसपास के जंगल क्षेत्र में निगरानी जारी रखने का फैसला किया है। डीएफओ के अनुसार अगले दो से तीन दिनों तक क्षेत्र की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। जब वन विभाग पूरी तरह आश्वस्त हो जाएगा कि इलाके में किसी अन्य पैंथर की असामान्य गतिविधि या लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है तभी स्कूल परिसर में रह रहे परिवारों को वापस अपने घर जाने की अनुमति दी जाएगी।

रोहित गोदारा-वीरेंद्र चारण गैंग का इनामी मिंटू मोडासिया गिरफ्तार

पुलिस ने अंतरराज्यीय बदमाश बिन्दू उर्फ मिंटू मोडासिया को दबोचा।

- **पुलिस ने आरोपी को हिसार से डिटेन कर गिरफ्तार किया था जो पुलिस रिमांड पर है**
- **जांच में सामने आया कि मिंटू ने शूटर हरदीप सिंह व रोहित को वारदात के लिए हथियार उपलब्ध करवाए थे**

रतनगढ़, (निसं)। राजस्थान व हरियाणा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग से जुड़े 25 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय बदमाश बिन्दू उर्फ मिंटू मोडासिया पुत्र कर्णसिंह जाट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिसार से डिटेन कर 25 अगस्त को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह पुलिस रिमांड पर है।

थानाधिकारी सीआई संदीप कुमार ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपी के खिलाफ मकोका सहित विभिन्न राज्यों में हत्या के आधा दर्जन से अधिक मामले तथा कुल 33 संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि मिंटू ने शूटर हरदीप सिंह व रोहित को वारदात के लिए हथियार उपलब्ध करवाए थे।

गौरतलब है कि 14 मई को रेलवे घूमचक्कर के पास व्यवसायी सुनील प्रजापत के घर पर दो नकाबपोश बदमाशों ने रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण के नाम से एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। रकम नहीं देने पर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। पुलिस इस प्रकरण में अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार मिंटू उस समय मोका मामले में मेडिकल आधार पर पैरोल पर बाहर आया था और इसी दौरान हथियार उपलब्ध कराने की भूमिका सामने आई। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। वहीं विदेश में बैठे मुख्य सरगनाओं को व्यापारियों के मोबाइल नंबर व पते उपलब्ध कराने वाले स्थानीय गुर्गों सहित अन्य चार-पांच संदिग्धों की भूमिका की भी जांच जारी है।

महिला से दुष्कर्म और घर में चोरी का मामला दर्ज

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दुष्कर्म करने और घर से नकदी व जेवरात चोरी कर ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रुदावल थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि 28 अगस्त की रात पीड़िता का पति त्यौहार के सिलसिले में लगाई अपनी दुकान से घर लौटा। आरोप है कि पड़ोस के ही एक युवक ने कथित तौर पर पीड़िता के पति को शीतल पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। पति को कमरे में सुलाने के बाद जब पीड़िता सो रही थी, तब आरोपी युवक घर में घुस आया। महिला का आरोप है कि आरोपी ने चाकू की नोक पर धमकी देकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। आरोपी अलमारी में रखे 3 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर मौके से फरार हो गया।

नशा तस्करी मामले में फरार 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

आरोपी ने 8 सिम पाकिस्तान भेजी थी, एक सिम कार्ड पर पाक हैंडलर ने व्हाट्सएप शुरू कर लिया था

अनूपगढ़, (निसं)। यहां पुलिस और सीआईडी की टीम ने 25 हजार के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी 2 महीने पहले नई मंडी घड़साना थाना इलाके में पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा गिराई गई 10.5 किलो हेरोइन के तस्करी कांड में फरार था। आरोपी ने आठ सिम पाकिस्तान भेजना भी कबूल किया है। आरोपी को अनूपगढ़ पुलिस ने डिटेन कर पूछताछ की। आरोपी ने पाकिस्तान से संपर्क होने की बात कबूली। इसके बाद आरोपी को अनूपगढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

अनूपगढ़ थानाधिकारी करतार सिंह ने बताया कि सुरक्षा एजेंसी की तरफ से आरोपी बलविन्द्र सिंह पुत्र स्व. प्रीतम सिंह सर्विलेंस पर रखा गया था। खुफिया एजेंसी को सूचना मिली कि वह अपने गांव 27 ए में देखा गया है। जिस पर पुलिस ने उसे डिटेन कर लिया और पूछताछ के दौरान उसे पुलिस थाना में गिरफ्तार कर लिया। नशा तस्करी मामले में फरार 25 हजार इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

श्रीगंगानगर एसपी हरीशंकर यादव ने बताया कि आरोपी पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा गिराई गई 10.5 किलो हेरोइन के तस्करी कांड में फरार था। उसके ऊपर 25 हजार का इनाम रखा गया था। आरोपी का संपर्क अपने साले जसविन्द्र सिंह से है, जो एनडीपीएस मामले में जेल में बंद है। बलविन्द्र सिंह पाक हैंडलरों के संपर्क में रहकर व्हाट्सएप कॉल और चैट के माध्यम से उनके निर्देशों पर सीमावर्ती क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त था। आरोपी ने 8 सिम पाकिस्तान भेजी थी, जिसमें से एक सिम कार्ड पर पाकिस्तान के हैंडलर द्वारा व्हाट्सएप शुरू कर लिया गया था। सभी नम्बरों की सीडीआर निकलवाई जा रही है, जिसके बाद स्पष्ट हो पाएगा कि किसने और कैसे ये सिम कार्ड जारी किए है। इसी अभियान के तहत, एएसपी नीलम चौधरी, डीएसपी अनूपगढ़ जयप्रकाश बेनीवाल और थानाधिकारी करतार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीआईडी (आईबी) की टीम के साथ मिलकर सीमावर्ती क्षेत्र में गुप्त सूचनाएं जुटाईं।

हादसे में पति-पत्नी घायल

रूपवास/भरतपुर, (निसं)। रूपवास क्षेत्र के भरतपुर मार्ग स्थित जरैला गांव के पास शुक्रवार को बाइक और स्कूटी की आमने-सामने हुई टक्कर में पति-पत्नी घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को उपचार के लिए रूपवास उप जिला अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार कस्बा निवासी संजय अपनी पत्नी ममता के साथ बाइक से रूपवास की ओर आ रहे थे। इसी दौरान जरैला गांव के समीप सामने से आ रही एक स्कूटी से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों पति-पत्नी सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और एम्बुलेंस तथा अन्य साधनों की मदद से घायलों को तत्काल रूपवास उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों संजय को उपचार के पश्चात छुट्टी दे दी। वहीं महिला ममता को गंभीर चोटें आई थीं।

नरेश मीणा की जेल में तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

- **समर्थकों ने जेल प्रशासन पर इलाज में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया**

टोंक, (निसं)। एसडीएम थप्पड़कांड के आरोप में जिला कारागृह में बंद नरेश मीणा की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। जेल में प्राथमिक जांच के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच दोपहर को जिला सआदत अस्पताल टोंक ले जाया गया, जहां उनको आईसीयू में एडमिट किया गया है। नरेश मीणा के समर्थकों ने आरोप लगाया कि नरेश मीणा को 7-8 दिन से सीने में दर्द था, लेकिन समय पर उनका इलाज नहीं कराया गया। सरकार जेल प्रशासन के जरिए नरेश मीणा की जान को खतरे में डाल रही है और हत्या करवाना चाहती है।

पीएमओ डॉ. प्रतीक सालोदिया ने बताया कि नरेश मीणा की सीने में दर्द की शिकायत पर जेल प्रशासन ने अस्पताल भेजा था। उनको आईसीयू में एडमिट कर इलाज किया जा रहा है। उनकी ईसीजी नॉर्मल आई है, ब्लड रिपोर्ट आना बाकी है, पूरी जांचें आने के बाद आगे उसी हिसाब से इलाज किया जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद तय करेंगे कि उनका इलाज टोंक में ही जारी रखा जाए या जयपुर भेजा जाए। नरेश मीणा की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही उनके समर्थक सआदत हॉस्पिटल पहुंचने लगे। समर्थकों ने जेल प्रशासन पर इलाज में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 22 अगस्त को पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा नरेश मीणा से जेल में मिलने पहुंचे थे, उस दौरान नरेश मीणा ने बातचीत में सीने में दर्द होने की बात कही थी। इसके बाद गुढ़ा ने मीडिया में बयान दिया था कि नरेश मीना की तबीयत ठीक नहीं है। उनको अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज करवाना चाहिए। नरेश मीणा की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलने के बाद समर्थक हॉस्पिटल पहुंचने लगे। इस दौरान पुलिस जाब्ता भी मौजूद रहा।

दो मंदिरों से दानपेटी और पाइप चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर में मंदिरों में अब चोरों की नजर है। पिछले दिनों पुलिस ने मंदिरों में चोरी करने वाले आरोपियों को पकड़ा था। अब फिर दो मंदिरों में चोरी घटनाएं प्रतापनगर और सूरसागर में फिर सामने आई है। प्रतापनगर पुलिस थाने में शोभावतों की ढाणी कुशल नगर निवासी कल्पेश सिंघवी की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

इसमें बताया कि थाना क्षेत्र में नाग देवता का मंदिर आया है, जहां से 23 अगस्त को सात एसी के कॉपर पाइप चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। दूसरी तरफ सूरसागर पुलिस के अनुसार जीनगर मोहल्ला चांदपोल के बाहर रहने वाले दीनदयाल पुत्र गोविंदराम ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि क्षेत्र में महादेव मंदिर आया है, जहां से 25 अगस्त को चोरों ने दानपेटी को चुरा लिया। इसमें एक युवक विक्रम को नामजद किया गया है। पुलिस प्रकरण में अब जांच में जुटी है।

42 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त, तीन गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। सज्जनगढ़ थाना पुलिस ने क्षेत्र में अवैध शराब की धरपकड़ के दौरान 42 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त कर 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर दो प्रकरण दर्ज किये। वहीं वांछित अपराधियों की धरपकड़ के दौरान 2 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

थानाधिकारी धनपत सिंह ने बताया कि लोकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्रवाई के दौरान 42 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त कर प्रवीण पुत्र बादर, दिनेश पुत्र प्रभु निवासी कूपड़ा व उदयसिंह पुत्र गोपाल निवासी राठधनराज को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह वांछित स्थाई वारंटी व भगोड़ों की तलाश के लिये टीम गठित की गयी। वांछितों की तलाश के दौरान एसीजेएम न्यायालय कुशलगढ़ में आबकारी अधिनियम में वांछित स्थाई वारंटी नारेंग पुत्र ज्योति डामोर निवासी सांगडूगरी थाना कलिंजरा तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट के धारा 138 एनआई एक्ट में वांछित स्थाई वारंटी विपेन्द्र सिंह पुत्र रामसिंह निवासी रोहनिया लक्ष्मण सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

रेलवे टिकटों की अवैध बिक्री, ई-मित्र संचालक को पकड़ा

- **99 हजार रुपये से अधिक मूल्य के 28 ई-टिकट बरामद**

कोटा, (निसं)। आरक्षित रेलवे ई-टिकटों की अवैध बुकिंग एवं बिक्री करने वाले टिकट दलालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राईम इंटेलिजेंस ब्रांच कोटा के सहायक उप निरीक्षक विजय बहादुर सिंह एवं रेलवे सुरक्षा बल बारां के सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार झरिया के नेतृत्व में संयुक्त रूप से टीम ने कोटा मंडल के छबड़ा-गूगर में कार्रवाई की। जांच में व्यक्तिगत आईडी से बुक किए गए 28 रेलवे ई-टिकट बरामद किये, जिनका मूल्य 99,365 रुपये है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि सूचना मिली कि छबड़ा-गूगर स्थित कृष्णा ई-मित्र शॉप का संचालक अपनी व्यक्तिगत आईडी का उपयोग कर आरक्षित रेलवे ई-टिकट बुक कर यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूल रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए टीम ने एक बोगस ग्राहक भेजा, दुकान संचालक द्वारा अपनी व्यक्तिगत आईडी से गाड़ी संख्या 04140 में कोटा से टूंडला का स्लीपर क्लास का टिकट बनाकर वास्तविक किराए से अधिक राशि लेने पर सूचना की पुष्टि हुई, इसके बाद संयुक्त टीम ने दुकान पर जांच की। व्यक्तिगत आईडी से आगामी यात्रा के 67,635 रुपये मूल्य के 6 टिकट तथा पूर्व यात्राओं के 31,730 रुपये मूल्य के 22 टिकट पाए गए। इस प्रकार कुल 99,365 रुपये मूल्य के 28 ई-टिकट जब्त किए गए, कार्रवाई के दौरान एक सीपीयू भी जब्त किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि पूछताछ में दुकान संचालक परमानंद लोढ़ा द्वारा ग्राहकों की मांग पर व्यक्तिगत आईडी से रेलवे ई-टिकट बुक कर निर्धारित किराए के अतिरिक्त राशि लेने की बात सामने आई। मामले में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बारां द्वारा आरोपी के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत केस दर्ज कर आरोपी को पकड़ा एवं मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कोटा स्टेशन पर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

कोटा, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर जन विश्वास अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। 4 से 26 अगस्त के दौरान मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ने 307 मामलों में 66,300 रुपये, रेलवे सुरक्षा बल ने 742 मामलों में 4,22,500 रुपये तथा वाणिज्य विभाग ने 600 मामलों में 4,01,280 रुपये का जुर्माना वसूला। यह जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने दी। उन्होंने बताया कि जन विश्वास अधिनियम के तहत रेलवे नियमों का उल्लंघन करने पर अर्थदंड के प्रावधानों को और प्रभावी बनाया गया है। स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। रेलवे संपत्ति पर पोस्टर चिपकाने या लिखने, अनधिकृत रूप से सामान रखने तथा अन्य गंभीर स्वच्छता उल्लंघनों पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

कोटा में फरार तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे तस्कर को गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 12 जुलाई को अनंतपुरा थाने के उपनिरीक्षक बाबूलाल ने मय जाप्ता गश्त व चैकिंग के दौरान नयागांव पुलिया के समीप कार्रवाई करते हुए 4 किलो 920 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा पाउडर सहित जिला बरनाल पंजाब के आरोपी सुखदेव सिंह को पकड़ा था।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपी से पूछताछ के आधार पर अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा तस्करी के मामले में फरार चल रहे तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर अनंतपुरा थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई, गठित टीम ने आसुचना, तकनिकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मामले में फरार चल रहे जिला मंदसौर मध्यप्रदेश के खेरखेड़ा निवासी प्रमोद गुर्जर (37) को मन्दसौर क्षेत्र से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

भीलवाड़ा में 40 किलो डोडा-चूरा सहित कार जब्त, आरोपी गिरफ्तार

- **आरोपी के पास डोडा-चूरा के परिवहन से संबंधित कोई लाइसेंस या परमिट नहीं मिला**

थाना सदर पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध डोडा-चूरा का परिवहन कर रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 किलो 385 ग्राम डोडा- चूरा और परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया है।

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार थानाधिकारी प्रहलाद सहाय के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। 27 अगस्त को गश्त के दौरान एएसआई फूलचंद मीणा को आकोला चौराहे के पास एक संदिग्ध सफेद स्विफ्ट कार के संबंध में सूचना मिली। सूचना पर थानाधिकारी मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और कार चालक को डिटेन कर पूछताछ की। आरोपी की पहचान राधेश्याम पुत्र रामाराम सरगरा निवासी बीसलपुर, थाना डांगियावास, जोधपुर के रूप में हुई। कार की डिग्गी की तलाशी लेने पर उसमें से दो प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए। जांच करने पर कट्टों में अवैध डोडा- चूरा भरा पाया गया, जिसका वजन 40 किलोग्राम 385 ग्राम निकला। आरोपी के पास डोडा-चूरा के परिवहन से संबंधित कोई लाइसेंस या परमिट नहीं पाया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ और स्विफ्ट कार को जब्त करते हुए आरोपी राधेश्याम को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर में मामला दर्ज कर आगे का अनुसंधान जारी है।

जुआ खेलते चार गिरफ्तार

पिलानी, (निसं)। पुलिस की ओर से अवैध गतिविधियों एवं जुआ-सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिलानी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए काजड़ा में जुआ खेल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 30 हजार रूपए की जुआ राशि और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार थानाधिकारी अलका विश्नोई के नेतृत्व में टीम गठित ने 29 अगस्त को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि काजड़ा स्थित तालाब बगीची में कुछ लोग ताश के पत्तों पर रूपए दांव पर लगाकर जुआ खेल रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर चारों व्यक्तियों को पकड़ लिया। पुलिस ने मुकेश पुत्र महावीर (40) निवासी काजड़ा, सुभाषचन्द पुत्र संतोष कुमार (50) निवासी काजड़ा, दलीप सिंह पुत्र जमनाराम (42) निवासी भगीना तथा विकाश पुत्र नागरमल (37) निवासी काजड़ा को गिरफ्तार किया है।

नौ साल की ब्रेन डेड बच्ची अंजलि ने तीन लोगों को नई जिंदगी दी

- **जोधपुर एम्स में 12वां अंगदान, एक किडनी और लिवर को ग्रीन कॉरीडोर बनाकर जयपुर भेजा**
- **सड़क हादसे में घायल होने के बाद अंजलि का जोधपुर एम्स में इलाज चल रहा था, 27 अगस्त को डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित किया था**

जोधपुर, (कासं)। सिर्फ नौ साल की अंजलि इस दुनिया से जाते-जाते तीन लोगों को नई जिंदगी दे गई। सड़क हादसे में घायल होने के बाद उसका जोधपुर एम्स में इलाज चल रहा था। गत 27 अगस्त को डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित किया। इसके बाद परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। आज अंजलि की दोनों किडनी और लीवर डोनेट किए गए। एक किडनी और लीवर ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया है। वहीं दूसरी किडनी यही जोधपुर एम्स में पेशेंट को ट्रांसप्लांट की जाएगी।

अंजलि के पिता अशोक दास ने बताया कि वे पचपदरा के रहने वाले हैं। गत 19 अगस्त को अंजलि स्कूल जा रही थी। इसी दौरान सड़क पार करते समय एक डंपर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्ची दूर जाकर गिरी। उसके सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद अंजलि को इलाज के लिए जोधपुर एम्स में भर्ती कराया गया, लेकिन चोटें इतनी गंभीर थीं कि डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। अशोक दास ने बताया कि वह ड्राइवर है और उनकी पत्नी हाउस वाइफ हैं। शादी के 12 साल बाद उनके बच्चे हुए थे। अंजलि के बाद उनका एक बेटा भी है। उन्होंने बताया की शुरुआत में परिजन अंगदान के लिए राजी नहीं हुए थे, लेकिन समझाने के बाद वे मान गए थे।

एम्स के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अभिषेक भार्गव ने बताया कि परिजनों की सहमित के बाद शनिवार को ऑर्गन ट्रांसप्लांट की प्रकिया की गई। इसके तहत जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में ग्रीन कॉरिडोर के जरिए एक किडनी और लिवर भेजा गया है, जबकि एक किडनी जोधपुर में ही रखी गई है।

जोधपुर एम्स में अब तक 37 अंगदान :- एम्स जोधपुर ने मार्च 2024 में मृतक अंगदान कार्यक्रम की शुरुआत की थी। अंजलि का अंगदान यहां का 12वां कैडैवरिक डोनेशन है। खास बात यह है कि तीसरी बार किसी बच्चे ने यहां अंगदान किया है। अब तक यहां 37 ऑर्गन डोनेट किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि ब्रेन शरीर के सभी अंगों को कंट्रोल करता है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण सांस लेने वाला फंक्शन है। सांस लेने वाला फंक्शन यदि चला जाता है तो वेंटिलेटर के जरिए ऑक्सीजन शरीर के अंगों तक आर्टिफिशियल तरीके से पहुंचाई जाती है। इससे अंगों को कुछ समय तक के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है, ताकि उसे दूसरों के शरीर में ट्रांसप्लांट किया जा सके।

उदयपुर की झील में कूदी युवती को बचाया

- **झील किनारे पर कॉफी पी रहे दोस्तों ने तत्परता दिखाकर यवुती को बचाया**
- **युवती डिप्रेशन में थी, जो सुसाइड नोट लिखकर झील पहुंची थी**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में शुक्रवार रात एक युवती ने खुदकुशी के इरादे से झील में छलांग लगा दी। झील में कूदते ही 30 सेकेंड में वहां मौजूद लोगों के चिल्लाने पर चार दोस्तों ने हिम्मत दिखाई। इनमें एक युवक ने तुरंत पानी में छलांग लगाई और युवती को पकड़ लिया। यह घटना उदयपुर के सर्किट हाउस गेट के पास नेहरू गार्डन की पुरानी जेटी पर शुक्रवार रात 8 बजे की है। जानकारी के अनुसार युवती डिप्रेशन में थी। वह घर पर सुसाइड नोट लिखकर झील पहुंची थी। घटना की सूचना पर अंबामाता थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित निकालने के बाद अपने साथ थाने ले गई।

प्रत्यक्षदर्शी सैटेलाइट हॉस्पिटल के डिप्टी कंट्रोलर डॉ. नरेंद्र सिंह देवल के अनुसार मैं अपने चार दोस्तों तहसीलदार रणजीत सिंह बिट्टू, बजरंग सिंह कविया, श्याम प्रताप सिंह और दीनबंधु आसिया के साथ झील किनारे कॉफी पीने गए थे। सभी दोस्त खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी वहां एक युवती पहुंची और किनारे के पास कुछ मिनट रुकने के बाद सीधे झील में कूद गई। झील में युवती के कूदने की आवाज आई। इस पर पास खड़ी एक महिला जोर से चिल्लाई। आवाज सुनते ही करीब 30 सेकेंड में मेरे दोस्त वकील दीनबंधु आसिया तुरंत पानी में कूद पड़े। उन्होंने डूबती युवती को कमर से पकड़ लिया। मानसिक डिप्रेशन के चलते वह जान देने की जिद पर अड़ी थी और बाहर निकालने पर लगातार विरोध कर रही थी। दीनबंधु ने भारी मशक्कत के बाद उसे गहरे पानी से किनारे तक पहुंचाया। इसी दौरान मोहम्मद अजहर भी पानी में उतरे और अन्य लोगों के सहयोग से रस्सी के सहारे युवती को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पैसे नहीं देने पर युवक पर हमला

अजमेर, (कासं)। अजमेर के क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में एक युवक पर नशे में धुत चार युवकों द्वारा चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने मैच हारने के बाद पैसे देने से मना करने पर इस वारदात को अंजाम दिया और बीच-बचाव करने आए पीड़ित के माता-पिता के साथ भी मारपीट की।

शीश खान पीर रोड निवासी पीड़ित सोहेल हसन ने बताया, डिग्गी बाजार रेगर मोहल्ले में मैच खेलने के बाद टीनू, सावंत, केवल और तरुण नामक युवकों ने हारने पर उससे पैसों की मांग की। पैसे देने से इंकार करने पर उन्होंने चाकूनुमा धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में सोहेल के हाथ और पेट पर गहरे घाव आए हैं। उसे लगभग 40 से 45 टांके लगे हैं और जेएलएन अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित सोहेल ने बताया कि जानलेवा हमले के दौरान को बचाने आए माता-पिता के साथ भी आरोपियों ने बुरी तरह मारपीट की। पीड़ित युवक व उसके मां-पिता ने घटना की शिकायत क्लॉक टावर थाने में दी गई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केवल धारा 151 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें जमानत पर छोड़ दिया।

बीकानेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से बांग्लादेशी महिला डिटेन

महिला को बीकानेर के अशोक नगर क्षेत्र स्थित तुलसी धारणिया स्कूल के पास डेरे से पकड़ा

■ आठ महीने से अवैध रूप से रह रही थी महिला, मिलिट्री इंटेलिजेंस और सीआईडी की टीम ने पकड़ा

■ एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि महिला नीला भारत में किस रास्ते से आई थी, उसके पास पासपोर्ट या वीजा था या नहीं

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से मिलिट्री इंटेलिजेंस और सीआईडी बीकानेर जोन की टीम ने बांग्लादेशी महिला को डिटेन किया है। महिला को बीकानेर के अशोक नगर क्षेत्र स्थित तुलसी धारणिया स्कूल के पास एक डेरे से पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि महिला नीला (27) पत्नी सैफुमुल्ला निवासी जोरशेर, पोस्ट ऑफिस सालदांगा (बांग्लादेश) की रहने वाली है। सीआईडी को महिला का इनपुट मिला था, जिसके बाद कार्रवाई की गई। महिला से व्यास कॉलोनी थाना पुलिस पूछताछ कर रही है।

सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि महिला करीब आठ महीने से भारत में रह रही है। उसके पास बांग्लादेश के दस्तावेज मिले हैं। एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि महिला नीला भारत में किस रास्ते से आई थी। उसके पास पासपोर्ट या वीजा था या नहीं। बांग्लादेश के पते पर भी महिला के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, महिला के कथित तौर पर देह व्यापार से जुड़े होने की भी आशंका है। महिला किसी गिरोह या नेटवर्क के संपर्क में थी, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां महिला के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल्स और संभावित बैंक खातों को खंगाल रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि पिछले 8 महीने के दौरान वह किन लोगों से मिली, उसे आर्थिक सहयोग कहां से मिला और बीकानेर में उसे शरण देने में किन लोगों की भूमिका रही।

जेएनवीसी थाना अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मामला विदेशी नागरिक के अवैध रूप से रहने और संवेदनशील सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ा होने का है। ऐसे में महिला को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी मामले की जांच कर रहे हैं। महिला पुलिस हिरासत में है।

बीकानेर के सीमावर्ती इलाकों बज्जू, खाजूवाला और पूगल में सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर रख रही हैं। सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, सोशल मीडिया नेटवर्क और स्थानीय संपर्कों की जांच की जा रही है। बीकानेर के सीमावर्ती क्षेत्रों से पहले भी हनी ट्रैप, जासूसी और आईएसआई से जुड़े कई मामले सामने आ चुके हैं। अक्टूबर 2023 में दंतोर क्षेत्र के एक युवक को सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी महिला एजेंटों को सामरिक और गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज मामले (2024-25) में सेना की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी लीक करने के आरोप में एक कैंटीन संचालक, एक ई-मित्र संचालक और एक रेलवे कर्मचारी को पाकिस्तानी महिला एजेंटों के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

ट्रेन में 7.600 किलोग्राम डोडा पोस्त मिला

जोधपुर, (कासं)। नारकोस के तहत आरपीएफ ने भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पर सवारी गाड़ी संख्या 14813 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में 7.605 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया। इसकी अनुमानित कीमत 1.14 लाख रुपए बताई गई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त ज्योति कुमार सतीजा, नीतीश शर्मा वरि. मंडल सुरक्षा आयुक्त जोधपुर व मुकेश कुमार सहायक सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन एवं निरीक्षक मदनलाल भाटी के सुपरविजन में शनिवार को सवारी गाड़ी संख्या-14813 के अंतिम स्टेशन जोधपुर के पश्चात मेंटेनेंस के लिए भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के वाशिंग लाइन नं. 9 में आने पर गाड़ी संख्या 14813 के सामान्य कोच में एक लावारिस बैग मिला। बैग खोल कर देखा तो उसमें एक नग प्लास्टिक का पैकेट मिला, जिनका वजन करने पर 7.605 किलो पाया गया, इसमें अवैध डोडा-पोस्त भरा था। बाद में राजकीय रेलवे पुलिस को सुपुर्द किया गया।

जोधपुर में अलग-अलग हादसों में चार की मौत

■ एक में युवक ने फंदा लगाकर खुदकुशी की, संबंधित थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव परिजन के सुपुर्द किए

जोधपुर, (कासं)। शहर के हुए अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। एक में युवक ने खुद फंदा लगाकर खुदकुशी की। संबंधित थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शवों को उनके परिजन के सुपुर्द किए।

माता का थान पुलिस ने बताया कि मूलतः झालावाड़ के राजगढ़ स्थित भगवतीपुरा हाल पंडित दीनदयाल नगर माता का थान में एक गोदाम में काम करने वाले 36 साल के मेहरबान पुत्र रघुलाल ने यहां पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसके भाई कन्हैयालाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी है मृतक मजदूरी करता था। पुलिस ने कार्रवाई के बाद शव परिजन को सौंपा। वहीं उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि रोडवेज बस पर लगे कंडक्टर 47 साल के आशिष पुत्र बद्रीनारायण की शुक्रवार को सुबह किसान भवन में अचानक से तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। परिचित जैसलमेर के कोतवाली गफूर भट्टा निवासी विजय कुमार ने मर्ग में रिपोर्ट दी। वहीं 27 अगस्त की देर शाम को झालामंड एरिया में डंपर चालक की लापरवाही से कुचले गए जैतारण के कानेवा निवासी दीपक की एम्स अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। उसके भाई रविंद्र की तरफ से कुड़ी भगतासनी थाने में डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। मृतक यहां कुड़ी होद एरिया में रहता था।

इधर प्रतापनगर पुलिस के अनुसार पृथ्वीसिंह की गली देवी रोड चांदणा भाखर की रहने वाली 22 साल की शलोनी पत्नी गजेंद्र पुरी को दो दिन पहले घर में तान आने पर परिवार ने एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया था, जिसकी अब उपचार के बीच मौत हो गई। उसके पति गजेंद्र पुरी ने मर्ग में रिपोर्ट दी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पिकअप पलटी, तीन लोगों की मौत

पिकअप में सवार लोग मेरठ से पौधे लेकर अलवर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में एक निजी फार्म हाउस पर आ रहे थे

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सिरमौर पुलिया के पास एक पिकअप वाहन संतुलन बिगड़ने से वह डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ पलट गई। हादसे में पिकअप सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौदामेव पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चैनल नंबर 92/900 के पास सिरमौर पुलिया के नजदीक सुबह करीब 4 बजे हुआ। पिकअप में सवार लोग मेरठ से पौधे लेकर अलवर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में एक निजी फार्म हाउस पर आ रहे थे। इसी दौरान चालक ने आगे चल रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक के दौरान पिकअप का संतुलन बिगड़ गया। अनियंत्रित पिकअप डिवाइडर से टकराने के बाद एक्सप्रेस-वे की दूसरी साइड पलट गई।

हादसे के बाद पिकअप वाहन को क्रेन की मदद से हटवाया।

■ चालक ने आगे चल रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया, ओवरटेक के दौरान पिकअप का संतुलन बिगड़ गया

हादसा इतना भयानक था कि वाहन में सवार सभी लोग बुरी तरह घायल हो गए। वाहन चालक उजैर पुत्र बाबर निवासी मवाना और उसके पास केबिन में बैठे औरंगजेब पुत्र शाहनवाज निवासी मवाना घायल हो गए। वहीं, पिकअप के पीछे बैठे तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान शाहदाव (45) पुत्र शरीफ उल्ला खां निवासी शाहजहांपुर मिठोर, जिला मेरठ, शबाहत (25) पुत्र कल्लू निवासी मवाना, जिला मेरठ और अफसर (22) पुत्र रिजवान निवासी मवाना, जिला मेरठ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय पिकअप के पीछे बैठे तीनों लोग सो रहे थे।

चालक उजैर ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे सिरमौर पुलिया के पास एक ट्रक को ओवरटेक करते समय वाहन का संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद पिकअप डिवाइडर से टकराई और पलट गई। चालक के अनुसार केबिन में बैठे दो लोग घायल हुए, जबकि पीछे बैठे तीन लोगों की जान चली गई। परिजनों के अनुसार सभी लोग मेरठ स्थित हिना नर्सरी से पेड़ लेकर राजगढ़ क्षेत्र में एक निजी फार्म हाउस में पौधारोपण के लिए जा रहे थे। रास्ते में अलवर के गोविंदगढ़ क्षेत्र में यह हादसा हो गया। हादसे के बाद मृतकों के शवों को गोविंदगढ़ मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कई जिलों में सीवरेज और जलप्रदाय के कार्य हुये

■ वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 526 करोड़ रुपये व्यय कर भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर एवं झालावाड़-झालरापाटन में सीवरेज के कार्य पूर्ण

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के शहरों को आधुनिक, सुविधायुक्त और बेहतर आधारभूत ढांचे से सुसज्जित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। राज्य सरकार योजनाबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण शहरी आधारभूत विकास के माध्यम से राजस्थान के शहरों को स्वच्छ, सुंदर, सुविधायुक्त और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित कर रही है। आरयूआईडीपी और अमृत योजनाओं के माध्यम से किए जा रहे ये कार्य इसी दिशा में राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों को गति प्रदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आरयूआईडीपी तृतीय चरण परियोजना के अंतर्गत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 526 करोड़ रुपये का व्यय कर भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर एवं झालावाड़-झालरापाटन में सीवरेज के कार्य पूर्ण किए गए हैं। वहीं, श्रीगंगानगर में सीवरेज एवं जलप्रदाय का कार्य प्रगतिरत है। आरयूआईडीपी चतुर्थ चरण ट्रेंच-। के अंतर्गत मंडावा में सीवरेज एवं जलप्रदाय तथा मकराना एवं फतेहपुर में सीवरेज के तीन कार्य पूर्ण कराए गए हैं। इसके साथ ही जोबनेर, बांदीकुई, नीमकाथाना, दौसा, तिजारा, डीग, बाड़ी, भवानीमंडी, पीलीबंगा, भीलवाड़ा के शाहपुरा एवं गंगापुर में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य भी पूर्ण किए गए हैं। इन कार्यों पर 830 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। आरयूआईडीपी चतुर्थ चरण ट्रेंच-।। परियोजना के अंतर्गत 15 शहरों में 2 हजार 450 करोड़ रुपये के सीवरेज, जलप्रदाय, ड्रेनेज एवं शहरी सौन्दर्यीकरण आदि के कार्य करवाए जा रहे हैं। वर्तमान में नोखा, बूंदी, डूंगरपुर, बालोतरा एवं सागवाड़ा में सीवरेज एवं जलप्रदाय, निम्बाहेड़ा एवं नाथद्वारा में जलप्रदाय, जोधपुर, बाड़मेर एवं भरतपुर में सीवरेज तथा जोधपुर, नवलगढ़, रतनगढ़, बूंदी एवं भवानीमंडी में ड्रेनेज के कार्य करवाए जा रहे हैं। वहीं, भरतपुर, सागवाड़ा, पुष्कर, नवलगढ़ एवं जैसलमेर में शहरी सौन्दर्यीकरण के कार्य प्रगतिरत हैं।

अमृत 1.0 योजना के अंतर्गत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सीवरेज के 7, ग्रीन स्पेस के 2 एवं जलापूर्ति के 4 कार्य पूर्ण किए गए हैं। इसके अतिरिक्त सीवरेज के 4 तथा जलापूर्ति के 3 कार्य प्रगतिरत हैं। वहीं, अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत शहरी सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 7 सीवरेज कार्यों के 407 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए गए हैं। प्रदेश के 29 शहरों में 2 हजार 651 किलोमीटर सीवर लाइन डाली जा चुकी है तथा 75 हजार सीवर कनेक्शन जारी किए गए हैं। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत प्रदेश के 178 शहरी निकायों में पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए 5 हजार 100 करोड़ रुपये की स्वीकृतियां जारी की गई हैं।

मदन गोपाल लढ़ा को मिलेगा सम्मान

जोधपुर, (कासं)। डॉ. रामप्रसाद दाधीच साहित्य सम्मान-2026 युवा रचनाकार डॉ. मदन गोपाल लढ़ा को उनके कविता संग्रह सुनो घग्घर पर अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद के तत्वावधान में समारोह में आज प्रदान किया जाएगा।

■ डॉ. रामप्रसाद दाधीच साहित्य सम्मान मिलेगा

परिषद की अध्यक्षा गीता भट्टाचार्य और महामंत्री डॉ. पद्मजा शर्मा ने बताया कि डॉ. लढ़ा को सम्मान राशि 11 हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र, शॉल और श्रीफल प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरु प्रोफेसर, वैद्य गोविंद सहाय शुक्ल करेंगे। मुख्य अतिथि डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमप्रकाश टांक होंगे। पत्रवाचक कुलदीप भाटी तथा कार्यक्रम संचालन मधुर परिहार करेंगी।

निकाय चुनाव के लिये भाजपा प्रत्याशी की चयन प्रक्रिया अंतिम दौर में है : हरीश द्विवेदी

जब तक पार्टी अधिकृत रूप से प्रत्याशी घोषित नहीं करती, तब तक किसी भी व्यक्ति को भाजपा का उम्मीदवार नहीं माना जा सकता : द्विवेदी

■ 'चुनाव लड़ने की तैयारी हर दावेदार कर सकता है और कुछ लोग नामांकन भी दाखिल कर सकते हैं, लेकिन पार्टी की अधिकृत सूची जारी होने के बाद ही उम्मीदवार की स्थिति स्पष्ट होगी'

जयपुर, (निसं)। प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में चुनावी रणभूमि सजने से पहले भाजपा में टिकटों को लेकर संभागवार महामंथन अंतिम चरण में पहुंच गया है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को भी बैठकों का दौर जारी रहा। पार्टी नेतृत्व ने दावा किया है कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है और 31 अगस्त तक प्रदेशभर के सभी भाजपा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी।

निकाय चुनाव प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी ने प्रत्याशियों की घोषणा को लेकर समयसीमा स्पष्ट करते हुए कहा कि पार्टी की प्रत्याशी चयन प्रक्रिया अंतिम दौर में है। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त तक सभी उम्मीदवारों की घोषणा करने का लक्ष्य है। द्विवेदी ने कहा कि जब तक पार्टी अधिकृत रूप से प्रत्याशी घोषित नहीं करती, तब तक किसी भी व्यक्ति को भाजपा का उम्मीदवार नहीं माना जा सकता। उन्होंने साफ किया कि पार्टी की ओर से किसी भी दावेदार को आधिकारिक तौर पर कोई संकेत या आश्वासन नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने की तैयारी हर दावेदार कर सकता है और कुछ लोग नामांकन भी दाखिल कर सकते हैं, लेकिन पार्टी की अधिकृत सूची जारी होने के बाद ही उम्मीदवार की स्थिति स्पष्ट होगी। पार्टी किसी भी अनौपचारिक दावे को मान्यता नहीं देगी।

'ट्रिपल इंजन' सरकार के नाम पर मांगेगी वोट :- हरीश द्विवेदी ने कहा कि निकाय चुनाव स्थानीय स्तर का चुनाव जरूर है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार के विकास कार्य भाजपा के प्रमुख चुनावी मुद्दों में शामिल होंगे। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा अब निकाय चुनाव में 'ट्रिपल इंजन सरकार' के नैरेटिव को प्रमुखता से आगे बढ़ाएगी। पार्टी जनता को बताएगी कि केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय में भाजपा की सरकार बनने पर विकास कार्यों को अधिक गति मिलेगी। भाजपा पानी की समस्या के समाधान, युवाओं को रोजगार, अपराध नियंत्रण और केंद्र-राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को चुनावी मुद्दों के रूप में जनता के सामने रखेगी। द्विवेदी ने विश्वास जताया कि निकाय चुनाव के बाद प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जोधपुर नगर निगम और जोधपुर लोकसभा क्षेत्र के निकायों में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है। कुछ सीटों पर व्यापक और स्वस्थ चर्चा हुई है, लेकिन जोधपुर में किसी तरह का मतभेद या मनभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी वर्गों को उचित और बराबर प्रतिनिधित्व देने की कोशिश कर रही है। पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी और प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर शेखावत ने कहा कि भाजपा जोधपुर से ही कांग्रेस को राजनीतिक जवाब देना शुरू करेगी।

सीकर में दो इलेक्ट्रिक गाड़ियों के शोरूम में आग लगी, साढ़े तीन करोड़ का नुकसान

आग से दोनों शोरूम और उनमें रखे 40 इलेक्ट्रिक व्हीकल जल गए

■ पुलिस को अंदेशा है कि शॉर्ट सर्किट होने से शोरूम में आग लगी होगी

सीकर, (निसं)। सीकर में शनिवार सुबह खर बजे दो इलेक्ट्रिक गाड़ियों के शोरूम में भीषण आग लग गई। दोनों शोरूम और उनमें रखे 40 इलेक्ट्रिक व्हीकल जल गए। आग इतनी भीषण थी कि पास के ऑटो पार्ट्स के शोरूम को भी चपेट में ले लिया। दमकल की पांच गाड़ियों से करीब ढाई घंटे में आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया जा रहा है।

एसएचओ राजाराम लेघा ने बताया कि सबसे पहले आग बीएस ऑटोमोबाइल में लगी जो बढ़ते-बढ़ते बच्चन मोटर्स तक पहुंच गई। दोनों शोरूम पूरी तरह से जल गए। शोरूम मालिक भैरोंसिंह शेखावत का मकान शोरूम के पीछे ही है। पुलिस मौके पर पहुंची उससे पहले भैरोंसिंह शेखावत और उनका परिवार मौके पर पहुंच गए थे। आग लगने से करोड़ों के नुकसान की आशंका है। एसएचओ ने बताया कि घटना सुबह चार बजे की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। आग पर पूरी तरह से काबू पाने में करीब ढाई घंटे लग गया। आगपास में ही स्थित हुंडई के ऑटो पार्ट्स के शोरूम तक पहुंच गई। जिसमें भी स्पेयर पार्ट्स, एयर कंडीशन सहित लाखों रुपए का सामान जल गया।

एसएचओ राजाराम लेघा ने बताया कि भैरोंसिंह शेखावत का बीएस ऑटोमोबाइल और बच्चन मोटर्स नाम से इलेक्ट्रिक वाहनों को दो शोरूम है। इनमें बीएस ऑटोमोबाइल में इलेक्ट्रिक स्कूटी, बाइक और बच्चन मोटर्स ऑटो, ई-रिक्शा का है। जानकारी के अनुसार दोनों शोरूम में करीब 40 इलेक्ट्रिक स्कूटी, इलेक्ट्रिक बाइक और इलेक्ट्रिक ऑटो थे। आग लगने की वजह से करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है। पुलिस को अंदेशा है कि शॉर्ट सर्किट होने से शोरूम में आग लगी होगी। फिलहाल यह तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने पहले इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई बंद करवाई, इसके बाद एक साइड वाहनों की आवाजाही रुकवाई। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए।

प्रेमिका की हत्या कर खेत में दबाया शव, पांच महिने बाद खुला राज

■ पुलिस की विशेष टीम ने आरोपी के खोखरिया स्थित खेत में ट्रैक्टर से खुदाई कराई, खुदाई के दौरान खेत से मृतका का कंकाल, हड्डियां, बैग और आधार कार्ड बरामद हुए, इसके बाद आरोपी ने वारदात कबूल कर ली, पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने फिल्म 'दृश्यम' के दोनों पार्ट 10 बार से ज्यादा देखे थे

जोधपुर, (कासं)। जिले के बिलाड़ा क्षेत्र में प्रेमिका की हत्या कर शव खेत में गाढ़ने के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपी प्रेमी राजू गिरी ने हत्या की साजिश को अंजाम देने से पहले फिल्म ''दृश्यम' के दोनों पार्ट कम से कम 10 बार देखे थे। फिल्म से आइडिया लेकर उसने शव को ऐसी जगह ठिकाने लगाया कि पुलिस करीब पांच महीने तक उसे तलाश नहीं पाई। आरोपी लगातार पुलिस को अलग-अलग कहानियां बताकर गुमराह करता रहा।

पुलिस के अनुसार ब्यावर की रहने वाली लीला देवी और पिचियाक निवासी राजू गिरी के बीच करीब दो साल से प्रेम संबंध था। दोनों की मुलाकात जैतारण के एक होटल में हुई थी। प्रेम प्रसंग के चलते राजू की दिव्यांग पत्नी उसे छोड़कर पीहर चली गई थी। राजू ने प्रेमिका को पत्नी के गहने तक दे दिए थे। बाद में लीला की ओर से दो लाख रुपए की मांग किए जाने के बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और राजू ने उसकी हत्या की साजिश रचनी शुरू कर दी। गत 13 मार्च को राजू के बुलाने पर लीला उससे मिलने पहुंची। राजू उसे बिलाड़ा से करीब 40 किलोमीटर दूर खोखरिया गांव के पास अपने खेत पर ले गया। पुलिस के मुताबिक वहां 14-15 मार्च की रात उसने लीला को शराब पिलाई और लाठी से वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को खेत के किनारे झाड़ियों में डाल दिया। आरोपी को उम्मीद थी कि सुनसान जगह होने के कारण जंगली जानवर शव को नष्ट कर देंगे।

करीब एक महीने बाद 11 अप्रैल को लीला के पिता कालूसिंह ने ब्यावर के साकेत नगर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने लीला के संपर्क में रहे लोगों से पूछताछ की। राजू ने बताया कि लीला 15 मार्च को उसके पास आई थी, लेकिन उसके बाद चली गई। मृतका का मोबाइल भी 15 मार्च तक सक्रिय मिला, जिससे शुरुआत में पुलिस को उसकी कहानी पर संदेह नहीं हुआ। इसके बाद 11 अगस्त को लीला के बेटे ने अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर राजू से दोबारा पूछताछ की। इस बार उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया, लेकिन शव के बारे में पुलिस को लगातार गुमराह करता रहा।

पहले राजू ने बताया कि उसने शव तालाब में फेंक दिया है। पुलिस ने कई घंटे तक रेस्क्यू किया, लेकिन शव नहीं मिला। इसके बाद उसने कहा कि शव को श्मशान घाट में जलती चिता में जला दिया था। पुलिस ने श्मशान की राख में हड्डियां तक तलाशीं, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। फिर आरोपी ने एक परिचित विजयसिंह को 20 हजार रुपए देकर शव ठिकाने लगाने की बात कही, लेकिन जांच में सामने आया कि विजयसिंह की मौत आठ महीने पहले ही हो चुकी थी।

आखिरकार पुलिस ने मृतका के मोबाइल की लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को जोड़कर जांच आगे बढ़ाई। सामने आया कि वारदात से पहले लीला की लोकेशन खोखरिया गांव की तरफ थी और बाद में मोबाइल पिचियाक में सक्रिय था। इसके आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने आरोपी के खोखरिया स्थित खेत में ट्रैक्टर से खुदाई कराई। खुदाई के दौरान खेत से मृतका का कंकाल, हड्डियां, बैग और आधार कार्ड बरामद हुए। इसके बाद आरोपी ने पूरी वारदात कबूल कर ली। पुलिस के अनुसार राजू जनवरी-फरवरी से ही हत्या की साजिश रच रहा था और उसने 'दृश्यम' फिल्म के दोनों पार्ट कई बार देखकर शव को छिपाने का तरीका समझने की कोशिश की थी।

5100 प्रतिबंधित कैप्सूल और गोलियां बरामद

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सिटी थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 23 डिब्बों में कुल 5100 कैप्सूल और गोलियां बरामद की हैं। इनमें 3600 प्रीगैबलिन कैप्सूल और 1500 टैपेंटाडोल हाइड्रोक्लोराइड गोलियां शामिल हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सहायक उप निरीक्षक सुमेर सिंह पुलिस जाप्ते में शामिल आत्माराम खीचड़, धर्मपाल, जसराम और महिला कॉन्स्टेबल सीता देवी के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान नंदी गोशाला के पास सड़क पर एक युवक हाथ में प्लास्टिक का कट्टा लेकर जाता दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी देखकर वह अचानक पीछे मुड़कर भागने लगा, मगर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम विकास उर्फ राहुल (32) पुत्र मदन सिंह राजपूत, निवासी वार्ड नंबर 9, सूरतगढ़ बताया। पुलिस ने उसके हाथ में मौजूद कट्टे की जांच की तो उसमें कागज के डिब्बे मिले।

लोहावट के चर्चित भंवरी हत्याकांड में तीन लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट होगा

पॉलीग्राफ टेस्ट कराने के लिए न्यायालय से मंजूरी मिली, तीनों संदिग्धों ने भी टेस्ट के लिए सहमति दी

■ पुलिस को उम्मीद है कि जांच की इस प्रक्रिया से हत्याकांड से जुड़े कुछ अहम तथ्यों और छिपे हुए राज सामने आ सकते हैं

जोधपुर, (कासं)। लोहावट के चर्चित भंवरी हत्याकांड मामले में पुलिस की जांच लगातार जारी है। मामले में तीन संदिग्धों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की तैयारी है। इसके लिए न्यायालय से मंजूरी मिल चुकी है और तीनों संदिग्धों ने भी टेस्ट के लिए सहमति दे दी है। पुलिस को उम्मीद है कि जांच की इस प्रक्रिया से हत्याकांड से जुड़े कुछ अहम तथ्यों और छिपे हुए राज सामने आ सकते हैं। वहीं मामले का खुलासा करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोहावट पुलिस थाने के बाहर अनिश्चितकालीन धरना जारी है।

फलोदी एसपी सतनाम सिंह ने बताया कि हत्याकांड की जांच को आगे बढ़ाते हुए तीन संदिग्धों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जाएगा। न्यायालय की अनुमति मिलने के बाद अब यह टेस्ट अगले कुछ दिनों में कराया जा सकता है। पुलिस परिवार के सदस्यों और संदिग्धों से लगातार पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े तथ्यों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम मामले में हर पहलू की जांच कर रही है। हत्याकांड में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं राजस्थान डीजी क्राइम के निर्देश के बाद भंवरी हत्याकांड की जांच के लिए जांच अधिकारी भी बदल दिया गया है। लोहावट वृताधिकारी भवानीसिंह को हटाकर अब एडीशनल एसपी फलोदी बृजराज सिंह चारण को मामले की जिम्मेदारी दी गई है।

जानकारी के अनुसार 27 जुलाई को भंवरी देवी बिश्नोई की उनके खेत पर स्थित घर के बाहर रात को सोते समय हत्या हुई थी। शनिवार को इस घटना के 33 दिन हो गए हैं। इसके बाद से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 24 दिन से थाने के बाहर पूर्व विधायक किशना राम विश्नोई की अगुवाई में धरना चल रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो रहे हैं।

एसपी फलोदी सतनाम सिंह ने बताया कि पुलिस की टीमें लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि हत्याकांड में जो भी दोषी हैं, उन्हें किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

निकाय चुनाव में भाजपा का घमंड छिन्न-भिन्न करेगी 36 कौम : टीकाराम जूली

आसमान छूती महंगाई, गड्ढाराज, टूटी सैकड़ों, कीचड़ से परेशान राजस्थान के शहर, स्मार्ट सिटी के नाम पर बस जुमलेबाजी

जयपुर (निसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों और राजनीतिक अहंकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा देशभर के दलितों और आदिवासियों के खिलाफ भाजपा की जातिगत छुआछूत और दमनकारी मानसिकता को सार्वजनिक रूप से उजागर कर दिया है। जूली ने स्पष्ट किया कि राजस्थान की 36 कौम की जनता अब भाजपा के घमंड को पूरी तरह तोड़ने का मन बना चुकी है और आगामी निकाय चुनावों में करारा झटका देकर प्रदेश की राजनीति का पूर्ण शुद्धीकरण करेगी।निकाय चुनाव के विषय पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर तरफ केवल गड्ढाराज , गन्दगी से अटे हुए रास्ते, स्मार्ट सिटी के नाम पर जुमले और आवारा पशुओं की विकराल समस्या का बोलबाला है, जिसने आम नागरिकों का जीना दूभर कर दिया है। सड़कों की बदहाली से लेकर बुनियादी सुविधाओं की तबाही तक, भाजपा सरकार के विकास के तमाम दावे पूरी तरह खोखले और फेल साबित हुए हैं। इसके साथ ही आसमान छूती महंगाई ने हर वर्ग की कमर तोड़ दी है।

■ 'भाजपा की जातिगत छुआछूत और दमनकारी मानसिकता को सार्वजनिक रूप से उजागर कर दिया है'

पेट्रोल-डीजल की बेलगाम कीमतें और रसोई गैस सिलेंडर के दाम आम परिवारों के बजट को तबाह कर चुके हैं। इन हालातों में इससे घबराकर भाजपा के भीतर उपेक्षा, असंतोष और भगदड़ का माहौल बन चुका है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस कुशासन, उपेक्षा और अहंकार से पीड़ित 36 कौम का हर नागरिक अब निकाय चुनावों में मतदान केंद्र पर पहुँचकर सबसे पहले पेट्रोल-डीजल के मीटर, रसोई गैस सिलेंडर, चीनी के डब्बे को प्रणाम करेगा और फिर भाजपा के घमंड को चूर करने के लिए कांग्रेस के पक्ष में निर्णायक मतदान करेगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की मौजूदगी में कांग्रेस पदाधिकारियों की चुनाव को लेकर बैठक हुई।

राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम की पालना क्यों नहीं: हाईकोर्ट

■ हाईकोर्ट की एकलपीठ ने यह आदेश स्कूल कर्मचारी गजानंद शर्मा की याचिका पर दिया

जयपुर,(निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जवाहर नगर स्थित सरस्वती बालिका वरिष्ठ, उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर स्कूल में राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम की पालना नहीं होने पर एसीएस एजुकेशन व स्कूल की प्रबंधन समिति सहित अन्य पक्षकारों से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने यह आदेश स्कूल कर्मचारी गजानंद शर्मा की याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता डीपी शर्मा ने बताया कि स्कूल की प्रबंध समिति का गठन अधिनियम की धारा 9 एवं नियम 23 के अनुसार नहीं किया है। प्रबंध समिति वैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन में विफल रही है। वहीं एक अनधिकृत संस्था की समिति की ओर से स्कूल की प्रबंध समिति के कार्य में दखल दिया जा रहा है। यह संस्था ही कथित तौर पर स्कूल के कर्मचारियों की नियुक्ति एवं उनकी सेवा संबंधी मामलों को नियंत्रित कर रही है। अदालत के पूर्व आदेश के पालन में प्रार्थी ने इस संबंध में सक्षम अधिकारी को अभ्यावेदन दिया था, लेकिन 18 मई 2026 को उसका अभ्यावेदन उठाए गए बिन्दुओं का जवाब दिए बिना ही निस्तारित कर दिया। इसलिए राजस्थान गैर-सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम की धारा 10 के तहत स्कूल को अधिग्रहित करें और उसमें प्रशासक की नियुक्ति हो। इसके साथ ही अनधिकृत संस्था व व्यक्तियों की ओर से स्कूल के संचालन में दखल देने पर भी रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

नीट-पीजी 2026 परीक्षा के लिए जयपुर में पुख्ता व्यवस्थाएं, 15 परीक्षा केन्द्रों पर होगी परीक्षा

जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (आयुर्विज्ञान) द्वारा आयोजित नीट-पीजी2026परीक्षा का आयोजन 30 अगस्त 2026 (रविवार) को प्रात: 09:00 बजे से दोपहर12:30बजे तक जिले में15परीक्षा केन्द्रों पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में किया जाएगा। परीक्षा के सुचारू, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केन्द्रों पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था, सुगम यातायात तथा परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। पुलिस विभाग द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ परीक्षा से कम से कम दो दिवस पूर्व प्रत्येक केन्द्र पर स्थानीय पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही परीक्षा से संबंधित कंप्यूटर सिस्टम, सर्वर,नेटवर्क एवं परीक्षा सामग्री की अनधिकृत पहुंच-छेडछाड से सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों के लिए पेयजल की पर्याप्त एवं सुचारू व्यवस्था की गई है। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,जयपुर द्वारा परीक्षा अवधि में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं आवश्यकता अनुसार चिकित्सा दल गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जयपुर में जाली नोटों के गिरोह के खुलासे के बाद पुलिस का अलर्ट

जयपुर(निसं)। शहर में जाली नोटों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आमजन को नकली करेंसी को लेकर सतर्क किया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी नोट के नकली होने का संदेह होने पर उसे बाजार में चलाने के बजाय बैंक में ले जाकर उसकी जांच कराएं।पुलिस के अनुसार नकली नोटों की गुणवत्ता अलग-अलग हो सकती है। ऐसे में केवल पहली नजर में देखकर नोट को असली या नकली मान लेना उचित नहीं है। संदिग्ध नोट मिलने पर उसकी जांच कराना ही सुरक्षित विकल्प है।पुलिस ने कहा कि यदि कोई करेंसी नोट नकली जैसा प्रतीत होता है तो उसे किसी अन्य व्यक्ति को देने या बाजार में चलाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। नोट को बैंक में ले जाकर उसकी जांच कराई जा सकती है। इससे नकली नोट के आगे प्रसार को रोका जा सकेगा और अनजाने में कानूनी परेशानी में पड़ने की आशंका भी कम होगी। पुलिस के मुताबिक संदिग्ध नोट की जांच के लिए अल्ट्रावॉयलेट (यूवी) लाइट का इस्तेमाल किया जा सकता है।

नगर निगम चुनाव: टिकट घोषित होने से पहले ही कांग्रेस-भाजपा के दावेदारों ने नामांकन भरे

■ नामांकन के दूसरे दिन कांग्रेस से 34 और भाजपा से 12 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए

जयपुर(निसं)। नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस और भाजपा ने अभी तक अपने अधिकृत प्रत्याशियों के नाम और चुनाव चिह्न की घोषणा नहीं की है,लेकिन दोनों प्रमुख दलों से जुड़े दावेदारों ने नामांकन दाखिल कर चुनावी मैदान में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। नामांकन के दूसरे दिन कांग्रेस से 34 और भाजपा से 12 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। दोनों दलों के कुल 46 दावेदारों ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के दूसरे दिन कुल 69 उम्मीदवारों ने 137 नामांकन पत्र दाखिल किए। इससे पहले नामांकन के पहले दिन 27 अगस्त को 11 प्रत्याशियों ने 13 नामांकन पत्र जमा कराए थे।

कांग्रेस में एक-एक वार्ड से कई दावेदार: कांग्रेस की ओर से 25 वार्डों से 34 दावेदारों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें वार्ड 11 और 47 से तीन-तीन दावेदारों ने कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भरा है। वहीं वार्ड 50, 99,101,140 और 145 से दो-दो दावेदारों ने नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस की ओर से नामांकन दाखिल करने वालों में वार्ड 1 से मनमोहन शर्मा, 3 से अनिल पारीक, 4 से कविता, 6 से निर्मला अग्रवाल, 10 से संजना देवी, 15 से मधुसूदन शर्मा, 19 से रियाजुद्दन मुगल, 25 से सोनिया सैनी, 31 से जय कुमार जैन, 39 से अजय सैनी, 51 से मनमोहन गुर्जर, 60 से रामलक्ष्मण मीणा, 65 से गुलाब सिंह, 67 से योगिता शर्मा, 78 से मुकेश चौहान, 86 से सीमा वर्मा, 128 से मोहम्मद शफीक और 146 से रोशन रज्जाक भाटी शामिल है। वार्ड 11 से हनुमान सहाय शर्मा, बृजकिशोर पाठक और पवन कुमार शर्मा ने नामांकन भरा। वार्ड 47 से विजय गुप्ता, दामोदर मीना और लक्ष्मीकांत शर्मा ने दावेदारी जताई। वार्ड 50 से अतुल और नत्थू सिंह, वार्ड 99 से हुसैन खान और विक्रम सिंह पंवार, वार्ड 101 से दुर्गेश कुमार शर्मा और विष्णु बियानी, वार्ड 140 से आशीष जोशी और भूपेंद्र कुमार मीना तथा वार्ड 145 से ज्योति और जहान्वी मिश्रा ने नामांकन दाखिल किया।

सीकर रोड पर बदली यातायात व्यवस्था: भारी वाहनों के लिए रूट तय

जयपुर(निसं)। रक्षाबंधन के बाद लौटने वाले लोगों की आवाजाही और आगामी नगर निगम चुनावों को देखते हुए जयपुर यातायात पुलिस ने सीकर रोड पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए रोड नंबर 14 चौराहा के पास विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने बताया कि डायवर्जन 30 अगस्त को दोपहर 1 बजे से रात 9 बजे तक और 31 अगस्त को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। भारी वाहनों के लिए ये रहेगा रूट- सीकर से जयपुर/दिल्ली/अजमेर: भारी वाहन मोरीजा मोड़ कट, चौमूं से जाटावाली कट (पुलिया) होकर आगे जा सकेंगे।

दिल्ली/जयपुर/अजमेर से सीकर: भारी वाहनों को जाटावाली कट (पुलिया) से मोरीजा, चौमूं होते हुए सीकर की ओर भेजा जाएगा। लोहा मंडी से रोड नंबर 14: लोहा मंडी कट से रोड नंबर 14 चौराहे की ओर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। हल्के वाहनों को लोहा मंडी रोड से नींदड़ मोड़ की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

वीकेआईए में भारी वाहनों की एंट्री बंद: विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में रोड नंबर 12 से रोड नंबर 14 के बीच भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

आम सूचना दि. 29/08/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय योजना पार्क व्यू कॉलोनी, एनबीसी के पीछे, अजमेर रोड, जयपुर में प्लाट नम्बर 25 के असल दस्तावेजो पर ऋण प्राप्त कर महेश कुमार पाराशर द्वारा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड में रहन किये गये थे। महेश कुमार पाराशर का निधन दिनांक 23.02.2026 को हो गया जिसकी मृत्यु के पश्चात उसके कानूनी वारिसान मे उनकी पत्नी कान्ता देवी, माता श्रीमती गीता, पुत्र नीरज कुमार पाराशर एवं नवीन पाराशर ही एक मात्र कानूनी वारिसान बताये गये है तथा उक्त सभी ने उपरोक्त सम्पत्ति के दस्तावेजो को श्रीमती कान्ता देवी को दिये जाने के सन्दर्भ में अपनी सहमति दे दी है इसलिये उपरोक्त सम्पत्ति के असल दस्तावेज श्रीमती कान्ता देवी को दिया जाना है यदि इसमें किसी भी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा बैंक आदि को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास लिखित में मय सबूत सम्पर्क करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। सूचित रहे।

सतीश चन्द्र गुप्ता (एडवोकेट) मो. 9414056003

नाम परिवर्तन

मै आर्मी नं. JC-380979F रैंक SUB MAJ वैद्य श्रीधर शंकरजी निवासी-ग्राम-पांढराबोडी, पोस्ट-हरदोली, जिला-भंडारा, महाराष्ट्र ने अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी पुत्री का नाम सुप्रिया से बदलकर सुप्रिया श्रीधर वैद्य कर दिया है भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जावे

मै आर्मी नं.- JC-380979F रैंक SUB MAJ वैद्य श्रीधर शंकरजी निवासी ग्राम-पांढराबोडी, पोस्ट-हरदोली, जिला-भंडारा, महाराष्ट्र ने अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपने पुत्र का नाम समीर श्रीधर वैद्य से बदलकर समीर वैद्य कर दिया है भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जावे

मै अन्नपूर्णा अडावतिया, श्री संजय आत्रेय की पत्नी, जो 3C-407 चित्रकूट जयपुरमें रहती हूँ, शादी के बाद मेरा नाम अन्नपूर्णा आत्रेय हो गया है। कृप्या भविष्य में मुझे अन्नपूर्णा आत्रेय के रूप में जाना जायें।

मैनें अपना नाम पठान शाहना खातून सलीम से बदल कर शाहना खातून पत्नी मोहसिन खान अगवान निवासी 3536, अहिरों की ईमली, लुहारों का खुर्रा, घाटगेट जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे शाहना खातून (SHAHANA KHATOON) के नाम से जाना पहचाना जावें।

मै रोहिणी कुमावत (Rohini Kumawat) पुत्री रमेश चंद्र कुमावत आयु 43 वर्ष, मेरी अंकतालिकाओं में भी यही नाम अंकित है। मैंने मेरा नाम रोहिणी (Rohini) पत्नी प्रकाश चन्द कुमावत निवासी 1-सी-155 गुर्जर बस्ती, शास्त्री नगर, जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना, पढ़ा, लिखा, समझा जावे।

I have changed my Name from MOHD HARIS KHAN to MOHAMMED HARIS KHAN for all future purposes. MOHAMMED HARIS KHAN R/O 1352-BALA JI KI KOTHI KA RASTA CHOKDI TOPKHANA HUZURI JAIPUR RAJASTHAN

I have changed my name from Archana Sahai to Archana Ajay w/o Ajay Saran Sahai for all future purpose R/o plot No - 35/135, Pukhraj path, Mansarovar, Jaipur 302020

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

देशी पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, हथियार सप्लायर भी पकड़ा

जोबनेर थाना पुलिस ने देशी पिस्टल के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर हथियार सप्लाई करने वाले अन्य युवक को भी गिरफ्त मे लिया।

जयपुर(निसं)। जयपुर ग्रामीण जिले की जोबनेर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए देशी पिस्टल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले एक अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जोबनेर थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान नावां रोड पर एक युवक पुलिस वाहन को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अपनी पहचान विनोद कुमार उर्फ शेरा (20) निवासी मूंडवाड़ा, थाना फुलेरा के रूप में बताई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई।

पुलिस पूछताछ में विनोद ने बताया कि पिस्टल उसे विकास कुमार (18) निवासी प्रेमपुरा थाना रेनवाल से मिली थी। इसके बाद पुलिस ने प्रेमपुरा में दबिश देकर विकास कुमार को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस दोनों से हथियार की खरीद-फरोख्त और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में एएसआई बाबूलाल, एएसआई रमेशचंद, हेड कांस्टेबल छीतरमल तथा कांस्टेबल मोटाराम, राजेन्द्र कुमार और रविन्द्र सिंह शामिल रहे।

नामचीन बिल्डर के साथ उसी के कर्मचारियों ने ठगी की

कर्मचारियों ने सेंकड पार्टीज के नाम रजिस्ट्रियां करा दी और फ्लैट बिक्री से मिला पैसा खुद हड़प गए

■ इस मामले में बिल्डर को करीब 13 करोड रुपए का फ़टका लगा

जयपुर(निसं)। आपने प्लाट, मकान, दुकान बेचने वाले और बिल्डरों से परेशान लोग तो देखे होंगे लेकिन जयपुर में एक ऐसा मामला आया है जिसमें फ्लैट खरीदने वालों ने बिल्डर के कर्मचारियों से सेटिंग करके नामचीन बिल्डर को ही ठग लिया। उसे लगभग बर्बाद कर दिया। जेल तक जाना पड़ गया। करीब 13 करोड रुपए का फ़टका लगा दिया। मामला जयपुर की एक नामचीन फर्म का है। मालिक को अपने नौकर-कर्मचारियों पर आंख मूंदकर विश्वास करना भारी पड़ गया। कर्मचारियों ने उसे बुरी तरफ फंसा दिया। इस फर्म ने मुहाना मंडी जयपुर के पास 200 फ्लैट का प्रोजेक्ट बनाया था। फर्म में सेल्स और बैक ऑफिस का काम देखने वाले कर्मचारियों ने फ्लैट बेचने के लिए एग्रीमेंट किसी और के साथ किए और सेल किसी और को करके बिल्डर को फंसा दिया। बिल्डर अपने कर्मचारियों पर आंख मूंद कर विश्वास कर बैठा और रजिस्ट्रियां कराता गया। इस खेल में बिल्डर का खास नौकर, कैशियर और सेल्स वाले शामिल थे। सबने मिलकर फंसा दिया। जिनसे एडवांस लेकर फ्लैट बुकिंग की गई थी, फ्लैट उनको ना देकर कर्मचारियों ने दूसरे लोगों के नाम रजिस्ट्री करवा दी। सब कुछ इतनी सफाई से किया कि बिल्डर को कर्मचारियों पर शक ही नहीं हुआ। जब फ्लैट के एग्रीमेंट किसी और के नाम और रजिस्ट्री किसी और के नाम बोलने लगी तो मामला चर्चा में आ गया। एग्रीमेंट करने वालों ने एक एक कर बिल्डर पर एफआईआर दर्ज करना शुरू कर दिया। मालिक होने और रजिस्ट्री पर फोटो व साइन के चक्कर में बिल्डर को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया, कोर्ट ने जेल भेज दिया। जेल से छूट कर आया जो उसने खाते खंगाले, ऑडिट कराई, तो पता चला कि जिन लोगों को फ्लैट की रजिस्ट्री कराई, उन्होंने कोई रकम उसके खातों में डाली ही नहीं। कर्मचारियों ने सेंकड पार्टीज के नाम रजिस्ट्रियां करा दी और फ्लैट बिक्री से मिला पैसा खद हड़प गए। पांच- दस हजार की नौकरी करने वाले उसके कर्मचारी आज लग्जरी गाड़ियों में घूम रहे हैं और बेचारा बिल्डर एग्रीमेंट वालों के आरोपों के चक्कर मेंकानून की मार भुगत रहा है। जिनका पेमेंट वास्तव में आया था, उनको प्रोपर्टी बेचकर पैसा लौटा रहा है। जिन लोगों को उसके कर्मचारियों ने मिलीभगत कर फ्लैट्स की रजिस्ट्री करा दी, उनको अब उसने सबक सिखाने की ठान ली है। बिना पेमेंट आए फर्जी तरीके से रकम दिखाकर कराई गई रजिस्ट्रियां कैंसल कराने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इतना ही नहीं उसने एक एक कर अपने कर्मचारी और उनके साथ मिलीभगत वाले 26 फ्लैट खरीददारों के बारे में जानकारी कर उनके खिलाफ पुलिस कंप्लेन कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बोनी बिल्ड टेक के मालिक अजय सिंह ने बताया कि वह बिल्डर, वेल्यूअर, एस्टीमेटर और आर्किट्रैक्ट है। उसने वर्ष 2014 में मानसरोवर क्षेत्र में मुहाना मंडी के सामने मदारामपुरा में 200 फ्लैट्स का एक प्रोजेक्ट जेडीए से नक्शा पास कराकर निर्माण किया था। रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर उसका सेल्स ऑफिस था। पर्सनल नौकर नरसी के पास चेक बुक, कैश, चाबियां और अन्य सभी सामान रहता था। नरसी पर विश्वास करता था, लेकिन नरसी ऑफिस में सेल्स और अन्य काम देखने वाले धीरज, कपिल, अकाउंटेंट जयपाल सिंह ओर एक अन्य कर्मचारी आपस में गिरोह बनकर कुछ अन्य लोगों को साथ मिला लिया।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम
प्रताप नगर, जयपुर दिनांक: 25.06.2026
क्रमांक:- 1583 **जाहिर आम-सूचना**

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 71/327 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री योगेश कुमार भार्गव पुत्र श्री बनवारी लाल भार्गव को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2568 दिनांक 21.04.1994 को जारी किया गया। श्री योगेश कुमार भार्गव द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 12.10.2006 को उप पंजीयक-सांगानेर- प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री योगेश कुमार भार्गव द्वारा उक्त आवास को दिनांक 30.10.2006 के द्वारा श्रीमती कंचन देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती कंचन देवी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 03.07.2020 के द्वारा श्री सोमदत्त मीणा पुत्र श्री प्रभुदयाल मीणा को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री सोमदत्त मीणा के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 10488 दिनांक 05-10-2023 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री सोमदत्त मीणा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 18.05.2026 के द्वारा 1. श्री रोशन शर्मा पुत्र श्री सीताराम शर्मा एवं 2. श्रीमती सोनिया शर्मा पत्नी श्री रोशन शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-नवम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती 1. श्री रोशन शर्मा पुत्र श्री सीताराम शर्मा एवं 2.श्रीमती सोनिया शर्मा पत्नी श्री रोशन शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तांतरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, 1. श्री रोशन शर्मा पुत्र श्री सीताराम शर्मा एवं 2. श्रीमती सोनिया शर्मा पत्नी श्री रोशन शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। सम्पदा प्रबंधक वृत्त- प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

खोया पाया

SBI क्रेडिट कार्ड कलेक्शन के लिए साँवर लाल चौधरी के नाम से जारी किया गया आईडी-कार्ड नंबर 1639023, मालवीय नगर, जयपुर में कहीं गिर गया है। मिलने पर कृपया सूचित करें-9680898684

SBI क्रेडिट कार्ड कलेक्शन के लिए दिनेश राम के नाम से जारी किया गया आईडी-कार्ड नंबर 1766233, मालवीय नगर में कहीं गिर गया है। मिलने पर सूचित करें-8505006693

मैं सुनिल सिंह S/o छितर सिंह निवासी-9 सीता विहार विस्तार बैनाड़ रोड जयपुर हु की मेरे गन का लाइसेंस की फोटोस्टेट के लिए कॉलोनी में गया था रास्ते में कही गुम हो गया था । लाइसेंस नंबर 31/DM/DODA है किसी को मिले तो सूचित करे संपर्क 8118834471

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
आम सूचना रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक:F-JDA/Zone 09/2026/D-731

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 235085 दिनांक 23/07/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	SHIPRA YADAV W/o SHANTANU LAMORIA	मैसर्स महिमा रियल एस्टेट प्रा. लि. अधिकृत अधिकारी श्री कपिल रायसिंघानी	22	153.81 SQ. YARD	Private	Mahima City Vila	Name Transfer	Sale deed

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-9, जविप्रा, जयपुर

मालवीय अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.,
प्रधान कार्यालयः ऐ-48 सुदर्शनपुरा ऐनक्लेव, गोलीमार गार्डन, सहकार मार्ग, जयपुर 302001
एम.यू.सी.बी./41/08/2026-27 दिनांक 26.08.2026

अधिसूचना

बैंक के समस्त सम्मानित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की सत्ताइसवीं वार्षिक साधारण सभा (प्रतिनिधि सभा) वर्ष 2025-2026 की बैठक दिनांक 16.09.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे, बैंक के प्रधान कार्यालय, ऐ-48 सुदर्शनपुरा ऐनक्लेव, गोलीमार गार्डन, सहकार मार्ग, जयपुर पर होगी। जिसमें निम्नांकित कार्य सम्पादन हेतु आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विचारणीय विषय निम्न है:-

1. बैंक की गत सामान्य सभा (प्रतिनिधि सभा) की बैठक दिनांक 19.09.2026 की कार्यवाही की पुष्टि करना।
2. बैंक के निदेशक मण्डल के सत्ताईसवें वार्षिक प्रतिवेदन को स्वीकार करना।
3. बैंक के 31.03.2026 को समाप्त हुए वर्ष के अंकेक्षित संतुलन चित्र एवं लाभ हानि खाते की स्वीकृती प्रदान करना।
4. बैंक की वर्ष 2025-2026 की ऑडिट रिपोर्ट एवं उसकी पूर्ती रिपोर्ट की स्वीकृती प्रदान करना।
5. बैंक की वर्ष 2026-2027 की अधिकतम साख सीमा निर्धारित करना।
6. बैंक की वर्ष 2026-2027 की भावी कार्य योजना को स्वीकृति प्रदान करना।
7. बैंक के वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लेखों के अंकेक्षण हेतु सांविधिक अंकेक्षक की नियुक्ति करने पर विचार।
8. बैंक के वर्ष 2025-2026 के लाभ वितरण की स्वीकृति प्रदान करना।
9. बैंक के वर्ष 2026-2027 के बजट प्रस्तावों का अनुमोदन करना एवं वर्ष 2025-26 में बजट से अधिक हुए खर्चों की पुष्टि करना।
10. बैंक के उप नियम संख्या 41 (Linking of shareholding with loan limits) को पुनः संशोधित करने पर विचार।
11. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से लिया जावेगा।

कोरम के अभाव में स्थगित सामान्य सभा (प्रतिनिधि सभा) नियमानुसार आयोजित की जावेगी जो दिनांक 16.09.2026 को अपरान्ह 4.00 बजे उसी स्थान पर सम्पन्न होगी। स्थगित बैठक में उपरोक्त विचारणीय विषय ही रहेंगें।

आदेशानुसार
प्रबन्ध निर्देशक

रोम में आईएफएडी अध्यक्ष से मिले मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास

■ बैठक में मुख्य रूप से सूखा प्रबंधन, फसल पद्धित, डेयरी विकास, कमांड एरिया विकास और जलागम विकास जैसे विषयों पर चर्चा हुई

जयपुर,(निसं)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रोम स्थित इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट (आईएफएडी) मुख्यालय में आईएफएडी के अध्यक्ष डॉ. अल्वारो लारियो से द्विपक्षीय बैठक की।

बैठक में राजस्थान में कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य रूप से सूखा प्रबंधन, फसल पद्धित, डेयरी विकास, कमांड एरिया विकास और जलागम विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सूखे के प्रभाव को कम करने और कृषि क्षेत्र को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप मजबूत बनाने के लिए फसल पद्धित से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विचार साझा किए गए। इसके अलावा प्रदेश में डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने, सिंचाई से जुडे कमांड एरिया के बेहतर विकास तथा जलागम विकास के माध्यम से जल संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि व्यवस्था को मजबूत करने के मुद्दे भी बैठक के एजेंडे में रहे।बैठक के दौरान इन क्षेत्रों में आईएफएडी और राजस्थान के बीच भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े इन विषयों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ राजस्थान को मिलने की संभावनाओं को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैठक में राजस्थान में कृषि-विकास पर सहयोग की संभावनाओं पर मंथन हुआ।

तीन हजार किलोमीटर पीछा कर अपहरणकर्ता को दबोचा

■ राजस्थान हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लंबित होने के कारण आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था

जयपुर(निसं)। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए के इनामी अपहरणकर्ता को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बिहार से अपहृत नाबालिग को भी सकुशल दस्तयाब कर लिया। आरोपी की तलाश में पुलिस टीम ने पांच दिनों में करीब 3 हजार किलोमीटर का सफर तय कर छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार में पीछा किया। मामला राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से भी जुड़ा हुआ था। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि परिवादिया की शिकायत पर 15 मई 2026 को उसकी नाबालिग बेटी के अपहरण का मामला मुहाना थाने में दर्ज हुआ था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित यादव को गिरफ्तार कर नाबालिग को पटना, बिहार से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया था।

इसके बाद रोहित यादव ने इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग से दोबारा संपर्क किया। उसे डराने-धमकाने के बाद 19 जून को फिर से अपहरण कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए और राजस्थान हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लंबित होने के कारण आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। इसके बाद मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार खरडिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। जहां पुलिस की। विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और सूचना तंत्र को सक्रिय करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम लगातार पांच दिनों तक विभिन्न राज्यों में आरोपी का पीछा करती रही। करीब 3 हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद पुलिस ने आरोपी रोहित राय उर्फ रोहित यादव (20) पुत्र जनार्दन राय, निवासी ग्राम डोगाहा, थाना दरियापुर, जिला सारण, बिहार को छत्तीसगढ़ में डिटेन किया।

2026 तक आने के बाद, मुझे लगा था कि आगे भी मैं इस टीम को दो और साल तक आगे ले जाऊँगा। ओलंपिक आएगा। फिर एक और 20 वर्ल्ड कप होगा, आगे एक और चुनौती होगी।

- सूर्यकुमार यादव

भारतीय क्रिकेट कप्तान, टीम से बाहर किए जाने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ आशी चौकसे

वर्ष 2018 में निशानेबाजी की दुनिया में कदम रखने वाली भारतीय राइफल निशानेबाज आशी चौकसे अब अपने दूसरे एशियाई खेलों के लिए तैयार हैं। 24 वर्षीय आशी ने पिछले एशियाई खेलों में तीन पदक जीते थे और अब जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने पिछले प्रदर्शन को स्वर्ण पदक में बदलने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। आशी ने एक बयान में कहा, एशियाई खेल ओलंपिक के बाद सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में से एक हैं और मैं पहले भी वहां हिस्सा ले चुकी हूं। मैंने उस मंच पर प्रदर्शन किया है और मुझे पता है कि वहां क्या करना होता है।

क्या आप जानते हैं ?... मेजर ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है। उन्होंने भारत को लगातार तीन ओलंपिक (1928, 1932 और 1936) में स्वर्ण पदक दिलाए और अपने पूरे करियर में 1000 से अधिक गोल किए।

एशियाई खेल 2026 की मेजबानी पर उठे सवाल, जापान में क्रिकेट सुविधाओं पर उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली, 29 अगस्त। एशियाई खेल 2026 की मेजबानी कर रहे जापान में क्रिकेट टीमों के लिए आवास सुविधाओं की गुणवत्ता पर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। भारत और पाकिस्तान सहित कई क्रिकेट बोर्ड विशेष रूप से खिलाड़ियों के लिए आवंटित छोटे कमरों से नाखुश हैं, जिससे उनके रहने और सामान रखने में परेशानी होगी। इस समस्या के समाधान हेतु, एसीसी ने तत्काल प्रतिनिधियों को जापान जाकर सुविधाओं का जायजा लेने का निर्देश दिया है।

क्रिकेटरों के रहने की व्यवस्था के स्टैंडर्ड को लेकर चिंताओं के बीच, फुल-मेंबर क्रिकेट बोर्ड ने अपने प्रतिनिधियों को तुरंत जापान जाकर वहां दी जा रही सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कहा है। एसीसी की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई, जिसमें खास तौर पर खिलाड़ियों को दिए गए कमरों के आकार को लेकर चिंता जताई गई। खबरों के मुताबिक, ये कमरे इतने छोटे हैं कि दो क्रिकेटर अपने किटबैग और सामान के साथ इनमें आराम से नहीं रह सकते।

मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि यह एक असली समस्या है, क्योंकि कमरे बहुत छोटे हैं। अगर कोई खिलाड़ी अपना किटबैग खोलता है, तो खड़े होने के लिए ज़्यादा जगह नहीं बचेगी। हम इस समस्या का कोई समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि बैठक में ज़्यादातर बोर्ड ने दी जा रही सुविधाओं पर कोई खास असहमति नहीं जताई, हालांकि रहने की जगह का साइज़ एक असली चिंता का विषय बनकर उभरा। खबर है कि एक बोर्ड सदस्य ने चेतावनी दी कि अगर सुविधाएँ ज़रूरी स्टैंडर्ड के मुताबिक नहीं हुईं, तो बोर्ड अपनी पूरी मज़बूत टीम के बजाय टीम भेजने पर विचार कर सकता है।

इस चर्चा के बीच, एक फुल-मेंबर बोर्ड के प्रतिनिधि ने सुझाव दिया कि फुल-मेंबर देशों के प्रतिनिधियों को तुरंत जापान जाना चाहिए और सुविधाओं का खुद जाकर जायज़ा लेना चाहिए। इसके बाद प्रतिनिधि अपने-अपने बोर्ड को फ़ीडबैक देंगे, जिसके आधार पर यह फ़ैसला लिया जा सकेगा कि क्या ये सुविधाएँ हिस्सा लेने वाले क्रिकेटरों के लिए ज़रूरी मानकों को पूरा करती हैं या नहीं। एशियाई खेलों के पिछले एडिशन में भारत ने गोल्ड मेडल जीता था, क्योंकि फ़ाइनल मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया था और भारत की रैंकिंग बेहतर थी। बीसीसीआई ने पुरुषों और महिलाओं, दोनों ही टीमों के लिए मजबूत स्क्वाड का ऐलान किया है, जिसमें श्रेयस अय्यर, जसप्रीत बुमराह, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष टी20 टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, जसप्रित बुमराह।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टी20 टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणानी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल , राधा यादव, नंदनी शर्मा।

लॉर्ड्स टेस्ट बहिष्कार की पीसीबी की धमकी से बेखबर थे, उस वक्त हम लंच कर रहे थे : सरफराज अहमद

नई दिल्ली, 29 अगस्त। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन एक अभूतपूर्व राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामा देखने को मिला। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों के एक इंटरव्यू के प्रसारण पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इतना उखड़ गया कि उसने लंच ब्रेक के बाद मैच का बहिष्कार करने और पूरी सीरीज से हटने तक की धमकी दे डाली। हालांकि, इस पूरे विवाद के बीच एक मजेदार और हैरान कर देने वाला मोड़ तब आया जब दूसरे दिन की खेल समाप्ति के बाद पाकिस्तान टीम के हेड कोच सरफराज अहमद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा कि उन्हें बोर्ड की इस बहिष्कार वाली धमकी या विवाद की कोई जानकारी ही नहीं थी।

इस बीच, इंटरव्यू को इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने होस्ट किया था। सुबह के सेशन के दौरान इसका विज्ञापन चलता रहा। इंटरव्यू की बात करें तो इसमें खान के बेटे अपने पिता की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए दिखे। खान लगभग तीन साल से पाकिस्तान में जेल में हैं। उनके बेटों का आरोप है कि अधिकारी "खुलेआम उन्हें मारने की कोशिश कर रहे हैं" और वे लगातार उनकी हालत को लेकर चिंता जताते रहे हैं। हालाँकि, चूँकि प्रसारण को आखिरकार पाकिस्तान फ़ीड से हटा दिया गया, इसलिए बाबर आज़म की कप्तानी वाली टीम लंच के बाद मैदान पर लौटी और टेस्ट जारी रखा। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट में यही बात कही गई थी। एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब दूसरे दिन के खेल के बाद पूछे जाने पर पाकिस्तान के हेड कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं थी। मुझे कुछ नहीं पता। मैं बस मैच पर ध्यान दे रहा हूँ। आप इंटरव्यू के बारे में बात कर रहे हैं? हमें इंटरव्यू के बारे में पता नहीं है," सरफराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या इंटरव्यू दिखाए जाने के बाद टीम ने मैदान से बाहर रहने पर विचार किया था। "सब ठीक है। उस समय हम लंच कर रहे थे।"

कार्लोस अल्काराज़ यूएस ओपन में खिताब बचाने उतरेंगे

नई दिल्ली, 29 अगस्त। अपनी दाहिनी कलाई में लगी चोट के कारण चार महीने से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले

कार्लोस अल्काराज़ को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी फॉर्म में लौट कर रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज़ चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे लेकिन उन्हें लगता है कि वह वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "आप कार्लिटोस को उसी तरह खेलते हुए देखेंगे जैसे वह हमेशा खेलता आया है।" स्पेन के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अप्रैल के बाद कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है लेकिन वह सोमवार को यहां अच्छी शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध नजर आते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी तकनीक में कोई बदलाव नहीं किया है और शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट होने का भरोसा जताया है। "मुझे प्रतिस्पर्धा की ज़रूरत है। मेरा और मेरी टीम का मानना है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं।

महिला टी20 एशिया कप में थाईलैंड से भिड़ेगी भारतीय टीम, लय हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 29 अगस्त। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को दुबई में महिला टी20 एशिया कप के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में थाईलैंड से भिड़ेगी। हालिया टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद टीम इस मुकाबले में बड़ी जीत के साथ अपनी खोई लय हासिल करना चाहती है। टूर्नामेंट के इतिहास में भारत ने पिछले पांच संस्करणों में से तीन बार खिताब अपने नाम किया है। भारत ने इस साल खेले गए 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से नौ मैच हारे हैं। उसको आखिरी हार हाल में महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से मिली थी। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी।

ऐसे समय में जबकि कप्तान हरमनप्रीत के खुद की फॉर्म और सबसे छोटे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं तब भारत एशिया के दो प्रमुख टूर्नामेंट में खेलने की तैयारी कर रहा है। एशिया कप के तुरंत बाद जापान में एशियाई खेल होंगे। इन दोनों प्रतियोगिताओं में भारत खिताब के मजबूत दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। भारत को आठ टीमों वाली महिला टी20 एशिया कप में थाईलैंड, हांगकांग और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। हरमनप्रीत ने महिला टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। उनके प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता का अभाव है जो टीम के लिए चिंता का विषय है। एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के बाहर होने के बाद भारत ने अपनी टीम में प्रतिका रावल को शामिल किया है, लेकिन टीम को मध्य क्रम में जेमिमा की कमी खलेगी। भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है लेकिन तीसरे नंबर और उसके बाद के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती लय को बनाए रखना और स्कोरबोर्ड को गति प्रदान करना होगा। पिछली बार जब भारत इस प्रारूप में खेला था तब खराब फील्डिंग बड़ी चिंता का विषय था।

टीम इस प्रकार हैं: भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालन कमलिनी (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

थाईलैंड: नारुएमोल चाइवाई (कप्तान), नन्नाफट चाइहान, नत्थाकन चंथम, नाओमी हिल्टन, नन्नापत कोंचरोएनकाई (विकेटकीपर), ओन्निचा कामचोमफू, फन्निता माया, चानिदा सुथिरुआंग, एफिसारा सुवानचोराथी, सुनीदा चतुरोंग्रट्टाना, चायनिसा फेंगपैन, सुलेपोर्न लाओमी, थिपचा पुथावोंग, थानराडा सीसावन, कोरानिट सुवानचोनराथी। मैच भारतीय समयानुसार रात 8:00 बजे शुरू होगा।

यूएस ओपन में सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतकर हैट्रिक लगाने उतरेंगी

नई दिल्ली, 29 अगस्त। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका हाल की खराब

फॉर्म के बावजूद रविवार से यहां शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सबालेंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही तैयार दिखती हैं। लेकिन सबालेंका चिंतित नहीं लग रही हैं।

सबालेंका टोरंटो में चौथे दौर में एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बढ़त का फायदा नहीं उठाने दिया। सबालेंका ने कहा, "वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जूझ रही थी।" उन्होंने कहा, "मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कड़े सबक मुझे और भी ज़्यादा मज़बूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगी।

नीरज चोपड़ा चोट के कारण डायमंड लीग फाइनल और एशियाई खेलों से बाहर

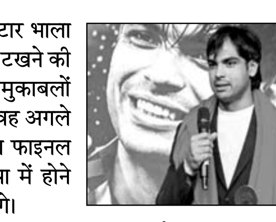

नई दिल्ली, 29 अगस्त। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शनिवार को टखने की चोट के कारण मौजूदा सत्र के बाकी सभी मुकाबलों से हटने का फैसला किया। इसके साथ ही वह अगले सप्ताह ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल और सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

28 वर्षीय नीरज ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि लॉजेन डायमंड लीग में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के कुछ समय बाद अभ्यास के दौरान उनके टखने के लिगामेंट में चोट लगी। उन्होंने डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद पूरे सत्र से बाहर रहने का फैसला किया है।

नीरज ने कहा, कड़ी मेहनत के बाद मुझे आखिरकार लॉजेन में सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उस लय का एहसास होने लगा था, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। दुर्भाग्य से इसके कुछ समय बाद अभ्यास के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सत्र के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा। नीरज का इस सत्र में आखिरी मुकाबला लॉजेन डायमंड लीग था, जहां उन्होंने 88.05 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता था। इससे पहले दोहा डायमंड लीग में वह 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

सिर्फ दो डायमंड लीग मुकाबलों में हिस्सा लेने के बावजूद नीरज ने ब्रसेल्स फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था और इस सत्र के छठे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में फाइनल में जगह बनाई थी। अब चोट के कारण वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। नीरज ने जुलाई में ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। उन्होंने वहां 85.83 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। उन्होंने कहा, यह निराशाजनक है, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लगा था कि मैं अपनी लय हासिल करने के करीब हूं, लेकिन जैसा कहा जाता है, मुश्किलें सफर का हिस्सा होती हैं। अब मेरा ध्यान अच्छी तरह से उबरने और पहले से ज्यादा मजबूत होकर वापसी करने पर है।

श्रीलंका सीरीज जीत के हीरो प्रसिद्ध कृष्णा बने 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़'

नई दिल्ली, 29 अगस्त। श्रीलंका में भारत की सीरीज़ जीत में अहम विकेट लेने के लिए प्रसिद्ध कृष्णा को इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का मेडल दिया गया। टीम के परफॉर्मेंस एनालिस्ट हरि प्रसाद मोहन ने कृष्णा को यह मेडल सौंपा। श्रीलंका दौरे पर, जिसमें दो टेस्ट मैच शामिल थे, कृष्णा ने 24.57 की औसत और 3/52 के बेस्ट आंकड़ों के साथ सात विकेट लिए। अनुभवी जसप्रीत बुमराह की गैर-मौजूदगी में वह भारत के सबसे अच्छे तेज़ गेंदबाज रहे, जबकि स्पिनर मानव सुथार (16) और रवींद्र जडेजा (आठ) ने अपने विकेटों से सुर्खियां बटोरीं।

मेडल सेरेमनी के दौरान, हरि ने बताया कि कैसे प्रसिद्ध ने मुश्किल हालात में भी गेंद से कमाल दिखाया और बल्लेबाज़ों को सही चुनौती दी। वह हमेशा उनसे डेटा की जानकारी मांगते रहते थे और एनालिस्ट से सवाल पूछने में भी उतने ही लगातार और उत्सुक रहते थे जितने कि मैदान पर। प्रसिद्ध को मेडल सौंपते हुए, द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में हरि प्रसाद ने कहा कि तो इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड उसे जाता है जिसने कड़ी मेहनत की, गेंद से कमाल दिखाया और मुश्किल हालात में भी बल्लेबाज़ों को सही चुनौती दी। जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी गेंदबाज़ी से असर डाला। और जब से हम कोलंबो पहुंचे, वह लगातार मुझसे डेटा मांगते रहे। और सच कहूं तो, इस टीम में अगर कोई एनालिस्ट के तौर पर दूसरा काम कर सकता है, तो वह वही हैं। उनकी लगन, विकेट, असर और मुझसे बहुत सारे सवाल पूछने की आदत - जिसका मैं मज़ा भी लेता हूं - के लिए यह अवॉर्ड प्रसिद्ध कृष्णा को जाता है।

प्रसिद्ध ने सभी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि आप सभी के बिना कुछ भी मुमकिन नहीं होता। मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी खेल रहे हैं, उन्हें तो क्रेडिट मिला ही है, लेकिन आसपास मौजूद हर किसी का भी इसमें बड़ा योगदान होता है। टेस्ट मैच के दौरान और कैंप में हर किसी को काफी मेहनत करनी पड़ती है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया से करेगा

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय जूनियर हॉकी टीम

नई दिल्ली, 29 अगस्त। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम शनिवार को एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए चीन के मोकी रवाना हो गई। प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 13 सितंबर तक होगा। 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान मिडफील्डर खैदेम शिलैमा चानू संभालेंगी।

नवनियुक्त मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए लंबे समय तक तैयारी की है। टीम ने इस साल गर्मियों में ब्रिटेन का महत्वपूर्ण दौरा भी किया, जहां उसे शीर्ष स्तर कीओ टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिला। 5 से 14 जुलाई तक एडिनबर्ग और लिलेशल में हुए ब्रिटेन दौरे के दौरान भारत ने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ कुल सात मुकाबले खेले। भारत ने अमेरिका को 6-0 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो मुकाबलों में 2-0 की जीत दर्ज की। अमेरिका के खिलाफ एक अन्य मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की।

इस दौरे से भारतीय टीम को स्कॉटलैंड की अनुभवी सीनियर टीम और बेल्जियम की मजबूत अंडर-21 टीम के खिलाफ खेलने का भी अहम अनुभव मिला।

रवाना होने से पहले मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, टीम एशिया कप के लिए चीन जाने को लेकर काफी उत्साहित है। हमारी तैयारी अच्छी रही है। हमने बेंगलुरु में आई इंडिया टीम के खिलाफ भी चार महत्वपूर्ण मुकाबले खेले। हमें भरोसा है कि हमने ऐसी रणनीति तैयार की है, जिसके खिलाफ खेलना विपक्षी टीमों के लिए मुश्किल होगा। अब हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ इसे आजमाने के लिए उत्साहित हैं। भारत को महिला वर्ग के एलीट पूल में मेजबान चीन, जापान, कोरिया और मलेशिया के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को कोरिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद 6 सितंबर को मलेशिया, 8 सितंबर को जापान और 9 सितंबर को मेजबान चीन से मुकाबला होगा।

एलीट पूल में शीर्ष स्थान के लिए मुकाबलों के बाद प्रतियोगिता नॉकआउट चरण में प्रवेश करेगी। टूर्नामेंट का स्वर्ण पदक मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप एशिया की शीर्ष जूनियर हॉकी टीमों के लिए महत्वपूर्ण मंच है, जहां युवा खिलाड़ियों को महाद्वीप की मजबूत टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलता है।

भारत के एलीट पूल के मुकाबले : - 5 सितंबर: भारत बनाम कोरिया - दोपहर 1 बजे, 6 सितंबर: भारत बनाम मलेशिया - सुबह 9 बजे, 8 सितंबर: जापान बनाम भारत - सुबह 11 बजे, 9 सितंबर: चीन बनाम भारत - शाम 7 बजे।

चौगान स्टेडियम में गूंजा महिला शक्ति का जोश, 280 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने दिखाया वुशू का दम

जयपुर, 29 अगस्त। भारत सरकार व भारतीय खेल प्राधिकरण के खेलों में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें नियमित प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अस्मिता खेलो इंडिया वुशू महिला लीग का आज दिनांक 29 अगस्त, शनिवार को चौगान स्टेडियम, जयपुर में भव्य आगाज हुआ। खेल दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 29 व 30 अगस्त 2026 को जयपुर वुशू संघ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले भर से सब-जूनियर, जूनियर व सीनियर आयु वर्ग मे कुल 280 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि हीरानन्द कटारिया, उपाध्यक्ष भारतीय वूशु संघ ने कहा कि महिला खिलाड़ियों को खेलों से जोड़ने और उन्हें लगातार प्रतियोगिताओं के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी यह दर्शाती है कि वुशू के प्रति बालिकाओं और महिलाओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम में मालती चौहान, खेल अधिकारी सचिवालय, जयपुर, मानसिंह, जिला खेल अधिकारी चौगान स्टेडियम जयपुर, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत कोषाध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू प्रशिक्षक, भारतीय टीम, मनोज अग्रवाल, निदेशक, डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

आमेर नाइट्स और जयगढ़ वॉरियर्स के बीच होगा खिताबी मुकाबला आज

जयपुर, 29 अगस्त। जयपुर फुटबॉल सीज़न के तकनीकी निदेशक रानू सिंह राजावत ने बहुप्रतीक्षित जयपुर फुटबॉल सीज़न 2026 के भव्य फाइनल के लिए मंच पूरी तरह तैयार है। रोमांचक और प्रतिस्पर्धी मुकाबलों से भरे इस सीज़न के बाद आमेर नाइट्स और जयगढ़ वॉरियर्स की टीमें चैंपियनशिप खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। फाइनल दिवस की शुरुआत 9 वर्ष से कम आयु के बालक खिलाड़ियों के प्रदर्शनी मुकाबले से होगी। इसके बाद मुख्य खिताबी मुकाबला तथा समापन एवं पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। जयपुर फुटबॉल सीज़न 2026 का आयोजन जयपुर में युवा फुटबॉल को मजबूत करने तथा खिलाड़ियों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी, व्यवस्थित और विकासोन्मुख फुटबॉल वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है। भव्य फाइनल इस पूरे सफर का समापन करेगा और जयपुर फुटबॉल सीज़न 2026 के प्रथम विजेता का फैसला करेगा।

मैत्री क्रिकेट मैच में सेक्रेटरी एकादश ने स्पोर्ट्स मैनेजर एकादश को 51 रन से हराया

जयपुर, 29 अगस्त। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर में आज खेल एवं उत्साह से भरपूर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्टेडियम परिसर सुबह से ही खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों की उपस्थिति से सजीव रहा। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के खेल अधिकारी (प्रशिक्षण) करण सिंह शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः प्रभात फेरी के साथ हुई। जिसे राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमें विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं स्टेडियम स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल भावना के संदेश के साथ प्रतिभागियों ने भाग लिया। इससे पहले सभी प्रतिभागियों ने स्वयं को शारीरिक रूप से फिट, मानसिक रूप से मजबूत तथा भावनात्मक रूप से संतुलित बनाने और अपने परिवार और दोस्तों को प्रतिदिन खेल एवं फिटनेस गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के साथ साथ प्रत्येक खेल में उत्कृष्टता, सम्मान तथा मित्रता के ओलंपिक मूल्यों को आत्मसात करने का प्रयास करने की शपथ ली। उन्होंने बताया कि प्रभात फेरी के पश्चात हॉकी के बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबले खेले गए। जिसमें महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला एसएमएस क्लब और एमजीजीएस- दुर्गापुरा के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनलः उत्तर और पूर्व क्षेत्र में मुकाबला

नई दिल्ली, 29 अगस्त। बेंगलुरु में रविवार से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में गत चैंपियन मध्य क्षेत्र का सामना पूर्व क्षेत्र से होगा, जबकि दूसरे मैच में उत्तर और दक्षिण क्षेत्र आमने-सामने होंगे। पूर्व और उत्तर क्षेत्र की टीमें क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करके आगे बढ़ी हैं, वहीं मध्य और दक्षिण क्षेत्र को सीधे अंतिम चार में जगह मिली थी।

लगातार दूसरे साल रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रहे मध्य क्षेत्र और तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र को टूर्नामेंट में एक भी मैच न खेलने के बावजूद शानदार शुरुआत करनी होगी। मध्य क्षेत्र में पिछले साल ट्रॉफी जीतने वाली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है। पाटीदार आईपीएल और एमपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं, जबकि उप-कप्तान रिंकू सिंह के रूप में उसके पास मध्य क्रम में एक और मजबूत खिलाड़ी है।

पूर्व क्षेत्र की टीम अपनी लय को बरकरार रखना चाहेगी, जिसमें युवा वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। क्वार्टरफाइनल में पूर्व क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी थी।

राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी : जैसलमेर, भीलवाड़ा, झुंझनू, धौलपुर, सवाई माधोपुर, बाड़मेर, सीकर, कोटा, जोधपुर जीती

जयपुर, 29 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :-

आयुष रविंद्र का शतक, कृष्णा सिंह, पृथ्वी राज, हर्षवर्धन सिंह, चेतन कुमार, कृष्ण कुमार गुप्ता, आज़ाद सिंह, तनिष्क, हितेश शेखावत, शौर्य मेहरा, हिमांशु प्रताप, तनिश, वैभव राजपुरोहित, अभिजीत के अर्धशतक। अभिनव के 6 विकेट, हिमांशु भोकाल, आदित्य रावत, अजय सियाग, युग पारेता,सौभाग्य सिंह भाटी के शानदार गेंदबाजी रही।

जैसलमेर - प्रतापगढ़ मैच (जैसलमेर जीती), जैसलमेर पारी 209 /7, टीम के लिए पृथ्वीराज 85, चेतन कुमार 68 रन। प्रतापगढ़ के गेंदबाज मनन, प्रदीप 2 -2 विकेट। प्रतापगढ़ पारी 65 आल आउट। जैसलमेर के गेंदबाज अभिनव 23 /6 व जयंत 8 /2 विकेट।

बूंदी - झुंझनू मैच (झुंझनूजीती), बूंदी पारी 158 आल आउट, टीम के लिए जसकिरण42 रन। झुंझनूके गेंदबाज हिमांशु भौकाल 24 /4 व पियूष39 /2 विकेट। झुंझनूपारी 162 /4, टीम के लिए हर्षवर्धन सिंह 72, ऋषभदेव 31 रन। बूंदी के गेंदबाज सिद्धांत सोनी 61 /2 विकेट।

भीलवाड़ा - झालावाड़ मैच (भीलवाड़ा जीती), भीलवाड़ा पारी 139 आल आउट, टीम के लिए अपूर्व शर्मा 32, गोविन्द 26 रन। झालावाड़ के गेंदबाज रोहन,

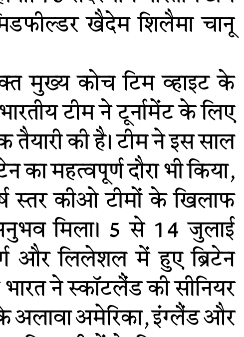

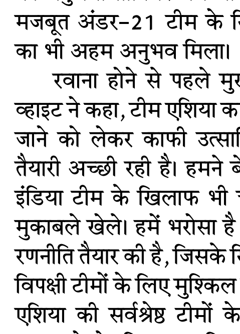

चंद्रप्रकाश 3 -3 विकेट। झालावाड़ पारी 113 आल आउट, टीम के लिए वरुण 40 रन। भीलवाड़ा दिव्यांश 15 /3, अनिल 22 /3 व गोविन्द 33 /2 विकेट।

भरतपुर - धौलपुर मैच (धौलपुर जीती), भरतपुर पारी 174 आल आउट, टीम के लिए गिरीषचौधरी 49 व प्रशान्त29 रन। धौलपुर के गेंदबाज तनिष्क, दिव्यांशु3 -3 व सुजल 2 विकेट। धौलपुर पारी 175 /3, टीम के लिए आयुष रविंद्र 100 व सात्विक 41 रन।

सवाई माधोपुर - उदयपुर मैच (सवाई माधोपुर जीती), सवाई माधोपुर पारी 258 /5, टीम के लिए कृष्ण कुमार गुप्ता 78, आज़ाद सिंह 62, तनिष्क 58 रन। उदयपुर के गेंदबाज अरनव 34 /2 विकेट उदयपुर। उदयपुर पारी 124 आल आउट। सवाई माधोपुर के गेंदबाज आदित्य रावत 14 /4।

बाड़मेर - टोंक मैच (बाड़मेर जीती), बाड़मेर पारी 171 /9 . टीम के लिए प्रभब46, हार्दिक 44 रन। टोंक के गेंदबाज पुरवादित्यआयुष, आदित्य वाधवा 3 -3 विकेट। टोंक पारी 133 आल आउट, टीम के लिए आदित्य वाधवा 33 व धनञ्जय शर्मा 22 रन। बाड़मेर के गेंदबाज योजित चौधरी 21 /3, भावेश 31 /3 व दिनेश 34 /2 विकेट।

सीकर - बीकानेर मैच (सीकर जीती), सीकर पारी 214 आल आउट, टीम के लिए हितेश शेखावत 59 व अदनान 46 रन। बीकानेर अजय सियाग 43 /4, सुमित 31 /3 विकेट। बीकानेर पारी 130 आल आउट, टीम के लिए शौर्य मेहरा 55 रन। सीकर के गेंदबाज लक्ष्य वैष्णव, अभिषेक मूंड, भव्य चौधरी 2 -2 विकेट।

हनुमानगढ़ - कोटा मैच (कोटा जीती), हनुमानगढ़ पारी 166 /9, टीम के लिए हिमांशु प्रताप 69 व अश्व 25 रन। कोटा के गेंदबाज युग प्रताप 25 /4 व शिवराज 16 /3 विकेट। कोटा पारी 167 /8, टीम के लिए तनिश 54, शिवराज 28 रन। हनुमानगढ़ के गेंदबाज दक्ष, युगांत, वंश 2 -2 विकेट।

जोधपुर - नागौर मैच (जोधपुर जीती), जोधपुर पारी 274 /7, टीम के लिए कृष्णा सिंह 91, वैभव राजपुरोहित 66 व अभिजीत 64 रन। नागौर के गेंदबाज यश चौधरी, नायार पंवार 2 -2 विकेट। नागौर पारी 166 आल आउट, टीम के लिए राघव 36, यश 29 व आदित्य 28 रन। जोधपुर के गेंदबाज सौभाग्य सिंह भाटी 33 /4 व अनुराग, गजेंद्र 2 -2 विकेट।

नेपाल में हाइड्रोपावर परियोजना में फँसे चार भारतीय सुरक्षित निकाले गए

भारत ने लापता लोगों की पहचान और बचाव अभियान में सहायता के लिए फॉरेंसिक एवं सुरंग बचाव विशेषज्ञों की टीम भेजी है

■ विदेश मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को चीन से 120 भारतीय नागरिक नेपाल में दाखिल हुए।

नई दिल्ली, 29 अगस्त। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के बाद जारी राहत एवं बचाव अभियान के बीच शनिवार को हाइड्रोपावर परियोजना से चार भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन चारों के जल्द काठमांडू पहुंचने की उम्मीद है। इसके साथ ही भारत ने लापता लोगों की पहचान और बचाव अभियान में सहायता के लिए फॉरेंसिक और सुरंग बचाव विशेषज्ञों की टीमें भी नेपाल भेजी हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि रसुवा में एक हाइड्रोपावर परियोजना से चार भारतीय नागरिकों को बचाया गया है। ये रिपु कुमार, चंद्रशेखर नरजरी, कृपाशंकर और मोहम्मद मिन्हाजुद्दीन हैं। इनके जल्द काठमांडू पहुंचने की उम्मीद है। मंत्रालय की ओर से बताया गया कि मृतकों के अवशेषों की पहचान में सहायता के लिए भारत से छह सदस्यीय फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी नेपाल पहुंचने वाली है। यह टीम डीएनए नमूनों के विश्लेषण और मृतकों की पहचान में नेपाली अधिकारियों की मदद करेगी।

सुरंग बचाव के लिए भेजी गई विशेष तकनीकी टीम भी काठमांडू पहुंच चुकी है। इस टीम ने गुरुवार को सुरंग बचाव अभियान का जायजा लिया था और शुक्रवार को प्रभावित क्षेत्र में विस्तृत आकलन किया। टीम की सिफारिश के आधार पर भारत से विशेष सुरंग बचाव उपकरणों के साथ एक अन्य टीम शनिवार को नेपाल पहुंचने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को चीन की ओर से 120 भारतीय नागरिक नेपाल में दाखिल हुए हैं। इससे पहले भी चीन की ओर से कई भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नेपाल में बचाव एवं राहत अभियान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच जारी है। मंत्रालय के अनुसार, अब तक कुल 88 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि 287 भारतीय नागरिक लापता हैं। इसके अलावा भारतीय मूल के 128 लोग भी लापता बताए गए हैं।

भाजपा के तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्रकैद की सजा काट रहे थे। उनकी अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित थी। पूर्व कांग्रेस नेता कुमार लंबे समय से उच्च रक्तचाप और पार्किंसन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। हरियाणा कांग्रेस के कुछ नेताओं, जिनमें हुड्डा भी शामिल थे, ने उनकी मौत पर तुरंत शोक व्यक्त किया था। लेकिन कुमार के विवादित अतीत और आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों को देखते हुए, उन्हें पार्टी के भीतर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने तीनों भाजपा सांसदों-रामवीर बिधूड़ी, योगेन्द्र चंदोलिया और कमलजीत सहरावत-को तलब किया और कड़ी फटकार लगाई।

नबीन ने कहा, "उन्हें वहां नहीं जाना चाहिए था।"

चित्रकूट में बाढ़: मंदाकिनी पर बना पुल बहा

■ पुल के टूटने से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क टूटा। मंदाकिनी खतरे के निशान से 8 मीटर ऊपर बह रही है।

चित्रकूट, 29 अगस्त। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में मंदाकिनी नदी ने शनिवार को रौद्र रूप धारण कर लिया। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण बाढ़ का पानी रामघाट समेत आसपास के निचले इलाकों में फैल गया। मध्य प्रदेश की सीमा से लगे नया गांव में मंदाकिनी नदी पर बना पुल तेज बहाव में बह गया। पुल के टूटने से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क टूट गया है। शाम पांच बजे तक मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से करीब आठ मीटर ऊपर बह रही थी। मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही रामघाट और आसपास के इलाकों में पानी तेजी से भरने लगा। रामघाट के मार्केट की सभी दुकानें बाढ़ के पानी में डूब गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं।

पाली में भाजपा की मेयर रेखा भाटी के पति राकेश भाटी कांग्रेस में शामिल

निकाय चुनावों के समय इस घटना से भाजपा को बड़ा झटका लगा है

■ जयपुर में कांग्रेस के वॉर रूम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राकेश भाटी को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई।

जयपुर, 29 अगस्त (निसं)। पाली में भाजपा को उस समय बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जब वर्तमान महापौर रेखा भाटी के पति और पूर्व सभापति राकेश भाटी ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। जयपुर स्थित कांग्रेस वॉर रूम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई।

राकेश भाटी पाली की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। वे पूर्व में सभापति, नेता प्रतिपक्ष और लगातार पांच बार पार्षद रह चुके हैं। इसके साथ ही, वे भाजपा के जिला महामंत्री और पूर्व सांसद पीपी चौधरी के सांसद प्रतिनिधि की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। उनके कांग्रेस में शामिल होने को पाली की स्थानीय राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

राकेश भाटी ने, भाजपा छोड़ने के पीछे पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख की कार्यशैली और नीतियों से नाराजगी को प्रमुख कारण बताया। हालांकि, उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और पूर्व सांसद पीपी चौधरी की प्रशंसा करते हुए उन्हें अच्छा और भला व्यक्ति बताया। इस मौके पर कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी ने कहा कि राकेश भाटी पिछले करीब दो वर्षों से उनके संपर्क में और साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राकेश भाटी ने उनके विधानसभा चुनाव में भी सहयोग किया था। ऐसे में उनके कांग्रेस में औपचारिक रूप से शामिल होने से पाली में पार्टी को मजबूती मिलेगी।

राकेश भाटी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद पाली की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। नगर निकाय चुनावों के बीच भाजपा के एक वरिष्ठ और अनुभवी नेता का कांग्रेस में जाना पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

भारत और चीन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि नेपाल में करीब 320 भारतीय अब भी लापता हैं, जबकि सरकार चीनी क्षेत्र में करीब 400 भारतीय नागरिकों से संपर्क स्थापित करने में सफल रही है।

बाढ़ की सबसे भयावह तस्वीरों में से कुछ ग्यिरोंग बंदरगाह क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुईं। तस्वीरों में अचानक आई पानी और कीचड़ की तेज लहर को कई मंजिला इमिग्रेशन कार्यालय के ऊपर से बहते हुए देखा गया। इलाके में मौजूद लोग जान बचाने के लिए भागते दिखाई दिए। सीमावर्ती ग्यिरोंग बंदरगाह तिब्बत और नेपाल को जोड़ता है। कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील जाने वाले हर यात्री को यहां इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी करनी होती है। हालांकि खासा और कोराला में भी सीमा चौकियां हैं, लेकिन ग्यिरोंग वाला रास्ता सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला रास्ता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ आने के समय कम से कम 130 लोग इमिग्रेशन सेंटर के पास या उसके अंदर मौजूद थे। इनमें सबसे बड़ा 80 लोगों का समूह सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन का था।

इस सप्ताह की शुरुआत में जारी एक भावुक वीडियो में सद्गुरु ने रोते हुए बताया कि समूह में 19 देशों की 46 महिलाएं और 34 पुरुष शामिल थे और आपदा आने से कुछ ही मिनट पहले वे इमिग्रेशन चौकी पर पहुंचे थे।

सद्गुरु ने कहा, "वास्तव में पूरा समूह इमारत के अंदर था... यह एक भयानक और असाधारण घटना है।" उनके आसपास मौजूद लोगों के रोने की आवाजें भी सुनाई दे रही थीं।

तिब्बत के सागा में मौजूद आध्यात्मिक गुरु ने बताया कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपने यात्रा समूह के साथ इसी इमिग्रेशन चौकी को पार किया था। उन्होंने कहा, "जिस इमारत में हम सिर्फ एक सप्ताह पहले इमिग्रेशन के लिए गए थे... वह पूरी इमारत बह गई है।"

ममता बनर्जी पर एफआईआर

■ यह एफआईआर तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के लिए कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों के उल्लंघन पर दर्ज की गई है।

कोलकाता, 29 अगस्त। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता पुलिस ने शनिवार को एफआईआर दर्ज की है। ये एफआईआर टीएमसीपी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के आयोजन के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट की लगाई गई शर्तों के कथित उल्लंघन के बाद दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि ममता बनर्जी और तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) की बैठक के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई।

शनिवार को भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुटों, विधायकों, संगठन और दावेदारों के बीच संतुलन बनाने की कवायद भी बड़ी परीक्षा बनी हुई है।

वित्त आयोग के अध्यक्ष, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं अजमेर संभाग के निकाय चुनाव प्रभारी डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में पिछले छह दशकों में पहली बार नगरीय निकाय चुनाव की इतनी व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश के 10 हजार से अधिक वॉर्डों और प्रत्येक निकाय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी चयन के दौरान, एक-एक वार्ड के सामाजिक समीकरण, स्थानीय सामाजिक संगठनों की भूमिका, पार्टी कार्यकर्ताओं की भावना और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों का बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है। इन्हीं आधारों पर जीत की रणनीति तैयार की जा रही है।

मंथन: भाजपा प्रदेश मुख्यालय में टिकटों पर चल रहा संभागवार महामंथन रविवार को भी जारी रहने की संभावना है। जिन जिलों और वॉर्डों में स्थानीय स्तर पर सहमति नहीं बन पाई है, वहां प्रत्याशियों के नामों पर दोबारा चर्चा होगी।

भाजपा के लिए अब जयपुर संभाग सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में दावेदारों और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के कारण प्रत्याशी चयन पर गहन चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर आंतरिक मतभेद और नेताओं के बीच खींचतान की चर्चाओं के बीच भाजपा लगातार अपनी संगठनात्मक तैयारी को प्रमुखता से सामने रख रही है। भाजपा नेतृत्व का दावा है कि टिकट वितरण के बाद संगठन पूरी तरह एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरेगा और 'ट्रिपल इंजन सरकार' के विकास मॉडल के साथ 309 नगरीय निकायों में चुनावी मुकाबले में सक्रिय होगा। अब सबकी नजर 31 अगस्त पर टिकी है, जब भाजपा प्रदेशभर में अपने उम्मीदवारों की तस्वीर साफ कर सकती है।

हमने सभी महत्वपूर्ण जानकारी समय पर नेपाल को दी- चीन

■ समय पर चेतावनी नहीं देने के लगातार आरोपों के बीच चीन ने तीसरे दिन भी स्पष्टीकरण दिया।

काठमांडू, 29 अगस्त। नेपाल में हालिया बाढ़ और भूस्खलन को लेकर चीन द्वारा समय रहते नेपाल को चेतावनी नहीं दिये जाने के आरोपों के बीच, नेपाल स्थित चीनी दूतावास ने आज लगातार तीसरे दिन स्पष्टीकरण जारी किया है।

दूतावास ने नेपाली मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर कहा है कि चीनी विशेषज्ञों ने उपलब्ध तकनीक की सीमाओं के भीतर लगातार निगरानी, आकलन और विश्लेषण किया तथा महत्वपूर्ण जानकारी नेपाल के साथ समय पर साझा की।

फड़णवीस ने भूख हड़ताल पर बैठे आदिवासी छात्रों की मांगें मानीं

■ एक आदिवासी स्कूल में सांप के काटने से तीन छात्राओं के मौत के बाद यह आंदोलन शुरु हुआ था

मुंबई, 29 अगस्त। महाराष्ट्र सरकार ने तीन शहरों में भूख हड़ताल कर रहे आदिवासी छात्रों की सभी प्रमुख मांगों को मानने का एलान किया है। राज्य के आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने छात्र प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद उनकी मांगों को स्वीकार कर लिया है। सरकार ने छात्रों से भूख हड़ताल खत्म कर पढ़ाई पर लौटने की अपील की है। आदिवासी छात्रों का आंदोलन पुणे, नागपुर और नासिक में चल रहा था। यह आंदोलन गढ़ चिरौली जिले के एक आदिवासी आवासीय स्कूल में सांप के काटने से तीन आदिवासी छात्राओं की मौत के बाद शुरू हुआ था। छात्रों ने सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों की भर्ती और आदिवासी बच्चों के लिए चलाए जा रहे आवासीय स्कूलों की व्यवस्था सुधारने समेत कई मांगें उठाई थीं।

मंत्री अशोक उइके ने बताया कि मुख्यमंत्री ने छात्रों को भरोसा दिया है कि तीन महीने बाद दोबारा बैठक होगी। इसमें यह देखा जाएगा कि सरकार ने जिन फैसलों का ऐलान किया है, उन्हें लागू करने में कोई परेशानी तो नहीं आ रही है। सरकार की ओर से एसटी उम्मीदवारों की सरकारी भर्ती से जुड़ी मांग पर भी फैसला लिया गया है। छात्रों की मांग थी कि संबंधित सरकारी आदेश के अनुसार, प्वाइंट रोस्टर में एसटी को दूसरे स्थान पर रखा जाए। इसके लिए सरकार ने पहले ही एक समिति बना दी है। समिति की सिफारिश तीन महीने के भीतर आने की उम्मीद है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत ने फिर कहा, 1960 की सिंधु जल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इलाकों वाले देशों पर भी पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि छह दशकों से भी अधिक समय तक भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध, सैन्य टकराव और लंबे समय तक चले कूटनीतिक संकटों के बावजूद कायम रही है। इससे यह साबित होता है कि पानी के क्षेत्र में सहयोग को राजनीतिक तनाव से अलग रखना कितना महत्वपूर्ण है।

दार ने कहा, "यह समझौता वैध, बाध्यकारी और पूरी तरह लागू करने योग्य है।"

पाकिस्तान लगातार कहता रहा है कि भारत एकतरफा तरीके से संधि को स्थगित नहीं कर सकता। उसने भारत के रुख के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की भी कोशिश की है। ऐसा लगता है कि वॉशिंगटन में इस मुद्दे को उठाकर, इस्लामाबाद इस विवाद को भारत-पाकिस्तान के बीच के टकराव तक सीमित रखने के बजाय, सीमा पार के जल प्रबंधन पर एक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय बहस में बदलना चाहता है।

डार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की इस बात में जायज दिलचस्पी है कि साझा नदियों के प्रबंधन के लिए संधि आधारित व्यवस्थाएं कायम रहें, खासकर इसलिए, क्योंकि निचले इलाकों में स्थित देश पानी के अनुमानित प्रवाह पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

इस्लामाबाद अब इस विवाद को जलवायु परिवर्तन और पाकिस्तान में बढ़ते जल संकट से भी जोड़ रहा है।

डार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन ने पाकिस्तान के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है। ऐसे में सहयोग, पारदर्शिता और समय पर पानी से जुड़े आंकड़ों की उपलब्धता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। पाकिस्तान, खेती, पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए सिंधु नदी प्रणाली पर बहुत अधिक निर्भर है।

इसलिए इस्लामाबाद के लिए नदी के पानी के प्रवाह को लेकर किसी भी तरह की अनिश्चितता के नतीजे कूटनीति से कहीं आगे तक जा सकते हैं, खासकर उसकी कृषि पर निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए। तथापि, भारत का तर्क है कि संधि से जुड़ी परिस्थितियां मौलिक रूप से बदल चुकी हैं, खासकर पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद को लगातार मिल रहे समर्थन के कारण। नई दिल्ली का रुख है कि पानी के क्षेत्र में सहयोग को व्यापक सुरक्षा संबंधों से अलग नहीं किया जा सकता।

परिणामस्वरूप, इस विवाद ने एक रणनीतिक रूप ले लिया है। पाकिस्तान चाहता है कि संधि के तहत बनी व्यवस्थाएं बहाल हों और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाए, जबकि भारत ने जल सहयोग के भविष्य को सीधे सुरक्षा स्थिति से जोड़ दिया है।

पाकिस्तान की ताजा अपील से यह भी स्पष्ट होता है कि किस तरह सिंधु नदी के पानी का मुद्दा पहले से तनावपूर्ण भारत-पाकिस्तान संबंधों के केन्द्र में आ गया है।

1960 की संधि ने सिंधु नदी बेसिन की छह नदियों के पानी के इस्तेमाल को दोनों देशों के बीच बांट दिया था। इसके तहत, भारत को पूर्वी नदियों-रावी, ब्यास और सतलुज पर अधिकार मिला, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों-सिंधु, झेलम और चिनाब पर व्यापक अधिकार दिए गए।

कई दशकों तक, यह संधि दोनों प्रतिद्वंदी देशों के बीच काम करने वाले कुछ गिने-चुने संस्थागत माध्यमों में से एक बनी रही। इसके निलंबन ने अब दोनों देशों के बीच जल संबंधों में भरोसे और पूर्वानुमान की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था खत्म कर दी है।

पाकिस्तान की वॉशिंगटन और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन हासिल करने की कोशिश से संकेत मिलता है कि इस्लामाबाद भारत के रुख को चुनौती देने के लिए कूटनीति और बाहरी दबाव को महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देख रहा है।

हालांकि, भारत के लिए संदेश भी उतना ही स्पष्ट है: जब तक दोनों देशों के सुरक्षा संबंधों में बुनियादी बदलाव नहीं आता, तब तक नई दिल्ली द्वारा सिंधु जल संधि को सामान्य कामकाज की तरह मानने की संभावना नहीं है।

यूपी की गंडक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें से छह शव महाराजगंज और कुशीनगर जिलों में गंडक नदी से बरामद किए गए हैं। दोनों जिले नेपाल की सीमा से लगे हैं। अधिकारी अभी तक मृतकों की पहचान नहीं कर पाये हैं और न उनके परिवारों का पता ही लगाया जा सका है। महाराजगंज में गुरुवार को तीन शव बरामद किए गए, जिनमें दो महिलाओं के शव भी शामिल हैं। नदी की तेज धारा में शव दिखाई देने के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। नदी और आसपास के इलाकों पर नजर रख रहे सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की बचाव टीम ने मोटरबोट की मदद से शवों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल के शवगृह में भेज दिया। गंडक नदी नेपाल से होकर बहने वाली त्रिशूली नदी तन्त्र का हिस्सा है और इसके बाद भारत में प्रवेश करती है। तिब्बत से निकलने वाली भोटेकोशी नदी त्रिशूली में मिलती है और आगे चलकर यही नदी भारत में गंडक के रूप में प्रवेश करती है। बाढ़ का असर पानी के साथ नीचे की ओर गंडक तक पहुंचा है। अधिकारियों ने कहा कि नदी में अब भी पानी तेज गति से बह रहा है और आने वाले समय में और शव या मलबा भारतीय क्षेत्र में पहुंच सकता है। हालांकि पानी का स्तर घटने के साथ तत्काल बाढ़ का खतरा कम हो गया है, लेकिन अधिकारी अब भी सतर्क हैं और नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

वैनेज़ुएला के 65 अरब बैरल तेल भंडार पर अमेरिका ने कब्जा किया

अमेरिका वैनेज़ुएला के साथ एक डील कर रहा है जिससे उसके तेल भंडार पर अमेरिका का नियंत्रण हो जाएगा

■ असल में तेल और गैस की बढ़ती कीमतों के कारण ट्रंप भारी दबाव में हैं और इस डील से अमेरिका को राहत मिल सकती है।

वाशिंगटन डीसी, 29 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने वेनेजुएला के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत, इस दक्षिण अमेरिकी देश के 65 अरब बैरल तेल भंडार पर अमेरिका नियंत्रण हासिल करेगा।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस समझौते की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसे विदेश मंत्री मार्क रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बातचीत के बाद तैयार किया है। ट्रंप ने लिखा, अमेरिका ने अभी वेनेजुएला के साथ दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा तेल समझौता किया है। इस समझौते की घोषणा करीब नौ महीने बाद हुई है। इससे पहले ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया था। उन्हें अमेरिका ले जाया गया था। वहां उन पर संघीय स्तर पर आतंकवाद और नशीली दवाओं की तस्करी के आरोपों में मुकदमा चलाया जाना था। ट्रंप पर गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, ईरान में युद्ध को छह महीने पूरे हो चुके हैं। अभी इसके खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अमेरिका ने अपने रणनीतिक तेल भंडार का इस्तेमाल भी किया है। अगस्त की शुरुआत में इसमें तेल की मात्रा 30 करोड़ बैरल से नीचे चली गई थी। 2026 की शुरुआत से इसमें 10 करोड़ बैरल से ज्यादा की कमी आई है। ट्रंप का कहना है कि वेनेजुएला ने अमेरिका का तेल चुराया था। उनका तर्क है कि वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज ने कई दशक पहले सैकड़ों विदेशी कंपनियों की संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इनमें अमेरिकी तेल कंपनियों की संपत्तियां भी शामिल थीं।

बाढ़ से हुए विनाश की खबरें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों द्वारा किए गए बचाव अभियानों के बेहद बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए वीरतापूर्ण दृश्यों को प्रमुखता दी जा रही है। इन्हें चीनी सरकारी मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है।

चीनी सरकारी मीडिया में दिखाए जा रहे वीडियो और कवरेज बेहद नाटकीय और अविश्वसनीय लगते हैं। ऐसा प्रतीत होता है, मानो चीनी बचावकर्मी फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए हर खतरे का सामना कर रहे हों। बीबीसी, जिसने अपने संवाददाताओं को घटनास्थल के करीब तैनात किया है, के अनुसार, इस बात का लगभग कोई विवरण नहीं है कि आखिर किन लोगों को बचाया जा रहा है।

बीबीसी द्वारा उद्धृत स्थानीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यालय के एक संक्षिप्त संदेश में कहा गया है: "आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने और स्थिरता तथा जनता का विश्वास सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें।" इसमें यह भी कहा गया है कि "अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा और खराब प्रदर्शन करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।"

चीनी अधिकारी इस बात से डरे हुए हैं कि वास्तविक दृश्यों और नुकसान की भयावहता को सामने लाने से तिब्बत के लोगों में गंभीर असंतोष पैदा हो सकता है। आपदा के आने की कोई शुरुआती चेतावनी नहीं दी गई, जबकि चीन के पास बर्फीले ग्लेशियरों की गतिविधियों और उनसे होने वाले संभावित प्रभावों का पता लगाने के लिए विस्तृत प्रणालियां और तंत्र मौजूद हैं।

इस क्षेत्र के तिब्बती लोग, दशकों से तिब्बतियों के साथ उचित व्यवहार न किए जाने और तिब्बतियों के लगातार चीनीकरण के प्रयासों के खिलाफ आंदोलन करते रहे हैं। इस क्षेत्र में हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर चल रही निर्माण गतिविधियों ने इन ऊंचे हिमालयी पर्वतीय इलाकों के नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को प्रभावित किया है।

1951 में तिब्बत पर कब्जा करने के बाद से ही चीन तिब्बत की विशिष्ट संस्कृति और जीवन-पद्धित के सभी निशान मिटाने का प्रयास करता रहा है। यह प्रक्रिया आज भी जारी है और यहां तक कि ऐसी अभूतपूर्व आपदा के बीच भी जारी है, जिसमें अभी तक मारे गए लोगों की सही संख्या भी ज्ञात नहीं है।

चीनी अधिकारियों ने इस क्षेत्र के लिए कडे दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें कहा गया है कि सभी कर्मचारियों और श्रमिकों को सरकारी रुख का पालन करना होगा और क्षेत्र से दिए गए ऐसे किसी भी साक्षात्कार या व्यक्त किए गए विचार, जो सरकारी लाइन के विपरीत हों, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नतीजतन, चीनी पक्ष से वास्तविक हालात और बचाव अभियानों के बारे में बहुत कम जानकारी सामने आ रही है। जो भी जानकारी उपलब्ध है, वह सीमा के दूसरी ओर नेपाल से मिल रही है, जहां बचावकर्मी और अन्य लोग मीडिया से खुलकर बात कर रहे हैं।

नेपाल के अधिकारियों ने विदेशी राहत संगठनों और राहतकर्मियों की गतिविधियों को मुख्य रूप से इसलिए सीमित किया है, ताकि राहत कार्य के नाम पर चीनियों की अत्यधिक घुसपैठ को रोका जा सके। नेपाली सरकार और राहत संगठन प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने के लिए असाधारण प्रयास कर रहे हैं।

हालांकि, लगातार बदलते मौसम और प्रशिक्षित राहत एवं बचाव तंत्र की कमी ने इन प्रयासों पर दबाव बढ़ा दिया है। भारत ने हर संभव मदद और मानवीय सहयोग की पेशकश की है। लेकिन फिलहाल वह इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। नेपाल के लिए यह संभव नहीं है कि वह चीनी बचावकर्मियों को घटनास्थल पर आने से रोकते हुए भारतीय बचावकर्मियों को वहां आने की अनुमति दे।

कूटनीति, राजकाज और शासन व्यवस्था-ये सभी अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं, यहां तक कि, ऐसी भयावह परिस्थितियों में भी।

प्रधानमंत्री मोदी चौथी बार उज़्बेकिस्तान दौरे पर

■ राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

ताशकंद, 29 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे, जहां राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उनका गर्मजोशी भरा स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने इस स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का आभार जताते हुए कहा कि उज्बेकिस्तान की उनकी यह चौथी यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और उनमें लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद पहुंचने के बाद 'एक्स' पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "ताशकंद पहुंचा, जहां राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। इस विशेष भाव के लिए मैं उनका आभारी हूं।" उन्होंने उज्बेक भाषा में भी अपने संदेश को साझा किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क स्थित स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मिर्जियोयेव भी मौजूद रहे।

'खड़गे के कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण संविधान के खिलाफ है'

राहुल गांधी ने कहा, घटना को 20 दिन हो चुके हैं पर अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है

■ राहुल गांधी ने कहा, जब तक इस मसले पर न्याय नहीं मिल जाता कांग्रेस पार्टी संघर्ष जारी रखेगी।

नई दिल्ली, 29 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के बाद कथित 'शुद्धिकरण' की घटना को लेकर उत्तराखंड सरकार से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा कि घटना को करीब 20 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। राहुल गांधी ने घटना को छुआछूत से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि यह संविधान के खिलाफ है और संबंधित लोगों पर एससी-एसटी कानून के तहत मामला दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और हल्द्वानी के रामलीला मैदान में उनके कार्यक्रम के बाद जिस तरह से 'शुद्धिकरण' किया गया, वह स्वीकार्य नहीं है। मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार को जल्द-से-जल्द एफआईआर दर्ज कर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश में दलितों के साथ भेदभाव और अपमान की घटनाएं आज भी अलग-अलग रूपों में दिखाई देती हैं। संविधान ने छुआछूत और भेदभाव को गैरकानूनी बनाया है लेकिन, सामाजिक स्तर पर ऐसी मानसिकता पूरी तरह समाप्त नहीं ? हुई है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सीधी कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि घटना के बाद लंबा समय बीत जाने के बावजूद एफआईआर नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी न्याय के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

पीओके के 17 वें प्रधानमंत्री बने इफ्तिख़ार गिलानी

मुज़फ़्फ़राबाद, 29 अगस्त। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के नेता इफ़्तिख़ार गिलानी ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) के 17वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली।

शुक्रवार को मुज़फ़्फ़राबाद स्थित पीओके विधानसभा में आयोजित समारोह में उन्होंने पद की शपथ लेने के बाद सदन को अपना पहला संबोधन दिया।

प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने भाषण में गिलानी ने भारत के खिलाफ तीखी बयानबाजी की और कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत पर निशाना साधा।

गिलानी ने दावा किया कि कानून बनाकर कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908